* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

29 नवंबर, 2023
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, द्वितीया
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 39

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

उत्तरकाशी टनल में फंसे सभी 41 मजदूर 17वें दिन निकाले गये

SCIENCE POINT®

Estd. : 2008

A Perfect Guide For Future...

JEE (MAINS / ADVANCE) | MEDICAL | SLEET | XI | XII | VII - X (JAC, CBSE, ICSE)

PRAYAS 2024

FREE REGISTRATION

SCHOLARSHIP CUM ADMISSION TEST

XI^th MOVING to XII^th | IX^th MOVING to X^th

TARGET : JHARKHAND TOPPER 2025 • SCHOOL TOPPER 2025
BEST RESULT IN BOARD EXAM 2025

SCHOLARSHIPS UPTO 100%

PHASE - I (3 DEC. 2023)
LAST DATE OF REGISTRATION 2 DEC. 2023

PHASE - II (7 JAN. 2024)
LAST DATE OF REGISTRATION 6 JAN. 2024

We are known for our incomparable results since 15th Years

12th JAC TOPPERS

1st
Nilesh Kr. Sahu
St. John's Inter College

2nd
Sonam Kumari
Ursuline Inter College

10th
Sunil Kumar Keshri
Marwari College

11th
Ranjan Kumar
St. Xavier's College

17th
Abhishek Kumar Singh
St. Xavier's College

17th
Khushi Kumari Singh
St. Xavier's College

17th
Ambika Binyak
Ursuline Inter College

MATRIC JHARKHAND TOPPER

97% 0.20 RANK 5
SUDHANSU YADAV
St. Aloysius High School

96% 0.40 RANK 8 2020
NISHAT ANJUM
St. Anne's School, Ranchi

96% 0.20 RANK 9 2020
MEGHA GUPTA
St. Anne's School, Ranchi

96% RANK 12
SUDHANSU THAKUR
At. Aloysius High School

96% RANK 12
HARSHITA JHA
St. Anne's Girls' High School

HEAD OFFICE : 2nd FLOOR, CAPITAL PLAZA, DANGRA TOLI, RANCHI
JEE/NEET CAMPUS : 3rd FLOOR BESIDE RELIANCE, DANGRA TOLI, RANCHI

7739982786 / 9973853488 / 0651-3168343

@sciencepoint www.sciencepointranchi.com

सर्राफा
सोना (बिक्री) 58,800 रु./10 ग्राम
चांदी 78,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in

झारखंड को कब मिलेगी पलायन के कलंक से मुक्ति

■ हर साल लगभग 40 लाख लोग रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जा रहे हैं

■ तमाम सरकारी प्रयासों और योजनाओं के बावजूद कम नहीं हो रहा पलायन

■ उत्तराखंड टनल हादसे के बाद से और भी चिंतनीय है पलायन का सवाल

उत्तरकाशी टनल हादसे ने पूरी दुनिया के सामने और खास कर भारत और झारखंड के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। यह सवाल है मानव संसाधन के पलायन का। झारखंड में पलायन का दर्द नया नहीं है। पहले अविभाजित बिहार और 23 साल पहले बना झारखंड यदि देश-दुनिया में जाना जाता है, तो सिर्फ खनिज संपदा के कारण ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, मानव तस्करी और पलायन के लिए भी वह चर्चित है। झारखंड में पलायन कितनी गंभीर समस्या बन चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उत्तरकाशी टनल में फंसे 15 मजदूर केवल 25 हजार प्रति माह के वेतन की लालच में वहां काम करने गये थे। इसके अलावा झारखंड से हर साल करीब 40 लाख लोग केवल रोजी-रोजगार की तलाश में देश के विभिन्न हिस्सों में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी पलायन करते हैं। इसके अलावा झारखंड के माथे पर मानव तस्करी भी एक कलंक है। इसमें फर्जी प्लेसमेंट एजेंटों द्वारा राज्य की महिलाओं और बच्चों को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और दूसरे महानगरों में नौकरी दिलाने के नाम पर ले जाकर बेच दिया जाता है, जहां उनका शारीरिक और मानसिक शोषण होता है। सबसे दुखद बात यह है कि सरकार की तमाम नीतियां, कानून और योजनाएं भी इस समस्या का हल नहीं निकाल पा रही हैं। वास्तव में झारखंड में पलायन और मानव तस्करी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पलायन और मानव तस्करी विकास से जुड़े कई विरोधाभासी मुद्दों में से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके मूल में है गरीबी, जहां भूख से लोग मरने के कगार पर आ जायें, तो कानून का होना और न होना उनके लिए कोई मायने नहीं रखता है। सरकार हालांकि पलायन और मानव तस्करी रोकने के दावे करती है, लेकिन अगर सरकार काम मुहैया कराती है, तभी वे लोग अपने राज्य में रहेंगे, अन्यथा उनका पलायन बदस्तूर जारी रहेगा। क्या है झारखंड से पलायन की हकीकत और क्या हो सकता है इसका निदान, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डा, जहां से दुनिया के हर कोने के लिए विमान सेवा उपलब्ध है। यहां अहले सुबह मुलाकात होती है विकास सिंह से। वह कैब सेवा देनेवाली कंपनी में चलनेवाली गाड़ी का ड्राइवर है। थाणे में रहता है। बातचीत में कहता है, झारखंड से हैं। आगे पूछने पर कहता है, हजारीबाग, फिर बरही और अंत में बरकट्ठा। यह पूछने पर कि वह मुंबई कैसे पहुंच गया। विकास कहता है, गांव में क्या करता। हाइस्कूल पास करने के बाद कहीं कोई काम नहीं मिला। हजारीबाग और रांची में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम किया। फिर ढाई साल पहले मुंबई आ गया। यहां विकास के गांव, यानी बरकट्ठा इलाके के एक हजार से अधिक लोग इसी तरह छोटा-मोटा काम कर पेट पाल रहे हैं। विकास कहता है, झारखंड में ढंग का काम मिल जाता, तो हर दिन महज तीन-चार सौ रुपये बचाने के लिए इतनी दूर क्यों आता।

विकास की कहानी सुनने के बाद सहसा याद आता है लोकप्रिय वेब सीरीज 'खाकीः द बिहार चैप्टर' का ओपनिंग सीन, जब आइपीएस बनने के बाद अमित लोढ़ा अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ ट्रेन में सफर करते हुए एक सहयात्री से कहते हैं, जयपुर के रहनेवाले हैं। बिहार में जॉब मिली है, सो जा रहा हूं। तब वह बुजुर्ग सहयात्री कहता है, बिहार में कहां जॉब है। बिहार के लोग तो रोजगार के लिए बाहर जाते हैं। आपको बिहार में कौन सा जॉब मिला है। उस बुजुर्ग यात्री की टिप्पणी बिहार-झारखंड की उस समस्या को रेखांकित करती है, जिसे दुनिया पलायन और मानव तस्करी के नाम से जानती है।

ऊपर वर्णित इन दोनों कहानियों का निष्कर्ष एक ही है। प्राकृतिक संपदा से भरपूर झारखंड सांस्कृतिक मामले में बड़ा विशिष्ट है। भाषा और लोगों के रहन-सहन के आधार पर इसकी एक अलग पहचान पूरे विश्व में है। यह स्वयं में अपना एक स्वर्णिम अतीत समेटे हुए है। लेकिन विडंबना यह है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी यहां के लोगों की न तो दशा बदली और न दिशा। इतना देखने को अवश्य मिला कि यहां के लोग जंगल और जमीन से दूर होने पर मजबूर कर दिये गये। इससे यहां के लोगों की जीवन शैली में परिवर्तन आ गया। रोजगार के लिए आदिवासी और अन्य समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। जल, जंगल और जमीन के लिए लंबे संघर्ष के बाद 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर एक आदिवासी बहुल राज्य झारखंड बना था। इसका लाभ यह हुआ कि पिछले 23 वर्षों में इस राज्य की कमान पांच बार आदिवासी नेताओं के हाथ में रही। 28 एसटी विधानसभा सीटों के बावजूद इस राज्य में रह रहे आदिवासी तंगहाली में ही जी रहे हैं तथा पलायन को मजबूर हैं। करमा, सोहराय आदि जैसे त्योहार के दौरान इनकी कला और संस्कृति मनमोहक आकर्षक छटा बिखेरती है, लेकिन विकास की दौड़ में आज ये लोग पीछे छूट गये हैं। चिंता का विषय यह है कि झारखंड में आदिवासी समुदाय की संख्या घट रही है। 1951 में जब झारखंड नहीं बना था, तब इसकी जनसंख्या 36.02 फीसदी थी, लेकिन राज्य झारखंड बनने के बाद 2011 में इनकी जनसंख्या 26.02 फीसदी हो गयी। इसका मुख्य कारण पलायन और मानव तस्करी है।

यह हकीकत है कि आदिवासियों का इस्तेमाल सिर्फ वोट बैंक के रूप में होता रहा है। जब कभी भी रोजगार की बात होती है, तो इस समाज को मजदूर के रूप में ही देखा जाता है। आजीविका के सिमटते साधन की वजह से झारखंड वासियों के युवाओं को अपने गांव से पलायन करना पड़ रहा है। लाखों की संख्या में आदिवासी युवक-युवती अपनी पेट की आग बुझाने के लिए राज्य के बाहर जाने के लिए बाध्य हैं। झारखंड में पलायन और मानव तस्करी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पलायन और मानव तस्करी विकास से जुड़े कई विरोधाभासी मुद्दों में से एक महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। झारखंड में दलित और आदिवासी आबादी की 35 प्रतिशत जनसंख्या पलायन को मजबूर है। इनमें 55 प्रतिशत महिलाएं, 30 प्रतिशत पुरुष और 15 प्रतिशत बच्चे शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा दिहाड़ी मजदूर और शेष फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी और दलालों के द्वारा राज्य से बाहर ले जाये जा रहे हैं। झारखंड में मजदूर सस्ती दरों पर उपलब्ध होने के कारण मजदूरों का पलायन खाड़ी देशों में भी लगातार हो रहा है। देश के भीतर भी सर्वाधिक पलायन झारखंड से होता है।

एक गैर-सरकारी संस्था ने कुछ दिन पहले एक रिपोर्ट जारी की थी। उसमें कहा गया था कि झारखंड से हर साल करीब 40 लाख लोग देश-विदेश में रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं। इनके लौटने की संख्या पांच लाख भी नहीं होती। इतना ही नहीं, हर साल करीब 12 सौ झारखंडी विभिन्न हादसों के शिकार होते हैं और इसके बदले में उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिलता है। इतना ही नहीं, वर्ष 2019 से लेकर 2022 के अंत तक मानव तस्करी के कुल 656 केस दर्ज किये गये हैं। इनमें मानव तस्करी के शिकार की संख्या 1574 थी। 18 वर्ष से कम उम्र के मानव तस्करी के शिकार युवकों की संख्या 332 और 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों की संख्या 117, 18 वर्ष से अधिक उम्र की लड़कियों की संख्या 309 थी। गत वर्ष राज्य में सबसे अधिक मानव तस्करी के केस गुमला, सिमडेगा, खूंटी, साहिबगंज और रांची में दर्ज किये गये है। इन पांच वर्षों में सबसे अधिक 212 लोग सिमडेगा से मानव तस्करी के शिकार हुए हैं। पलायन का दूसरा रूप उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाना भी है। प्रतिभाओं का यह पलायन भी झारखंड के लिए खतरे की घंटी है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहयोग से हुए इस अध्ययन में यह बात भी सामने आयी है कि बदलती हुई कृषि पद्धतियों ने भी संकटपूर्ण प्रवासन को बढ़ा दिया है। झारखंड के किसान एक फसली कृषि पर गुजर-बसर करते हैं। वर्ष के छह माह किसान परिवारों के पास नगद आमदनी के लिए काम नहीं रहता है। यह समस्या पलायन को बल प्रदान करती है। महिलाएं बिना किसी सुरक्षा उपाय के मजदूरी के बारे में बिना किसी सटीक पड़ताल और जानकारी के दलालों के साथ अकेले प्रवास करती हैं और तस्करी और शोषण के मध्य पिस जाती हैं। आमतौर पर मजदूरों का पलायन धनरोपनी के बाद होता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सुखाड़ की आशंका ने पहले ही उन्हें गांव घर छोड़ने के लिए विवश कर दिया है।

पलायन और मानव तस्करी दीमक की तरह झारखंड को खोखला कर रही है। यह राज्य और केंद्र सरकार दोनों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। झारखंड के किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह समस्या प्राथमिकता सूची में नहीं आयी है। उम्मीद है कि अब इस कलंक से मुक्ति पाने की दिशा में ध्यान दिया जायेगा।

रैट माइनर्स : हमें डर नहीं लगता, कहकर घुसे...

टीम ने 21 घंटे खोदा और 418 घंटे का रेस्क्यू हुआ खत्म

आजाद सिपाही संवाददाता

उत्तरकाशी। 'मुझे टनल में जाने से डर नहीं लगता। यहां तो 800 मिमी का पाइप है, हम लोग तो 600 मिमी के पाइप में घुसकर भी रैट माइनिंग कर लेते हैं। ये तो रोज का काम है।' यूपी के झांसी के रहने वाले परसादी लोधी ये सब मुस्कुराते हुए बताते हैं। परसादी का ये कंफिडेंस सही साबित हुआ। क्योंकि सिर्फ 21 घंटे में हाथों से उनकी टीम ने करीब 12 से 13 मीटर खोद दिया। अब उत्तराखंड के सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल में 17 दिनों से फंसे मजदूर बस बाहर आने वाले थे। मजदूरों और रेस्क्यू टीम के बीच 60 मीटर की दूरी थी। 21 नवंबर को अमेरिकी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग शुरू हुई, लेकिन 25 नवंबर की सुबह करीब 47 मीटर पर मशीन जवाब दे गयी। आगे की खुदाई रैट माइनर्स को जिम्मेदारी दी गयी। इसके लिए रैट माइनर्स की टीम सिल्क्यारा बुलायी गयी। ये टीम रेस्क्यू ऑपरेशन की असली हीरो साबित हुई। क्योंकि वर्टिकल ड्रिलिंग न सिर्फ खतरनाक थी बल्कि धीमी भी मानी जा रही थी। रैट माइनर्स ने अपना जलवा दिखा दिया। आखिरकार रैट माइनर्स को सफलता मिल गयी। मजदूर बाहर आ गये।

रैट होल माइनिंग क्या है?

रैट का मतलब है चूहा, होल का मतलब है छेद और माइनिंग मतलब खुदाई। साफ है कि छेद में घुसकर चूहे की तरह खुदाई करना। इसमें पतले से छेद से पहाड़ के किनारे से खुदाई शुरू की जाती है और पोल बनाकर धीरे-धीरे छोटी हैंड ड्रिलिंग मशीन से ड्रिल किया जाता है। हाथ से ही मलबे को बाहर निकाला जाता है। रैट होल माइनिंग नाम की प्रोसेस का इस्तेमाल आम तौर पर कोयले की माइनिंग में होता रहा है। झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तर पूर्व में रैट होल माइनिंग होती है, लेकिन रैट होल माइनिंग काफी खतरनाक काम है, इसलिए इसे कई बार बैन भी किया जा चुका है।

टनल में जाने से पहले क्या कहा रैट माइनर्स ने

परसादी लोधी को रैट माइनिंग का 10-12 साल का अनुभव है। हालांकि, फंसे मजदूरों को निकालने का काम वे पहली बार किया। उन्होंने कहा कि मैं 10-12 साल से रैट होल माइनिंग का काम कर रहा हूं। दिल्ली और अहमदाबाद में काम करता हूं। टनल में फंसे लोगों को निकालने का काम पहली बार करूंगा। मुझे डर नहीं, ये तो रोज का काम है। परसादी लोधी 28 नवंबर की सुबह टनल में अंदर घुसने के पहले जब हमें ये सब बता रहे थे तब काफी आश्वस्त नजर आ रहे थे। परसादी बताते हैं कि हम हिलटी नाम की हैंड ड्रिलर मशीन लाये हैं। 800 मिमी के पाइप में अंदर घुसकर पहले हम हैंड ड्रिलर से ड्रिल कर रहे हैं, फिर मलबे को बाहर निकाल रहे हैं। ये काम करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। उम्मीद है कि पूरी प्रोसेस तेजी से होगी। दूसरे रैट माइनर्स राकेश राजपूत थे। वह झांसी के रहने वाले हैं। राकेश राजपूत का काम मलबा निकालने का है। राकेश को भी रैट माइनिंग का 12 साल का अनुभव है। राकेश राजपूत ट्रेंचलैस कंपनी में पाइप पुशिंग का काम करते हैं। राकेश का काम मलबा निकालने का है। उन्होंने गैंती-फावड़ा से मलबा इकट्ठा किया और उसे ट्रॉली पर चढ़ाया। फिर ट्रॉली को खींचकर बाहर निकाला गया। राकेश कहते हैं कि हमारी कोशिश है कि हमारे जरिए ये मजदूर निकल जायें। ये मिशन पूरा हो जाये। आखिर वो भी हमारी तरह ही मजदूर हैं। इस काम को करने में हम बिल्कुल देरी नहीं लगाना चाहते। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो शुरुआत करने से लेकर 18 घंटे लगेंगे। यूपी के झांसी के ही रहने वाले भूपेंद्र राजपूत भी टनल में खुदाई करते हैं। वे कहते हैं कि मैं दो तीन साल से ये काम कर रहा हूं।

रैट होल माइनिंग विवादित और गैर-कानूनी, लेकिन मजदूरों के लिए बनी वरदान

मैनुअली सुरंग में बना दिया रास्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। उत्तरकाशी की निमार्णाधीन सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन से फंसे 41 श्रमिकों के लिए मंगलवार का दिन अहम साबित हुआ। बचाव अभियान में लगी टीम को आज सफलता मिल गयी है। फंसे मजदूरों को निकालने के लिए रैट माइनिंग पद्धति द्वारा सुरंग के अंदर मैन्युअल ड्रिलिंग की गयी। रैट माइनर्स द्वारा यह ड्रिलिंग 57 मीटर तक की गयी।

दरअसल, 12 नवंबर 2023 की अल सुबह 05.30 बजे सिलक्यारा से बड़कोट के बीच बन रही निमार्णाधीन सुरंग में धंसाव हो गया। सुरंग के सिल्क्यारा हिस्से में 60 मीटर की दूरी में मलबा गिरने के कारण यह घटना हुई। 41 श्रमिक सुरंग के अंदर सिलक्यारा पोर्टल से 260 मीटर से 265 मीटर अंदर रिप्रोफाइलिंग का काम कर रहे थे, तभी सिलक्यारा पोर्टल से 205 मीटर से 260 मीटर की दूरी पर मिट्टी का धंसाव हुआ और सभी 41 श्रमिक अंदर फंस गये। घटना की सूचना तुरंत राज्य और केंद्र सरकार की सभी संबंधित एजेंसियों को दी गयी। उपलब्ध पाइपों के जरिए सुरंग में फंसे हुए श्रमिकों को ऑक्सीजन, पानी, बिजली, पैक भोजन की आपूर्ति के साथ बचाव कार्य शुरू किया गया। फंसे हुए श्रमिकों से वॉकी-टॉकी के माध्यम से भी संचार स्थापित किया गया है। श्रमिकों को शीघ्र बचाव के लिए कई बीते 16 दिनों में कई उपाय किये गये हैं। कई तरह की तकनीकों का इस्तामल किया गया। इन सभी तकनीकों मं बाधायें आयीं। अंत में रैट माइनिंग की काम आयी। हालांकि रैट माइनिंग विवादित और गैर-कानूनी, लेकिन सुरंग में फंसे मजदूरों के लिए वरदान बनी।

सिलक्यारा में रैट माइनर्स कैसे काम किये

सिलक्यारा बचाव अभियान में लगातार विफल होते विकल्पों के बीच सोमवार को छह सदस्यीय रैट माइनर्स की टीम को तैनात किया गया। ऑगर मशीन के फेल होने के बाद हाथ से खोदाई कराने का फैसला किया गया। श्रमिकों की कुशल टीम रैट होल माइनिंग पद्धति का इस्तेमाल करके हाथ से मलबा हटाने का काम किया। एक विशेषज्ञ ने बताया कि एक आदमी खुदाई करता है, दूसरा मलबा इकट्ठा करता है और तीसरा उसे बाहर निकालने के लिए ट्रॉली पर रखता है। विशेषज्ञ मैन्युअली मलबे को हटाने के लिए 800 मिमी पाइप के अंदर काम कर रहे हैं। कहा गया कि इस दौरान एक फावड़ा और अन्य विशेष उपकरण का उपयोग किया जा रहा है। ऑक्सीजन के लिए एक ब्लोअर भी लगा है। इस प्रकार की ड्रिलिंग काफी मेहनत वाला काम है और खुदाई करने वालों को बारी-बारी से खुदाई करनी पड़ती है। हालांकि, ये खनिक ऐसे कामों के लिए कुशल हैं।

यह पद्धति विवादित है

रैट-होल माइनिंग एक ऐसी पद्धति है जिसमें कुछ खनिक कोयला निकालने के लिए संकरे बिलों में जाते हैं। हालांकि, यह पद्धति विवादित और गैर-कानूनी भी है। दरअसल, यह प्रथा पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय में प्रचलित थी। खनिक गड्ढे खोदकर चार फीट चौड़ाई वाले उन संकरे गड्ढों में उतरते थे जो, जहां केवल एक व्यक्ति की जगह होती है। वे बांस की सीढ़ियों और रस्सियों का इस्तेमाल करके नीचे उतरते थे, फिर गैंती, फावड़े और टोकरियों आदि का उपयोग करके मैन्युअल रूप से कोयला निकालते थे।

विवादित क्यों है यह पद्धति?

इस तरीके से होने वाली खुदाई से सुरक्षा खतरे उत्पन्न हो गये। ऐसा इसलिए क्योंकि खनिक सुरक्षा उपाय किये बिना गड्ढे में उतर जाते थे और कई बार हादसों का शिकार हो जाते थे। ऐसे कई मामले भी आये जहां बरसात में रैट होल माइनिंग के कारण खनन क्षेत्रों में पानी भर गया, जिसके चलते श्रमिकों की जानें गयीं। यही कारण है कि साल 2014 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने मेघालय में इस पद्धति से होने वाली खुदाई पर पाबंदी लगा दिया।

www.epaper.azadsipahi.in

29 नवंबर, 2023
मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष, द्वितीया
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 39

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

वर्ल्ड मीडिया में उत्तरकाशी रेस्क्यू : सभी ने की कामयाबी की सराहना

आयी मंगल घड़ी, निकले सभी मजदूर

■ झारखंड के 15 मजदूर भी सुरक्षित | ■ टनल में 17 दिन से 41 मजदूर फंसे थे | ■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा : भावुक करनेवाला पल | ■ सीएम हेमंत ने कहा : वीरता-साहस को सलाम

आजाद सिपाही संवाददाता

उत्तरकाशी। आखिरकार 17 दिन तक चले बचाव अभियान के बाद मंगलवार को वह 'मंगलघड़ी' आयी जिसका ना सिर्फ मजदूरों के परिवारों बल्कि पूरे देश को इंतजार था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान मंगलवार देर रात पूरा हो गया। टनल के अंदर से 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। टनल से मजदूर के निकलते ही एंबुलेंस से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाहर निकाले गए श्रमिकों से बात की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री वीके सिंह भी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजदूरों को सुरक्षित सकपशल निकाले जाने पर खुशी जाहिर की और उन्होंने बधाई व शुभकामनाएं दी। 400 से अधिक घंटे तक देसी-विदेशी मशीनों और एक्सपर्ट ने मुश्किलों और चुनौतियों से भरे मिशन में हर बाधा को पार करते हुए मजदूरों को धीरे-धीरे बाहर निकाला गया। मलबे में 800 एमएम की पाइप डालकर एक स्केप टनल बनाया गया जिसके जरिए मजदूरों को बाहर निकाला गया। टनल के भीतर और बाहर 41 एंबुलेंस तैनात किये गये थे। मजदूरों को बाहर निकालने के बाद सीधे अस्पताल ले जाया गया। हेल्थ चेकअप और आवश्यक इलाज के बाद ही उन्हें घर भेजा जायेगा।

रैट माइनर्स का अहम योगदान

सुरंग में सिलक्यारा छोर पर करीब 60 मीटर तक मलबे में सुराख किया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत कई एजेंसियों ने एक साथ मिलकर दिन रात काम किया। करीब 50 मीटर की ड्रिलिंग ऑगर मशीन से की गयी थी। इसके बाद मैनुअल ड्रिलिंग के जरिए खुदाई की गयी। इस में रैट माइनर्स का अहम योगदान रहा। रैट माइनर्स ने बेहद मुश्किल परिस्थिति में काफी तेजी से काम किया और उस काम को कर दिखाया जिसमें मशीन भी फेल हो गयी।

दिवाली की सुबह हुआ था हादसा 17 दिन बाद खुली हवा में ली सांस

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारधाम सड़क परियोजना (ऑलवेदर रोड) के लिए निमार्णाधीन सुरंग में रविवार को यह हादसा हुआ था। यमुनोत्री हाइवे पर धरासू से बड़कोट कस्बे के बीच सिलक्यारा से पौल गांव तक 4.5 किलोमीटर टनल निर्माण चल रहा है। दिवाली के दिन तड़के चार बजे शिफ्ट चेंजिंग के दौरान सुरंग के मुहाने से करीब 150 मीटर अंदर टनल का 60 मीटर हिस्सा टूट गया और सभी मजदूर अंदर फंस गये। हादसे के वक्त टनल के मुहाने के पास मौजूद प्लंबर उपेंद्र के सामने यह हादसा हुआ था। काम के लिए अंदर जा रहे उपेंद्र ने जब मलबा गिरते हुए देखा तो बाहर भागकर उसने शोर मचाया। इसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गयी।

पाइपलाइन थी लाइफलाइन

सुरंग से पानी निकासी के लिए लगायी गयी एक पौने चार इंच की पाइप लाइफलाइन साबित हुई। हादसे के बाद इसी पाइप के जरिए मजदूरों को ऑक्सीजन, पानी और खाने के लिए कुछ हल्के-फुल्के सामान भेजे गये। इसी पाइप के जरिए उन्हें जरूरी दवाएं भी दी गयीं। हादसे के बाद 10वें दिन एक छह इंच की पाइप मजदूरों तक पहुंचाने में सफलता मिली, जिसके बाद उन्हें गरम खाना दिया जाने लगा। इसी पाइप के जरिए अंदर कैमरा भेजा गया और पहली बार अंदर का दृश्य दिखा।

किस राज्य के कितने मजदूर

झारखंड- 15	पश्चिम बंगाल-3
उत्तर प्रदेश- 8	उत्तराखंड-2
ओड़िशा-5	असम-2
बिहार-5	हिमाचल प्रदेश -1

पीएम मोदी ने ट्वीट करके खुशी जतायी

उत्तरकाशी में हमारे श्रमिक भाइयों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है। टनल में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। यह अत्यंत संतोष की बात है कि लंबे इंतजार के बाद अब हमारे ये साथी अपने प्रियजनों से मिलेंगे। इन सभी के परिजनों ने भी इस चुनौतीपूर्ण समय में जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए वो कम है। में इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं। उनकी बहादुरी और संकल्प-शक्ति ने हमारे श्रमिक भाइयों को नया जीवन दिया है। इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है।

हेमंत ने कहा : आपके परिवार की आज दिवाली

सीएम हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर कहा कि हमारे 41 वीर श्रमिक उत्तराखंड में सुरंग की अनिश्चितता, अंधकार और कपकाती ठंड को मात देकर आज 17 दिनों के बाद जंग जीतकर बाहर आये हैं। आप सभी की वीरता और साहस को सलाम। जिस दिन यह हादसा हुआ उस दिन दीपावली थी, मगर आपके परिवार के लिए आज दीपावली हुई है। आपके परिवार और समस्त देशवासियों के तटस्थ विश्वास और प्रार्थना को भी मैं नमन करता हूं। इस ऐतिहासिक और साहसिक मुहिम को अंजाम देने में लगी सभी टीमों को हार्दिक धन्यवाद। देश के निर्माण में किसी भी श्रमिक की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रकृति और समय का पहिया बार-बार बता रहा है कि हमारी नियत और नीति में श्रमिक सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण भूमिका में रहे।

लोहरदगा में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम

यह आदिवासी-मूलवासी की सरकार: हेमंत

- 133 करोड़ रुपये की 21 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया
- 80,208 लाभुकों के बीच 132 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति बांटी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान का यह तीसरा चरण है। अभियान में शामिल होने के लिए आज लोहरदगा आया हूं। राज्यवासियों के द्वार तक राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का यह लगातार तीसरा साल है। यह आदिवासी-मूलवासी की सरकार है। अंतिम व्यक्ति तक पहुंच कर उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। अब तीसरे चरण के कार्यक्रम के तहत पंचायत और वार्ड स्तर पर शिविर आयोजित हो रहें हैं। जहां पदाधिकारी नहीं जाते थे, आज वे योजनाएं लेकर आपके बीच आ रहें हैं। ताकि राज्य के आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक को उनका अधिकार और योजनाओं का लाभ मिले। मुख्यमंत्री मंगलवार को लोहरदगा के चीरी, कुडू में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में अतिथि बोल रहे थे।

झारखंड की जड़ों को मजबूत करना है: मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके गांव, पंचायत में हमने पदाधिकारियों को योजनाओं की गठरी बांधकर भेजने का काम किया है। पूर्व की सरकारों ने कभी गांव, गरीब, किसान सहित आम जनता की सुध लेने का काम नहीं किया। यही कारण है कि लाखों आवेदन शिविरों में आये। पूर्व की सरकार कभी पदाधिकारियों को गांव, पंचायत में भेजने का काम नहीं करती थी। हमने यह सब बदला। आज लाखों जरूरतमंद लोगों को अधिकार मिल रहा है। पदाधिकारी आमजन की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए है। हमें यहां की जड़ों को मजबूत करना है। जड़ यहां के किसान, श्रमिक, नौजवान हैं।

पांच वर्ष के दिव्यांग को भी पेंशन मिलेगा: हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार अब पांच वर्ष उम्र के दिव्यांग को भी पेंशन देगी। मुख्यमंत्री ने कहा झारखंड के जरूरतमंदों के लिए आठ लाख आवास की स्वीकृति केंद्र सरकार ने नहीं दी। अब हमारी सरकार जरूरतमंद को योजना से आच्छादित कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्राम गाड़ी योजना शुरू कर रही है, जिसमें वृद्ध, आंदोलनकारी समेत अन्य को निःशुल्क बस सेवा प्रदान की जाएगी।

मिलेगा वन पट्टा, खेल और खिलाड़ियों को मिल रहा बढ़ावा: मुख्यमंत्री ने कहा कि वनों पर निर्भर रहने वालों को वन पट्टा देने हेतु अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान चलाया जा रहा है। ताकि, अहर्ता प्राप्त लोगों को वन पट्टा दिया जा सके। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने 133 करोड़ रुपये की 21 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही 80,208 लाभुकों के बीच 132 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति बांटी। इस मौके पर मंत्री रामेश्वर उरांव, मंत्री सत्यानंद भोक्ता समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम से इडी ने की पूछताछ

- अवैध खनन मामले में भेजा था समन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साहिबगंज एसपी नौशाद आलम मंगलवार को रांची के हिनू स्थित प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय पहुंचे। उन पर अवैध खनन के गवाह विजय हांसदा को भड़काने का आरोप है। इडी अधिकारियों ने उनसे लंबी पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक उनसे विजय हांसदा को किसके कहने पर डराया। अवैध खनन के बारे में उनके पास क्या जानकारी है। समेत इस मामले से जुड़े कई सवाल पूछे गये। नौशाद ने कुछ सवालों का साफ-साफ जवाब दिया, जबकि कुछ सवालों को टाल गये।

गौरतलब है कि नौशाद आलम पर इडी के गवाह विजय हांसदा पर दबाव बनाने का आरोप है। इडी ने 10 नवंबर को समन जारी कर 22 नवंबर को तलब किया था। उस दिन नौशाद आलम उपस्थित नहीं हुए और इडी को पत्र भेज कर वक्त मांगा था। उन्होंने इडी से दूसरी तारीख देने की मांग की थी। इस बीच उन्होंने मामले को लेकर पुलिस मुख्यालय से सुझाव भी मांगा था। इडी ने दोबारा समन जारी कर 28 नवंबर को पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था। वह मंगलवार की सुबह इडी कार्यालय पहुंचे। नौशाद आलम पर अवैध खनन मामले में इडी के गवाह विजय हंसादा पर दबाव बनाने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक जिस प्रकार जेल में बंद कारोबारी अमित अग्रवाल ने अधिवक्ता राजीव कुमार को फंसाने की साजिश रची थी, उसी प्रकार नौशाद आलम ने प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को फंसाने के लिए इडी के गवाह रहे विजय हांसदा की मदद की थी। साथ ही उन पर पंकज मिश्रा बनाम विजय हांसदा मामले में उसे दिल्ली आने-जाने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का भी आरोप है। हालांकि पुलिस का कहना है कि विजय हांसदा ट्रेन से दिल्ली गये थे। इडी ने जांच के दौरान पाया था कि विजय हांसदा को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली जाना था। सूत्रों के मुताबिक नौशाद आलम अपने साथ कुछ कागजात भी लेकर अये थे, जो इडी अधिकारियों को दिखाया। हालांकि ये कागजात क्या थे, इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पायी है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक ये नौशाद आलम की अपनी संपत्ति से संबधित कागजात थे।

जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा में देश सेवा सर्वोपरि : बाबूलाल

प्रदेश भाजपा ने पंचायत समिति सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को गिरिडीह में जिला के पंचायत समिति सदस्यों के प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन इस मौके पर उन्होंने पार्टी के इतिहास विकास, संकल्प,प्रतिबद्धता जैसे आयामों पर विस्तार से चर्चा की। बाबूलाल ने कहा कि भारत को इसके प्राचीन संस्कृति, गौरवशाली अतीत को फिर प्रतिस्थापित कर देश को पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन करने के साथ जनसंघ और फिर भाजपा की स्थापना हुई। जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा में पार्टी की राजनीति के केंद्र में राष्ट्र सेवा सर्वोपरी है। भाजपा की पंच निष्ठाओं में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, लोकतंत्र,गांधीवादी समाजवाद,सर्व धर्म समभाव और मूल्य आधारित राजनीति समाहित है। एकात्म मानव दर्शन के साथ हमारा संकल्प अंत्योदय है। विश्व बंधुत्व के भाव से भारत विश्व के कल्याण के लिए समर्पित है। बाबूलाल ने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है। हमने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। स्वतंत्र भारत में राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा केलिए पहला बलिदान पार्टी के प्रेरणा पुरुष और जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का हुआ। दो विधान, दो निशान ,दो प्रधान के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए डॉ मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर में अपनी गिरफ्तारी दी जहां जेल में एक षड्यंत्र के तहत उनकी हत्या कर दी गयी। उन्होंने कहा कि भले ही उस वक्त हमारा जनाधार बड़ा नहीं था, लेकिन हमारा संकल्प भारत की जन भावनाओं के अनुरूप था। राष्ट्र सेवा के प्रति हमारी वैचारिक प्रतिबद्धता मजबूत थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा देश पर थोपे गये आपातकाल में जनसंघ ने लोकतंत्र की रक्षा केलिए अपनी पहचान तक मिटा दी। तुष्टिकरण की राजनीति ने देश का बड़ा नुकसान किया है। देश का विभाजन भी कांग्रेस की तुष्टिकरण का ही परिणाम था।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने अपने मौलिक चिंतन में तुष्टिकरण नहीं बल्कि सर्व पंथ समभाव को अपनाया है। आज भी भाजपा की चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्य की योजनाओं के क्रियान्वयन में धर्म पंथ के आधार पर कोई भेद भाव नहीं किये जा रहे। आज भाजपा अपने सैद्धांतिक प्रतिबद्धताओं के आधार साथ आगे बढ़ते हुए विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक दल बनी है। भाजपा ने परिवारवाद,वंशवाद की धार को कमजोर किया है। भाजपा सर्व स्पर्शी,सर्व समावेशी और सर्वव्यापी संगठन है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सिरमौर बन रहा। गांव गरीब किसान आदिवासी दलित पिछड़े सभी समाज विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहे। भारत का सांस्कृतिक गौरव पुनः स्थापित हो रहा। आज सशक्त भाजपा ,सशक्त भारत की पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भारतीय विचारों को आगे बढ़ाते हुए आत्म निर्भर भारत, मजबूत भारत और विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in
04

खबर मिलते ही छलक आये आंसू

तीन गांवों में उत्सव सा माहौल, परिवार वालों ने सरकार, प्रशासन और सेना के प्रति जताया आभार

अनिल मिश्रा

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के तीन गांवों डुमारी, गुमडू और मधुगामा के लिए मंगलवार का दिन मंगलमय रहा। पीड़ित मजदूरों के परिजनों के साथ गांव के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। आखिर 17 तीनों तक उत्तराखंड के उत्तर काशी सुरंग (टनल) में फंसे इन गांवों के तीन युवक मंगलवार को बाहर निकल आये। जैसे ही यह खबर गांव वालों को मिली कि डुमारी गांव में हर्ष का माहौल कायम हो गया। इन गाव के लोग सरना पद्धति से पूजा-अर्चना कर ईश्वर के प्रति अपना आभार व्यक्त कर रहे थे।

टनल में फंसे 35 वर्षीय युवक चमरा उरांव की पत्नी रेखा देवी, माता बंधनी उराइन और पिता भक्तु उरांव की आंखें खुशी से भर आयीं। रेखा देवी ने कहा कि

ईश्वर ने उनकी प्रार्थना सुन ली। चमरा के माता-पिता ने कहा कि उन्हें ईश्वर पर पूरा भरोसा था। टनल में फंसे कर्रा प्रखंड के गुमडु गांव के विजय होरो की पत्नी सनारती होरो ने रोते हुए कहा कि आज भगवान ने उन्हें जीवन की सबसे बड़ी खुशी दे दी है। इसके लिए पूरा परिवार ही नहीं पूरा गांव ही उत्तराखंड सरकार, वहां के स्थानीय प्रशासन और केंद्र सरकार के आभारी हैं कि आज उनके प्रयास से 41 लोगों का परिवार उजड़ने से बच गया। मुश्किल की इस घड़ी में मदद के लिए चमरा उरांव और विजय होरो के परिवार ने तोरपा के विधायक कोचे मुंडा और जिला प्रशासन के अलावा अन्य सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। टनल से बाहर निकले चमरा उरांव, विजय होरो और गणपति होरो के परिवार वालों ने सेना के जवानों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। डुमारी गांव के भक्तू उरांव ने कहा कि उनके बेटे ने अपनी बहन की शाादी का कर्ज उतारने के लिए अपनी जिंदगी को दांव पर लगा दिया था। कर्रा प्रखंड के मधगुामा गांव के गणापति मुंडा के घर में भी मंगलवार को उत्सव से माहौल रहा।

मजदूरों को निकालने में लगे अधिकारियों और जवानों के जज्बे को सलाम: कोचे मुंडा

कहा- भगवान ने देशवासियों की प्रार्थना सुन ली

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के तीन मजदूरों के टनल से सकुशसल बाहर निकलने पर खुशी व्यक्त करते हुए तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि भगवान ने देशवासियों की प्रार्थना सुन ली। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के टनल में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने में शमिल लोगों, अधिकारियों और सेना के जवानों क जज्बे को सलाम विधायक ने कहा कि सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को सकुशल बाहर निकालने के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, वहां के प्रशासन और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। मजूदरों की सुरक्षित वापसी पर हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा कसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक प्रतिनिधि कशीनाथ महतो ने कहा कि

मजदूरों को सकुशल निकालने के लिए उत्तराखंड और केंद्र सरकार के साथ ही सेना के जवानों की जितनी तारीफ की जाये वह कम ही है। हमारे जवानों ने असंभव सा दिखने वाले वाले कार्य को संभव कर दिखाया। टनल में फंसे विजय होरो के गासंव गुमडू के रहने वाले भाजपा नेता विनोद सिंह, विशेश्वर सिंह, अशोक सिंह सहित कई लोगों ने कहा कि हमारे जवानों ने 41 मजदूरों को नयी जिंदगी दे दी। खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत और जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने कहा कि इस कार्य में लगे सभी लोगों को नमन। इन लोगों ने साबित कर दिया कि सामूहिकता में कितनी शक्ति है।

महत्वपूर्ण खबरें

केनरा बैंक ने नये उत्पाद शुरू किये

रांची (आजाद सिपाही)। 118वें संस्थापक दिवस के अवसर पर, केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी के सत्यनारायण राजू ने ग्राहकों के लिए निम्नलिखित नये उत्पादों एवं सेवाओं को शुरू (लॉन्च) किया - कॉरपोरेट एआइवन/ बैंक के कॉरपोरेट ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करेगा, जो कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग और ' केनरा एआइवन कॉरपोरेट' ऐप के माध्यम से परस्पर बैंकिंग लेनदेन कर सकते हैं। व्हाट्सएप बैंकिंग चैनल - 9076030001 पर हाय/ हैलो संदेश भेजकर ग्राहकों को 18 सेवाएं प्रदान करता है। जैसे बकाया पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट आदि। केनरा यूपीआइ 123/ केनरा यूपीआइ 123 पे - फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए एक आइवीआर आधारित यूपीआइ समाधान है। किसी भी बैंक के खाताधारक अंग्रेजी सहित 10 भारतीय भाषाओं में इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

राजेंद्र यूनाइटेड ने पतरातू को हराया

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। राजेंद्र यूनाइटेड गेतलसूद की टीम 18वीं चैंपियंस ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी। मंगलवार को गेतलसूद स्कूल मैदान में खेले गये मैच में गेतलसूद ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में एएससीआर पतरातू को पेनाल्टी शूट आउट में 5-3 से हराया। निर्धारित समय तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया। गेतलसूद के गोलची रितेश नायक व पतरातू के गोलची जावेद ने पूरे मैच के दौरान कई शानदार बचाव किया। दोनों टीमों ने दो-दो गोल करने के निश्चित मौका गंवाया। गेतलसूद के 16 वर्षीय रवि नायक, चंचल महतो व सूरज ठाकुर ने शानदार खेल दिखाया। राजेंद्र यूनाइटेड के रवि नायक को प्लेयर आफ मैच का पुरस्कार मुख्य अतिथि सिरका पंचायत के मुखिया रौशनलाल मुंडा व विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि कामेश्वर महतो व समाजसेवी साहेबराम महतो ने प्रदान की। रौशनलाल मुंडा ने कहा कि सभी के सहयोग से इस टूर्नामेंट को और भव्य बनाया जायेगा। फुटबाल झारखंड की आत्मा है। और इसे बढ़ावा देने के लिए इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए। 29 नवंबर को एफसी धनबाद व गाड़ीहोटवार के बीच मैच खेला जायेगा। राजेंद्र यूनाईटेड का मुकाबला एएससीआर पतरातू के बीच खेला जायेगा। इस मौके पर अध्यक्ष राजेंद्र शाही मुंडा, सीइओ जैलेंद्र कुमार, प्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा, प्रवक्ता शिवदास गोस्वामी, संजय नायक, उपमुखिया शंकर बैठा, राजन महतो, राजेश लोहरा, सौरव कुमार, राजेश पाहन, प्रकाश यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

ट्रेड लाइसेंस प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए चेंबर भवन में किया गया मंथन

रांची (आजाद सिपाही)। ट्रेड लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया के सरलीकरण के मुद्दे पर मंगलवार को सुडा के अधिकारी पंकज गोयल और अविजीत चटर्जी ने झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों संग चेंबर भवन में बैठक की। लाइसेंस बनाने और लाइसेंस रिन्यूअल के दौरान व्यापारियों के समक्ष होनेवाली कठिनाइयों से चेंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने अधिकारियों को अवगत कराया। कहा कि दस्तावेजों की कमी के कारण लाइसेंस बनाने और रिन्यूअल में हो रही कठिनाइयों का समाधान जरूरी है। लाइसेंस रिन्यूअल के दौरान होल्डिंग की मांग करने से रेंट की दुकान पर व्यापार कर रहे व्यापारियों को कठिनाई होती है, जिसका समाधान जरूरी है। सुडा के अधिकारियों ने बताया कि पहली बार ट्रेड लाइसेंस लेनेवाले व्यापारियों को सिर्फ रेंट एग्रीमेंट या बिजली बिल की कॉपी देनी है और किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। उक्त दस्तावेज के आधार पर व्यापारी एक साथ 10 वर्ष का ट्रेड लाइसेंस ले सकते हैं। चर्चाओं के दौरान यह भी सहमति बनी कि दिसंबर माह के बीच में सुडा के द्वारा चेंबर भवन में एक कार्यशाला का आयोजन कर, व्यापारियों के सभी प्रश्नों का जवाब और उन्हें लाइसेंस बनाने या रिन्यूअल कराने के दौरान होनेवाली कठिनाइयों का समाधान किया जायेगा। बैठक में अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे।

वागधारा उद्योग रत्न सम्मान 2023 से ललित कुमार महतो को सम्मानित किया गया

मुंबई (आजाद सिपाही)। बागधारा उद्योग रत्न सम्मान 2023 के सम्मान समारोह में राज ठाकरे की भाभी स्मिता ठाकरे द्वारा ललित कुमार महतो (पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष आजसू) को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में ललित महतो ने कहा कि जिस तरह ब्लैक बोर्ड में देख कर स्कूल के सारे बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं, उसी तरह फिल्म देख कर सारे देश के लोग भी कुछ सीखते हैं। अब फिल्म भी ऐसी बनाने की कोशिश की जाये, जिससे देश के लोगों को अपने समाज भाषा, संस्कृति को बचाये रखने और आगे बढ़ाने का संदेश मिले।

सीएमपीडीआइ ने एचएलएल प्रबंधन के साथ किया एमओयू

रांची (आजाद सिपाही)। सीएसआर परियोजना के तहत प्रशिक्षण के माध्यम से स्वस्थ मासिक धर्म स्वच्छता प्रथा को बढ़ावा देने और झारखंड के 50 सरकारी स्कूलों की छात्राओं को आसानीपूर्वक सैनिटरी नैपकीन तक पहुंच के लिए एचएलएल प्रबंधन केरल के साथ 52 लाख रुपये की राशि के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। सीएमपीडीआइ के महाप्रबंधक आरके महापात्रो और एचएलएल प्रबंधन अकादमी के वरीय प्रबंधक मनोज दया के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत 50 सरकारी स्कूलों की छात्राओं तक सैनिटरी नैपकीन की आसान पहुंच और निपटान के लिए 50 इंसीनरेटर के साथ 50 सेनेटरी नैपकीन वेंडिंग मशीनें स्थापित की जायेंगी। इन स्कूलों को 8 महीने तक नैपकीन प्रदान किये जायेंगे। साथ ही, विशेषज्ञों द्वारा इन स्कूलों में छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

नीलकंठ मुंडा को नहीं पंकज यादव को एसीबी ने बुलाया

रांची (आजाद सिपाही)। रघुवर सरकार के पांच पूर्व मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति मामले में एसीबी ने शिकायतकर्ता पंकज यादव को बुलाया था। भूलवश नीलकंठ सिंह मुंडा को बुलाया छप गया था। इसे सुधार कर पढ़ा जाये।

बाबूलाल को क्या चुनौती देगा झामुमो : प्रदीप वर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा ने झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार किया। वर्मा ने कहा कि झामुमो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की झारखंड की जनता से बढ़ते जुड़ाव, उनकी बढ़ती लोकप्रियता, संकल्प यात्रा की ऐतिहासिक सफलता से हताश निराश और घबराया हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने क्षेत्र के लिए एक जन प्रतिनिधि हैं, जहां की जनता ने उन्हें जनादेश देकर मुख्यमंत्री के काबिल बनाया और इस क्षेत्र में लोग उनकी सरकार की अकर्मण्यता से मरते रहेंगे। लाशें निकलती रहेगी, तो भाजपा चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि का धर्म निभाया। जनता के बीच जाकर उनका दुःख दर्द बांटना एक राजनेता का धर्म है, लेकिन झामुमो को यह लाश की राजनीति दिखायी पड़ती है। कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासी की बात करते हैं लेकिन उनके क्षेत्र में आदिवासी समाज के लोग मलेरिया से मरते रहे और वे देखने तक नहीं गये। जहां तक बाबूलाल मरांडी का सवाल है, तो वे उनके पीछे नहीं गये बल्कि वहां गये जहां मुख्यमंत्री अब तक नहीं गये। उन्होंने कहा कि झारखंड के मान सम्मान की जड़ों में किसने चुना डाला है। यह प्रदेश की जनता

जानती है। कब तक दिशोम गुरु का दंभ भरेंगे। ये पब्लिक सब जानती है। गुरु की प्रतिष्ठा देती है तो उनका चरित्र भी जानती है। उन्होंने कहा कि झामुमो बाबूलाल मरांडी को चुनौती नहीं दे तो ही अच्छा। बाबूलाल मरांडी ने दुमका में मुख्यमंत्री के पिता को हराया है। इतना ही नहीं, बाबूलाल मरांडी उस रामगढ़ से विधायक चुने गये जो हेमंत सोरेन की खतियानी भूमि है। इसलिए पहले झामुमो याददाश्त ताजा कर ले फिर बाबूलाल मरांडी को चुनौती दे। राजधनवार की बात करने वाला झामुमो अपने नेता हेमंत सोरेन को अपने जन्म भूमि रामगढ़ से चुनाव लड़ाकर देख ले, शिबू सोरेन मुख्यमंत्री रहते तमाड़ में हारे , रामगढ़ में तो हेमंत सोरेन की जमानत जब्त हो जायेगी। उन्होंने कहा कि झामुमो को जनादेश का अहंकार जल्द टूटेगा। जनादेश का इतना बड़ा अपमान और निरादर किसी सरकार ने नहीं किया। जल, जंगल, जमीन की बात कर सत्ता पर काबिज इस ठगबंधन ने यहां की अस्मिता को जितना चोट पहुंचाया है, उसका जवाब जनता देगी।

बाबूलाल चुनौटी हैं, हर अच्छे काम में चूना लगाते हैं:सुप्रियो

पहले वह विस्थापित थे, अब बेरोजगार भी हो गये

विस चुनाव में राजधनवार में उनके नहीं दिखने की है गारंटी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को चुनौटी बताया है। पार्टी कार्यालय में मंगलवार को केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पहले तो बाबूलाल विस्थापित थे, पर अब वह बेरोजगार भी हैं। जिस तरह से वह राज्य के सीएम हेमंत सोरेन और सीनियर लीडर शिबू सोरेन के लिए भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वह राजनीतिक समाज में प्रदूषण है। ऐसे लोग जब तक रहेंगे, प्रदूषण मुक्त होना कठिन है। उनका स्तर ऐसा हो गया है कि वह लाश पर भी राजनीति करने लगे हैं। सुप्रियो ने कहा कि इन्होंने झारखंड स्थापना की नींव में चूना डालने का काम किया था। जब बाबूलाल सीएम थे, तो तपकारा गोलीकांड हुआ था, वह पीड़ितों के परिजनों से मिलने गये थे क्या। नेतरहाट में गोलियां चलीं, लोग शहीद हुए, पर वह नहीं गये। पिछले दिनों पनौती को लेकर देश

भर में चर्चा थी। इसी तरह, झारखंड में अब चुनौटी की बात होती है। हर अच्छे कामों में वह चूना लगाने की कोशिश करते हैं। यह चुनौटी बाबूलाल हैं।

सुंदरपहाड़ी में सरकार एक्टिव

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि कोरोना की तरह मलेरिया बीमारी भी एक बड़ी आपदा है। इससे बचाव की विशेष व्यवस्था करनी होती है। सुंदरपहाड़ी के जिस बीहड़ एरिया में मलेरिया फैलह, वहां आदिम जनजाति, माल पहाड़िया समाज के लोग रहते हैं। वे ऐसी ही जगहों पर वास भी करते हैं। ऐसे में उन्हें विस्थापित नहीं किया जा सकता। मलेरिया फैलने की खबर मिलते ही स्थानीय सांसद विजय हांसदा वहां पहुंचे। मेडिकल कैंप की व्यवस्था हुई। हालांकि कुछ बच्चों की मौत भी हुई, पर भाजपा वाले वहां लाश पर राजनीति करने पहुंच गये। गोड्डा सांसद पहुंच गये और मेडिकल कैंप में कहा कि इलाज की कोई सुविधा नहीं है। बाबूलाल मरांडी भी मोटरसाइकिल से वहां पहुंच गये, जबकि एंबुलेंस वहां पहुंच गयी थी। प्रभावित परिवारों तक मुआवजा भी सरकार के स्तर से पहुंच गया, पर बाबूलाल ने अनर्गल आरोप लगाये कि सीएम क्यों नहीं पहुंचे।सुप्रियो ने कहा कि सीएम और पीएम किसी ऐसे साइट पर जाते हैं तो व्यवस्था चरमरा जाती है। उत्तराखंड के सीएम तो पिछले 15 दिनों से सुरंग में फंसे लेबर को देखने नहीं गये। ओड़िशा में रेल दुर्घटना में पीएम के पहुंचने पर चार घंटे तक राहत ऑपरेशन रोक दिया गया। अब बाबूलाल सेंसेटिव इश्यू पर बोल रहे हैं।

बाबूलाल मणिपुर क्यों नहीं गये

बाबूलाल मणिपुर क्यों नहीं गये। बेवजह वह बरहेट की बात करते हैं, जबकि सीएम हर पल वहां की जानकारी ले रहे हैं। डीसी, सिविल सर्जन वहां बैठे हैं। कहा कि गुरुजी को शिबू कहना, हेमंत मत बनना, यह कोई राजनेता कहता है क्या। 2019 में बाबूलाल को भी जनादेश था, पर उन्होंने इसका सौदा किया। भाजपा ज्वाइन कर ली। 2024 में बाबूलाल राजधनवार में दिखेंगे नहीं, इसकी गारंटी वे दे रहे हैं। अभी उत्तराखंड में जो हमारे 15 साथी फंसे हुए हैं, खबर आते ही सरकार ने सीनियर आइएएस की टीम बना कर वहां भेजी।

जमीन घोटाले के मुख्य आरोपी दिलीप घोष को मिली जमानत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में हुए सेना की जमीन घोटाला मामले के मुख्य आरोपी दिलीप घोष को झारखंड हाइकोर्ट ने जमानत दे दी है। बीते नौ नवंबर को हाइकोर्ट ने सुनवाई करते हुए जमानत पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस दौरान दिलीप घोष की ओर से अदालत को बताया गया था कि इस मामले में उसकी कोई संलिप्तता नहीं है। इसके बाद हाइकोर्ट ने 28 नवंबर को फैसला सुनाने की बात कही थी। दिलीप घोष जगत बंधु टी स्टेट प्राइवेट लिमिटेड का मालिक है। दिलीप घोष को इडी ने जून में कोलकाता से गिरफ्तार किया था।

मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने सीएम का स्वागत किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आपकी योजना, आपके द्वार, आपकी सरकार कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लोहरदगा पहुंचने पर स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर उन्हें गुलदस्ता दिया और झारखंड की संस्कृति के अनुरूप छऊ नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि झारखंड की गठबंधन सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अच्छा काम कर रही है। जितनी भी योजनाएं बनती हैं, वह कल्याणकारी और गरीबों के ध्यान में रखते हुए बनायी जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे विभाग में 20 लाख हरा कार्ड गरीबों के लिए बनाया गया। 65 लाख परिवारों को साड़ी और धोती की योजनाओं का लाभ दिया गया। बुजुर्गों के लिए सर्वजन पेंशन योजना के तहत प्रति माह 1000 रुपये पेंशन की व्यवस्था की गयी है। अबुआ आवास गरीबों के लिए समर्पित किया गया। उन्होंने कहा कि जनता की जरूरत, आवश्यकताओं और समस्याओं को देखते हुए गठबंधन की सरकार योजना बनाती है और सिर्फ बनाती नहीं, बल्कि क्रियान्वित भी करती है।

कार्यक्रम : केंद्रीय विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का शुभारंभ

शोध किसी भी उच्च संस्थान का रीढ़ होता है : प्रो क्षीति भूषण दास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित 10 दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। आठ दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों आइआइटी, आइआइएम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के विषय

शोधार्थियों में उच्च शोध नैतिकता विकसित करना ही उद्देश्य : डॉ बटेश्वर

विशेषज्ञ व्याख्यान द्वारा योगदान देंगे। कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो क्षीति भूषण दास ने किया। उन्होंने नयी शिक्षा नीति एवं शोध के संदर्भ में कहा कि शोध किसी भी उच्च संस्थान का रीढ़ होता है। इसीलिए नयी शिक्षा नीति में उच्च संस्थानों में शोध पर अधिक जोर दिया गया है।

विभागाध्यक्ष डॉ बटेश्वर सिंह ने कहा कि शोधार्थियों में उच्च शोध नैतिकता विकसित करना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष प्रो एके पाढ़ी, डॉ शशि सिंह, प्रो विमल किशोर, डॉ अजय प्रताप यादव, शोधार्थी नेहा, मेघा, देवव्रत आदि भी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला का उद्घाटन आज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुजराती समाज हैंडीक्राफ्ट एंड हैंडलूम डेवेलपमेंट संस्थान ने पहली बार रांची में अंतराष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन कर रहा है। इस संबंध में आयोजन समिति की अध्यक्ष शांति तिर्की ने कहा कि इस मेले में 175 स्टॉल लगेंगे। साथ ही लोगों के लिए खाने-पीने के स्टॉल भी लगाये गये हैं। उन्होंने कहा कि मनोरंजन के लिए प्रतिदिन संध्या 6 बजे से 8 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के शिल्पकला मंच से किया जायेगा। इस मेले में भारत के अलावा विश्व के सात देशों से लगभग 450 कुशल शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन एवं विक्रय करेंगे। इस मेले का उद्घाटन मोरहाबादी मैदान में राज्य सभा सांसद महुआ माजी और अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष झारखंड राज्य के शमशेर आलम करेंगे। इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में राज उरांव प्रदेश अध्यक्ष युवा आदिवासी संगठन झारखंड प्रदेश उपस्थित रहेंगे। प्रतिदिन संध्या 8 बजे लक्की ड्रा प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। आयोजन समिति ने बताया कि यह आयोजन 13 दिसंबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम में अजित भकोडिया, कृष्ण कुमार साव, संजीव तिवारी, रिजवान अहमद, फूलमनी टोप्पो, शांति तिर्की, रेनू बाड़ा, सुनील कच्छप, प्रियंका किस्पोटा, दीपिका किस्पोटा, रजनी टोप्पो, सुनीता बागवार, अमित भगत, स्नेहा खलखो, नेहा तिर्की, पुष्पा तिर्की, मुर्ति देवी मुंडा, मनिषा मुंडा इत्यादि की भूमिका रही।

अडाणी इंटरप्राइजेज को शिक्षा के क्षेत्र में मिला ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड

- अडाणी फाउंडेशन के सहयोग से पिछड़े इलाकों में बेहतर हो रही शिक्षा
- आदिवासियों के जीवन में सुखद बदलाव लाने की कोशिश

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव/हजारीबाग/सोनमर्ग। अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड (नेचुरल रिसोर्सेज) को वर्ष 2023 के ग्रीनटेक कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान झारखंड समेत देश के विभिन्न राज्यों के पिछड़े और आदिवासी बहुल इलाकों में शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। ग्रीनटेक फाउंडेशन की और से अडाणी के प्रतिनिधियों को यह सम्मान जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में हुए एक समारोह में प्रदान किया गया। अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा झारखंड के हजारीबाग, छत्तीसगढ़ में सरगुजा और रायगढ़ जिले सहित मध्यप्रदेश के सिंगरौली, ओडिशा के संबलपुर और सुंदरगढ़, महाराष्ट्र के नागपुर जिले में सामाजिक सरोकारों की विभिन्न परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें अडाणी फाउंडेशन के सहयोग से रेमेडियल कोचिंग क्लासेस, नवोदय कोचिंग क्लासेस, मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी, सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होनेवाली परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ मुफ्त स्कूल बस की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा आदिवासी लड़कियों के लिए साइकिल और खेलों के लिए भी विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। जवाहर नवोदय की प्रवेश परीक्षा में अब तक 100 आदिवासी लड़कियां सफल हो चुकी हैं। वहीं, सरकारी स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति 45 से बढ़कर 70% हो चुकी है। 50 से अधिक विद्यार्थियों ने अब तक नीट और जेइइ की प्रवेश परीक्षा में सफलता पायी है। इसी कड़ी में अडाणी फाउंडेशन ने अब तक 50 से अधिक सरकारी स्कूलों और 65 आंगनवाड़ी केंद्रों में जरूरी बदलाव भी लाया गया है। अडाणी फाउंडेशन देश के विभिन्न हिस्सों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, कौशल क्षमता विकास और कृषि समेत अन्य क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रहा है।

सम्मान मिलने के बाद कंपनी ने कहा, अडाणी फाउंडेशन के सहयोग से शिक्षा को बढ़ावा देने में अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड (नेचुरल रिसोर्सेज) को उत्कृष्ट योगदान के लिए मिले 10वें ग्रीनटेक सीएसआर अवार्ड 2023 से हम सभी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमारी शिक्षा परियोजनाएं अडाणी विद्या मंदिर के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, सरकारी स्कूलों को बेहतर करने और प्रतिस्पर्धी परीक्षा कोचिंग की व्यवस्था के साथ-साथ शैक्षिक किट वितरित करने पर केंद्रित हैं। हमारे समर्पित प्रयासों का उद्देश्य, क्षेत्र के आदिवासी विद्यार्थियों के बीच शिक्षा और कैरियर विकास को बढ़ावा देना, उनके लिए बेहतर और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना है। न्यायसंगत समाज बनाने के लिए सभी एकजुट होकर यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने के साथ-साथ समुदायों के समावेशी विकास को भी बढ़ावा मिल सके।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओडिशा), भारत
ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
Cuttack-753006, Odisha. India

विज्ञापन संख्या/ Advertisement No.34/YP/SH/2023-24

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में "चुने हुए प्रक्षेत्रों में ओर वागवानी फसलों की उच्च उत्पादकता हेतु संकर फसलों (चावल) की संकर प्रौधोगिकी पर आईसीभएआर कंसोर्टियम अनुसंधान मंच" (ईएपी-209) परियोजना के लिए एक (01) यंग प्रोफेशनल-II तथा एक (01) स्किल्ड हेल्प के चयन के लिए प्रत्यक्ष साक्षात्कार दिनांक क्रमशः 11.12.2023 तथा 12.12.2023 को आयोजित किया जाएगा। आवश्यक योग्यता, आयु, परिलब्धियों की राशि तथा अन्य शर्तों के बारे में जानकारी भाकृअनुप-एनआरआरआई की वेबसाइट https//icar-nrri.in पर उपलब्ध है।

Walk-in-Interviews will be held on 11.12.2023 and 12.12.2023 for selection of one (01)Young Professional-II and one (01) Skilled Help respectively at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack in the scheme "ICAR- Consortium research platform on hybrid crops (rice) hybrid technology for higher productivity in selected field and horticulture crops" (EAP-209). The details regarding essential / desirable qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in ICAR-NRRI website https://icar-nrri.in.

प्रधान अन्वेषक/Principal Investigation

सेल डीड कैंसिल किये जाने के अधिकार को चुनौती देनेवाली याचिका पर हाइकोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट में ऑनलाइन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक और सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी अनामिका गौतम की ओर से देवघर स्थित जमीन सहित राज्य के अन्य जिलों के डीसी द्वारा कई लोगों के सेल डीड कैंसिल किये जाने को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई मंगलवार को हुई। जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। अनामिका गौतम की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने पैरवी की।

टीएसपीसी के एरिया कमांडर की मौत

रांची (आजाद सिपाही)। पलामू सेंट्रल जेल के कैदी टीएसपीसी के एरिया कमांडर किसलय सिंह की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गयी। किसलय सिंह पलामू के मनातू का रहनेवाला था। किसलय सिंह पिछले कई दिनों से बीमार था। वह पैरालाइज्ड हो गया था। उसे बीपी की भी समस्या थी। अब रिम्स में इलाज के क्रम में किसलय सिंह की मौत हो गयी है। पलामू सेंट्रल जेल के अधिकारियों ने मौत की पुष्टि की।

73 शिकायतों का ऑन द स्पॉट निपटारा

रांची (आजाद सिपाही)। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रांची नगर निगम की ओर से निगम के दो वार्ड में मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया। वार्ड नंबर पांच और वार्ड नंबर छह में शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविर में 73 शिकायतों का ऑन द स्पॉट निपटारा किया गया। अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया।

मजदूरों-किसानों का तीन दिवसीय महापड़ाव

रांची (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय नेता अवधेश कुमार ने कहा कि आगे और बड़े संघर्ष के संकल्प के साथ मजदूरों और किसानों का तीन दिवसीय महापड़ाव मंगलवार को संपन्न हो गया। उन्होंने कहा कि देश की आम जनता के जीवन और आजीविका के साथ-साथ जनता के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, सद्भावपूर्ण जीवन पर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ किसान-मजदूर के संयुक्त बैनर तले 26 से 28 नवंबर तक राजभवन के समक्ष तीन दिवसीय महापड़ाव कार्यक्रम आयोजित किया गया था। किसान सभा के महासचिव सुरजीत सिन्हा ने यह जानकारी दी।

कांके से 2250 लीटर शराब बरामद

रांची (आजाद सिपाही)। उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। उत्पाद विभाग से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सुकुरहुटू के पास एसटीएफ के सहयोग से छापेमारी की। इस दौरान एक टाटा 407 पिकअप वाहन की तलाशी के क्रम में अवैध विदेशी शराब ओल्ड मंक और ब्लैक टाइगर व्हस्की का 3000 बोतल कुल 2250 लीटर जब्त किया गया। छापेमारी टीम में अवर निरीक्षक ललित सोरेन, पंकज कुमार रूपेश कुमार उत्पाद सिपाही और सशस्त्र बल शामिल थे।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी पहुंचे रांची

रांची (आजाद सिपाही)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह और बिहार सरकार के मंत्री सह झारखंड जदयू प्रभारी डॉ अशोक चौधरी सेवा विमान से मंगलवार को रांची पहुंचे। जदयू नेता दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे हैं। उनकी 29 नवंबर को प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो सहित प्रदेश जदयू के वरीय नेताओं के साथ बैठक है। एयरपोर्ट पर जदयू नेता डॉ आफताब जमिल, श्रवण कुमार, भगवान सिंह, सागर कुमार, डॉ विनय भरत, निर्मल सिंह, अख्तर हुसैन, बैद्यनाथ पासवान, रामजी प्रसाद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि बैठक में पार्टी की ओर से किये गये कार्यक्रम, सदस्यता अभियान के माध्यम से पंचायत और बूथ स्तर तक निर्मित संगठन की जानकारी अध्यक्ष और प्रभारी को दी जायेगी।

ओरमांझी में दीदी नीलम आनंद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आगाज

रांची (आजाद सिपाही)। शिव शिष्य हरिद्रानंद फाउंडेशन एवं शिव शिष्य परिवार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दीदी नीलम आनंद स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू गुरगांई बुढ़ीबागी मैदान ओरमांझी में शुरू हुआ। युवा पावर फुटबॉल क्लब गुरगांई के देखरेख में तीन दिवसीय मैच का उद्घाटन मैच ग्रुप अ का जयराम स्पोर्टिंग क्लब बीसा बनाम फुटबॉल क्लब आनंदी के के बीच खेला गया। इसमें जयराम स्पोर्टिंग क्लब बीसा 1-0 से विजय हुई। मैच के पूर्व मुख्य अतिथि राजेश कश्यप खिजरी विधायक विशिष्ट अतिथि कमिश्नर मुंडा जिला परिषद पश्चिमी ओरमांझी आशीष साहू भाजपा युवा दस्तक अध्यक्ष ओरमांझी विधायक प्रतिनिधि प्रेमनाथ मुंडा प्रखंड अध्यक्ष कांग्रेस तुलसी खरवार हरिमोहन महतो रवि साहू सुरेश साहू संयुक्त रुप से मैच का उद्घाटन किये। सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किये भूमित 11 बेलवा टोली एवं डायमंड क्लब रांची। इसमें पहला क्वार्टर फाइनल मैच में चंदेश्वर कुमार एवं दूसरा मैच में पवन करमाली को प्लेयर ऑफ द मैच देकर सम्मानित किया। मौके पर चंद्रदेव मुंडा, सेवाराम महतो, रामप्रसाद, धर्मनाथ मुंडा, मोहन बेदिया, रामदयाल गंझू, आयोजन समिति के अध्यक्ष नीलांबर सिंह, सचिव विनोद कुमार महतो, कोषाध्यक्ष दीपक नायक, उपाध्यक्ष सनी सिंह, उपसचिव जीवनलाल मुंडा, उपकोषाध्यक्ष राम प्रसाद सिंह, जयवीर बेदिया, नकुल बेदिया, अजय गंझू, प्रदीप मुंडा, दिलीप मुंडा, नितेश मुंडा, शंकर मुंडा, सत्य सिंह, भरत मुंडा, नितेश पाहन, प्रीतम सिंह, विकास मुंडा मौजूद थे।

ज्योतिबा फुले महाराज को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ज्योतिबा फुले महाराज महान समाज सुधारक, विचारक, दार्शनिक एवं लेखक थे। शोषितों, वंचितों और नारी शिक्षा को लेकर महात्मा ज्योतिबा द्वारा किया गया संघर्ष सदियों तक लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने प्रदेश कार्यालय में ज्योतिबा फुले महाराज की पुण्य स्मृति में उनके चित्र पर सदा सुमन अर्पित करने के पश्चात कहा।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता सहित प्रदेश सचिव अजय मेहता हजारीबाग जिला अध्यक्ष जितेश्वर प्रसाद मेहता महिला मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष रेणु कुमारी प्रदेश संगठन सचिव कविता कुमारी भुवनेश्वर प्रसाद मेहता शशि भूषण प्रसाद सूरज कुमार मोहम्मद आरिफ अंसारी मोहम्मद जावेद अख्तर अहमद कशिश बसंत नारायण मेहता आनंद कुमार कार्यालय प्रभारी अभय प्रसाद की उपस्थिति रही। उनके द्वारा छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे को पासवा करेगी सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने रांची में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि झारखंड सरकार ने झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के द्वारा पासवा प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे को राज्य के सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया है। इस बात को स्पष्ट कर दिया कि झारखंड में निजी विद्यालयों के हित में झारखंड के शिक्षण व्यवस्था का सुधार करने के लिए पासवा के कार्य को अब सरकार ने भी मान्यता प्रदान कर दी है। यह स्पष्ट कर दिया है कि पासवा ही एकमात्र संस्था है जो विद्यालयों के हित में झारखंड में लगातार कार्य कर रही है। पासवा को इस ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए पासवा के अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे वास्तव में झारखंड के लाखों निजी विद्यालयों के शिक्षकों, बच्चों यहां की शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने की एकमात्र आवाज हैं। यही कारण है कि पासवा को स्पष्ट तौर पर सरकार द्वारा मान्यता प्रदान किया गया है। पासवा झारखंड के निजी विद्यालयों के हित में कार्य कर रही एकमात्र ऐसी संस्था है, जो कोरोना काल में विद्यालय खोलने की बात हो या यहां के बच्चों को मोबाइल इंटरनेट से जोड़ कर ऑनलाइन एजुकेशन प्रदान करने की बात हो, निजी विद्यालयों के हित में आवाज उठाने की बात हो, पासवा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पासवा ने पिछले दिनों झारखंड में लाखों बच्चों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया। झारखंड में लाखों शिक्षकों को कोरोना काल में सम्मानित कर उन्हें सीमित संसाधन में गुणात्मक शिक्षा देने के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। निश्चित रूप से यह पुरस्कार पासवा के लिए बहुत ही गर्व का पल है। झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे को एक भव्य समारोह आयोजित कर पासवा ने सम्मानित करने का निर्णय लिया है। पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि पुराना विधानसभा के सभागार में आभार सह अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया है। झारखंड सरकार के वित्त मंत्री सह पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ रामेश्वर उरांव एवं पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल होंगे। पासवा के राज्य के जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी एवं वॉलिंटियर्स भी इस कार्यक्रम में उपस्थित होंगे।

आंदोलनकारियों को हक दिलाने के लिए कमेटी बनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड अलग राज चिह्नित आंदोलन कारी कल्याण समिति का बैठक सफीक अंसारी की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रेस क्लब रांची में संपन्न हुई। बैठक में आंदोलन कार्यों को चिह्नित में विलंब और चिह्नित हो जाने के बाद जो दशा और दिशा है, उस पर चर्चा हुई। सभी आंदोलनकारी का मानना है कि राज के बनने के 23 वर्ष हो गये, लेकिन आज तक किसी आंदोलनकारी को कोई हक-अधिकार नहीं मिला। गिने-चुने आंदोलनकारी को 3500 और 7000 पेंशन दी जा रही है। आज के हिसाब से यह राशि बहुत ही काम है। आधे से ज्यादा आंदोलनकारी की मौत हो गयी है, इसलिए आंदोलनकारियों को उनका हक और अधिकार की लड़ाई के लिए एक संगठन बनाने की अति आवश्यकता है। इसी के तहत मंगलवार को एक एक गैर राजनीतिक संगठन का गठन किया गया। सर्वसम्मति से इसके अध्यक्ष रमेश कुमार साहू को चुना गया। सचिव महावीर विश्वकर्मा को बनाया गया। वहीं कोषाध्यक्ष के रूप में महादेव महादेव मुंडा को चुना गया। इसके अलावा कार्यकारिणी के सदस्यों का मनोनयन भी किया गया। इसमें रविंद्र सैंडलिया, रविंद्र सिंह, रामशरण तिर्की, उमेश यादव, रामनंदन महतो, सूरज देव भगत, सज्जाद आलम भुवनेश्वर महतो खरसावां शामिल हैं। इसके अलावा दो केंद्रीय उपाध्यक्ष सुखदेव यादव को एवं प्रेम नंदन मंडल को चुना गया। वहीं सर्वसम्मति से मुख्य संरक्षक के रूप में भुवनेश्वर महतो, फागू बेसरा, छोटे प्रसाद साहू को चुना गया।

श्री सुंदरकांड और श्री हनुमान चालीसा पाठ

रांची (आजाद सिपाही)। भूत पिशाच निकट नहीं आवे सब संकट कट जावे, पढ़ो हनुमान चालीसा के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 78वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। सुनील मोदी, आशा मोदी, बलराम मोदी, शिखा मोदी ने हनुमानजी की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्ज्वलित करके केसरिया पेड़ा, गुड़, चना, संतरा, फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार के लिए खुशहाली की प्रार्थना की। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रवण ढनढनिया ने चना प्रसाद की सेवा संदीप कुमार गुप्ता, अंशु गुप्ता ने पंचमेवा भोग सेवन निवेदित की। सुनील मोदी ने रामचरितमानस ग्रंथ और पाठ वाचकों का चंदन वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक, डफली, झांझ, करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया।

सेवानिवृत्त अभियंता की पेंशन राशि से पांच प्रतिशत की कटौती का आदेश

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य सरकार ने सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता मुख्यालय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रदीप कुमार चौधरी को दंडित किया है। उनके खिलाफ कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल धनबाद-2 के पद पर रहते हुए आरोप लगे थे, जिसकी जांच के बाद पेंशन नियमावली के तहत सरकार ने उनके देय पेंशन की राशि से पांच प्रतिशत की कटौती एक वर्ष तक किये जाने का दंड दिया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी है। वर्ष 2011-12 में केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम एनआरडीडब्लूपी के तहत कोल्हार में जटाडीह- जोरिया नाला पर पक्का चेक डैम और विंगवाल का निर्माण कराया गया था। योजना निर्माण के क्रम में लागत वृद्धि हुई थी, जिसका भुगतान समय पर नहीं हुआ था। इस कारण योजना के संवेदक द्वारा हाइकोर्ट में वाद दायर किया गया था।

हाइकोर्ट ने विधि पोर्टल पर राज्य सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से शपथपत्र ससमय दाखिल नहीं होने से संबंधित मामले में स्वतः संज्ञान की सुनवाई मंगलवार को हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 निर्धारित की है। हाइकोर्ट ने इसके साथ ही राज्य सरकार से मामले में विधि पोर्टल की अपडेट स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। मंगलवार को उक्त मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने कोर्ट को बताया कि अभी जो वर्तमान में विधि पोर्टल है, वह पूर्णतः कारगर साबित नहीं हो रहा है। इसके लिए मुख्य सचिव ने राज्य सरकार के सभी विभागों के नोडल अफसर के साथ बैठक भी की है। विभागों ने माना है कि विधि पोर्टल को दुरुस्त करने की आवश्यकता है।

आमया संगठन ने राजभवन के समक्ष दिया महाधरना

उर्दू शिक्षकों के पद 23 वर्षों से खाली : अली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उर्दू शिक्षक के विभिन्न पदों पर बहाली शुरू करने और उर्दू भाषा से जुड़े मांगों को लेकर मंगलवार को आमया संगठन ने राजभवन के समक्ष महाधरना दिया। महाधरना में सैकड़ों लोग हाथों में तख्ती लिये अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते दिखे। महाधरना के नेतृत्व कर रहे एस अली ने कहा कि वर्ष 1999 में बिहार शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक एवं मध्य विधालय जहां उर्दू भाषी छात्र पढ़ते हैं, उन विद्यालयों में उर्दू शिक्षकों बहाली के लिए 4401 उर्दू शिक्षक के पद सृजित किये गये थे, लेकिन शिक्षा विभाग की गलत नियमावली के कारण आज भी 3700 उर्दू शिक्षक के पद खाली हैं, जिसे इंटर एवं स्नातक टेट उत्तीर्ण से भरने की पहल नहीं हो रही है। वही उक्त पद में 1526 एसटी-एससी आरक्षित पद है। इसे पिछड़ा एवं सामान्य वर्ग के कोटे में समाहित किया जाना चाहिए था, चूंकि चार बार निकले विज्ञापन में आरक्षित वर्ग से एक भी आवेदन नहीं मिला। पिछले वर्ष 2022 में शिक्षा विभाग ने बिना समुचित जांच किये 543 उर्दू प्राथमिक एवं मध्य विधालय का स्टेटस छीना कर सामान्य विधालय बना दिया और शुक्रवार की छुट्टी समाप्त कर दी। राज्य में 635 प्लस-2 विधालय के लिए मात्र 92 उर्दू शिक्षक के पद दिये जा रहे हैं, जबकि छात्र-शिक्षक अनुपात के अनुसार 300 से अधिक उर्दू शिक्षक के पद होनी चाहिए। महाधरना में जावेद अंसारी, मो नूर, अंजुमन तरक्की उर्दू के सुहैल सईद, मौलाना तहज्बुल हसन, अंजुमन फरोग, मो इकबाल, हिदायतुल्लाह अंसारी, मौलाना फजलुल कदीर, मुमताज अंसारी, शेख रसीद, निसार अहमद, सुहैब अख्तर, शबाना शहजादी, रहनुमा परवीन, जियाउद्दीन अंसारी, मो फुरकान, नौशाद आलम, रहमतुल्लाह अंसारी, एकराम हुसैन, आफताब आलम सहित अन्य मौजूद थे।

सावधानी जरूरी है

चीन में एक बार फिर से अज्ञात बीमारी का डर बढ़ गया है, जिसे एक तरह का निमोनिया बताया जा रहा है। हर रोज वहां हजारों बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है, जिन्हें तेज बुखार है, सांस लेने में दिक्कत हो रही है और किसी-किसी के फेफड़ों में गांठें भी बन रही हैं। चीन का कहना है कि यह कोई नया वायरस नहीं है और इस बीमारी में सांस से जुड़ी बीमारियों में काम आने वाली एंटीबायोटिक असरदार हैं। इस बीमारी पर डब्ल्यूएचओ को चीन ने कुछ जानकारी मुहैया तो कराई है, जिसे संगठन ने अपर्याप्त करार दिया है। उधर, सोशल मीडिया पर चीन की जैसी विडियोज शेयर हो रही हैं, उसने लोगों को एक बार फिर भयभीत कर दिया है। डर की एक बड़ी वजह यह भी है कि 2019 में कोविड-19 भी इसी मौसम में उभरना शुरू हुआ था, जिसने अगले तीन से चार महीने में पूरी दुनिया को अपनी जद में ले लिया था। उस वक्त भी चीन यही कह रहा था कि यह सामान्य बीमारी है, चिंता की कोई खास बात नहीं है। लेकिन चीन के ये सारे दावे खोखले निकले थे और उसके झूठ की कीमत दुनिया ने चुकायी थी। और तो और, भारत सहित लगभग हर देश की सरकारों ने भी पूरी तैयारी होने का दावा किया था, लेकिन सारी तैयारी धरी की धरी रह गयी थी। इस बार भी चीन और दुनिया भर की सरकारों का ऐसा ही दावा है। यह भी तर्क दिये जा रहे हैं कि यह लॉकडाउन खुलने के बाद का साइड इफेक्ट हो सकता है। जॉन हॉपकिंस सेंटर फॉर हेल्थ सिक्योरिटी का कहना है कि पिछले साल जब अमेरिका में लॉकडाउन हटाया गया था, तो बच्चों में सांस से जुड़ी बीमारियों में अचानक इजाफा देखने को मिला था। वजह यह कि लॉकडाउन में अन्य बीमारियों का प्रसार रुक जाता है। जब लॉकडाउन खुलता है, तो इस तरह की बीमारियां तेजी से फैलती हैं और ऐसा लगभग हर देश में देखा गया है। भारत में भी जब लॉकडाउन खोला गया था, तो लोगों में इन्फ्लुएंजा और सांस से जुड़ी अन्य बीमारियां तेजी से फैली थीं। डब्ल्यूएचओ का भी कहना है कि इस बीमारी में महामारी जैसे कोई आसार नहीं दिख रहे हैं, यह राहत भरी बात है। लेकिन चीन पर दुनिया भर में अब किसी को उतना विश्वास नहीं रह गया है, जितना कोविड-19 से पहले के युग में हुआ करता था। अच्छी बात है कि भारत सरकार ने इस बीमारी को गंभीरता से लिया है और इसके लिए राज्यों और हेल्थ सिस्टम को अलर्ट कर दिया है। राहत भरी खबर यह भी है कि इस बीमारी का एक भी केस अभी तक दुनिया के किसी दूसरे देश में नहीं पाया गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम असावधान हो जायें।

डब्ल्यूएचओ का भी कहना है कि इस बीमारी में महामारी जैसे कोई आसार नहीं दिख रहे हैं, यह राहत भरी बात है। लेकिन चीन पर दुनिया भर में अब किसी को उतना विश्वास नहीं रह गया है, जितना कोविड-19 से पहले के युग में हुआ करता था।

अभिमत
आजाद सिपाही

आजकल परेशानियों को धर्म और ताकत की आंख से देखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। हर राजनीतिक पार्टी जाति-पाति का सहारा लेती है,लेकिन कहा जा रहा है कि जाति को भूल जाइये। किसी भी सामाजिक समस्या के तनाव उगाने वाले मोड़ पर बहस होती है, तो लगभग सभी नेता, चाहे वे पक्ष के हों या विपक्ष के राजनीति करते हुए यह जरूर कहते हैं कि इस मामले में राजनीति न करें।

अपने गिरेबान में कब झांकेंगे!

प्रभात कुमार

दूसरों के गिरेबान में झांकने की आदत तो हमें एक जमाने से है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो समय निकल जाने वालों के गिरेबान में भी झांक लेते हैं। अब यह आदत बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में परिस्थितियों ने खतरनाक करवटें ली हैं। इंसान का इंसान से मिलना व्यक्तिगत रूप से कम हो गया है। एक छत के नीचे रहने वाले लोग भी आपस में अजनबी होने लगे हैं। हालांकि इस बहाने एक महत्वपूर्ण अवसर भी मिल रहा है अपने गिरेबान में संजीदगी से झांकने का और सच मानें तो वक्त की जरूरत भी है। यह भी सच है कि अपने गिरेबान में झांका तो उसका फायदा जिंदगी के फैलते वृक्ष को हुआ। जड़ों को सकारात्मकता की खाद मिली।

फिलहाल हम सभी ने अपने शरीर और दिमाग में सोशल मीडिया का दखल इतना बढ़ा दिया है कि सामाजिक ढांचा हिलता-डुलता, चरमराता और गिरता नजर आने लगा है। हालांकि यह ऐसा ही है कि हम किसी की तरफ एक उंगली उठाते हैं, तो अपनी तीन उंगलियां अपनी तरफ ही रहती हैं। उन तीन उंगलियों का इशारा मान कर अपने गिरेबान भी झांक लिया जाये, तो जिंदगी के हालात की अच्छी जांच हो सकती है। कुछ बिगड़ती बातें, बननी शुरू हो सकती हैं। संभव है इस बहाने सुधार होने से दूसरों की मदद की जरूरत भी कम हो जाये।

अगर हम अपना संजीदा अंशदान शुरू कर दें तो स्वानुशासन, प्रेरणा और सुधार का अंकुरण देखा जा सकता है।

आजकल परेशानियों को धर्म और ताकत की आंख से देखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। हर राजनीतिक पार्टी जाति-पाति का सहारा लेती है,लेकिन कहा जा रहा है कि जाति को भूल जाइये। किसी भी सामाजिक समस्या के तनाव उगाने वाले मोड़ पर बहस होती है, तो लगभग सभी नेता, चाहे वे पक्ष के हों या विपक्ष के राजनीति करते हुए यह जरूर कहते हैं कि इस मामले में राजनीति न करें। कोई अपना गिरेबान झांकने की कोशिश नहीं करता। ऐसा होना शुरू हो जाए तो सामाजिक सम्मान बढ़ने लगे, जनता खुश रहने लगे। दोष निर्धारित करने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उचित क्या है। हमारा सच या तुम्हारा सच या वास्तविक सच। दावे के बजाय असली सच को स्वीकार कर सार्वजनिक मंच पर लाने की शुरुआत खुद से करनी होगी। परेशानियां तो आयेंगी, क्योंकि हमें खुद को दूसरों से अलग रास्ते पर ले जाना होगा। हमें यह मान कर चलना होगा कि उचित रास्ते पर चलने वाले और भी मिलेंगे। हम अकेले नहीं हैं। बुराई या जिस चीज को हम सामाजिक स्तर पर अनुचित समझते हैं, उसमें बदलाव लाना चाहे बाधाओं से भरा हो, उसे बदलने के लिए स्पष्टता और स्वच्छता अभियान एक बार शुरू कर लगातार जारी रखना होगा।

सार्वजनिक जीवन में हम आमतौर पर जिम्मेदार व्यवहार करना, यानी गिरेबान में झांकना भूल जाते हैं। किसी भी आयोजन में प्लेट में भूख से ज्यादा खाना लेते हैं, छोड़ते हैं और कचरा पेटी में डालते हैं। गाड़ी चलाते हुए सबसे पहले आगे निकलना चाहते हैं।

दूसरों से अपेक्षा छोड़ कर अपना रास्ता खुद तलाशना होगा। प्रयासों के अनुरूप बदलाव एक दिन आता ही है। इसके लिए हमें अपने दोष दूर करने होंगे। खुद को बदलना मुश्किल है, दूसरों को बदलना तो और ज्यादा मुश्किल है। जीवन स्थितियों में बदलाव आते रहें और बेहतर जिंदगी बिताने के लिए प्रयास करते रहे तो परिवर्तन का एक प्रारूप हमारे मन में जन्म लेकर विकसित होना शुरू हो जाता है। यह एक ख्याली पुलाव की तरह है कि सभी सुधर जायें... सभी को और ध्यान रहे वे उनका पालन करते रहें।

सार्वजनिक जीवन में हम आमतौर पर जिम्मेदार व्यवहार करना, यानी गिरेबान में झांकना भूल जाते हैं। किसी भी आयोजन में प्लेट में भूख से ज्यादा खाना लेते हैं, छोड़ते हैं और कचरा पेटी में डालते हैं। गाड़ी चलाते हुए सबसे पहले आगे निकलना चाहते हैं। चौराहे पर अभी हरी बत्ती भी नहीं होती कि हार्न बजाना शुरू कर देते हैं। हमें ख्याल रखना चाहिए कि आगे खड़े होने वाले ने वहीं रुके नहीं रहना है। लाल बत्ती का उल्लंघन करना हमारी आदतों में शुमार है। जरा-सी बात पर चीखना-चिल्लाना, लड़ना, मारना शुरू कर देते हैं, चाहे गलती अपनी ही हो। रेल, बसों, मेट्रो में सबसे पहले घुसना चाहते हैं और महिला डिब्बों में पुरुष चढ़ जाते हैं। हम अब भी प्लास्टिक और पॉलीथीन की गोद में बैठे हुए हैं।

विज्ञापन पर करोड़ों खर्च हो चुके, लेकिन कचरा यहां-वहां फैंकना नहीं छोड़ा। पैदल पार-पंथों से या दूसरी उचित जगह से नहीं, गलत जगह से ही सड़क पार करते हैं। सड़क किनारे थूकना या पेशाब करना छूटा नहीं है।

माफी मांगने और माफ करने में तो अपना गिरेबान बिल्कुल नहीं झांकना चाहते। हम यह नहीं समझते कि माफी मांगने से कोई छोटा नहीं होता, बल्कि यह पता चलता है कि रिश्ते महत्वपूर्ण होते हैं। बच्चों के साथ हमारा व्यवहार काफी बदलाव चाहता है। अगर हम अपना संजीदा अंशदान शुरू कर दें तो स्वानुशासन, प्रेरणा और सुधार का अंकुरण देखा जा सकता है, जो उचित देखभाल से धीरे-धीरे वट वृक्ष में तबदील हो सकता है।

जमशेदपुर की खबरें

अंजली मार्डी को मिली दिव्यांग पेंशन स्वीकृति

परिजनों ने सीएम के प्रति जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में सरकार के महाआकांक्षी योजना आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में सैकड़ो ग्रामीणों को ऑन द स्पॉट योजना का लाभ मिल रहा है। जिले में डीसी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंच रही है। इस अवसर पर बहरागोड़ा प्रखंड के चिंगड़ा पंचायत में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय शिविर में बोलने में असमर्थ 25 वर्षीय दिव्यांग अंजली मार्डी को

ऑन द स्पॉट दिव्यांग पेंशन स्वीकृत किया गया। अंजली मार्डी के भाई ने बहन के लिए पेंशन स्वीकृत होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा हेमंत सरकार में बिना दौड़ भाग किये अपने पंचायत में ही योजना का लाभ मिलने लगा है। इससे काफी खुशी महसूस हो रही है।

मौके पर दिबांग के परिजनों ने कहा राज्य सरकार के योजना से 25 वर्षीय दिव्यांग अंजली मार्डी को काफी राहत मिली है। इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जिले के वरीय पदाधिकारी का शुक्रगुजार है। जिन्होंने अंजली मार्डी के लिए पेंशन स्वीकृत ऑन द स्पॉट देने का काम किया। विशेष रूप से वे सभी को बधाई व सादुवाद देते है।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

आम जन की समस्याओं का नियमानुसार निष्पादन करें पदाधिकारी : रवि शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला खरसावां जिले के जिला समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। मंगलवार को डीसी रवि शंकर शुक्ला ने जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आये ग्रामीणों का व्यक्तिगत व समाजिक समस्याओं से अवगत हुए। मौके डीसी ने क्रमवार लोगो की समस्याओं से अवगत होकर नियमानुसार निष्पादन हेतु संबंधित विभिगीय पदाधिकारी को निर्देशित किया। जनता दरबार में भूमि विवाद, आपसी बटवारा, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान योजनाओं का लाभ, मुख्यमंत्री चिकित्सिय सहायता योजना का लाभ व जेआरडीसीएल द्वारा बिना सूचना के कामगारो को सेवा मुक्त करने समेत अन्य समस्याओं का आवेदन प्राप्त किया। प्राप्त आवेदनो पर डीसी नें जांच कर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का समापन

ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब झारखंड और ओड़िशा बना रनरअप

आत्मरक्षा का माध्यम है कराटे : विकास सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो मून सिटी के कम्युनिटी हॉल में झारखंड शोरिन रियु मात्सस्याशी करटे डु एसोशियेसन की ओर से जितेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत में दो दिवसीय चौथा राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का समापन हो गया।मंगलवार को टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि स्वामी विशुद्ध नंदन भीकू, सीडीपीओ दुर्गेश नंदिनी, संस्था के ऑगेर्नाइजिंग चेयरमैन सह भाजपा नेता विकास सिंह, ऑगेर्नाइजिंग डायरेक्टर राजीव सिंह शामिल हुए। टूर्नामेंट में ओड़िशा, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड राज्य के

सैकड़ों खिलाड़ी हिस्सा लिया। इस अवसर पर गर्ल्स कुमिते में जूनियर एक मे गोल्ड मेडल बंगाल के आद्रिका राय, सिल्वर मेडल झारखंड अदिति बागरिया,ब्रोंज मेडल बिहार के आरोही विश्वकर्मा, गर्ल्स कुमिते जूनियर दो में गोल्ड मेडल बिहार के हर्षिका सिंह, सिल्वर मेडल झारखंड के नेहा शर्मा, ब्रोंज मेडल ओड़िशा के नवस्मिता नायक को सौपा गया। वही बॉयज कुमिते जूनियर एक में पहला स्थान उड़ीसा जे विनायक सेनगुप्ता, दूसरा स्थान बंगाल के राजदीप प्रधान, तीसरा स्थान झारखंड के धैर्य अग्रवाल ने प्राप्त किया। बॉयज कुमिते जूनियर दो में ब्लैक बेल्ट कुमिते पहला स्थान उड़ीसा के पंकज कुमार महतो, दूसरा स्थान बिहार जे भीमसेन, तीसरा स्थान झारखंड के ज्योति रंजन ने हासिल किया। वहीं ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब झारखंड व रनरअप उड़ीसा ने हासिल की। मौके पर अतिथियों के द्वारा सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मजदूरों का बकाया देने को लेकर झामुमो ने टाटा पावर गेट में किया विरोध प्रदर्शन

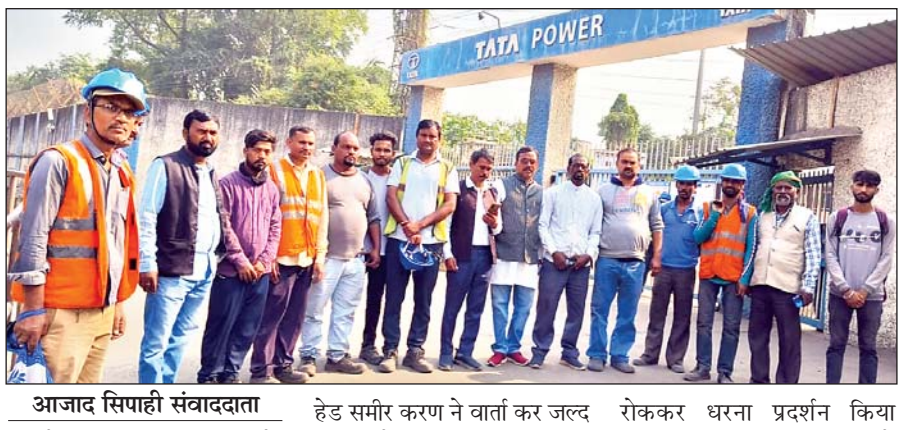

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा पावर कंपनी के एलाईज इंजीनियरिंग में कार्यरत मजदूरों व सप्लायरो व ड्राइवर का वेतन भुगतान व फाईनल सेटलमेंट की मांग को लेकर झामुमो व सामाजिक सेवा संघ के मजदूर नेताओं ने टाटा पावर कंपनी गेट के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को प्रदर्शन के दौरान टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के एचआर हेड समीर करण ने वार्ता कर जल्द भुगतान के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने कहा सभी का बकाया भुगतान 4 दिसंबर तक होगा। फाइनल सेटलमेंट की प्रक्रिया पूरी कर 10 दिसंबर तक उनका भी भुगतान कर दिया जाएगा। मौके पर झामुम नेताओं ने कहा 10 दिसंबर तक फाइनल सेटलमेंट की भुगतान नहीं हुई तो 11 दिसंबर को कंपनी गेट पर टी पी एल के मजदूरों को रोककर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति, मजदूर नेता सह सामाजिक सेवा संघ अध्यक्ष राजेश सामंत, मुखिया शिवलाल लोहरा, भूपति सरदार, छोटे सरदार, राकेश कुमार सिंह, मन्नू श्रीवास्तव, राजू कुमार,नरेंद्र सिंह, रत्नेश्वर राय, धर्मेंद्र यादव,जोगिंदर यादव, रामनाथ यादव मौजूद रहे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का संविधान गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा संविधान निमार्ता ह्यभारत रत्नह्ल बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस को समर्पित संविधान गौरव पखवाड़ा का आयोजन किया गया। मंगलवार को भाजपा अनुसूचित मोर्चा के तत्वावधान में कोल्हान स्तरीय संविधान गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम जमशेदपुर महानगर अंतर्गत जुगसलाई विधानसभा में संपन्न हुआ। बिमल बैठा की अध्यक्षता में परसुडीह मंडल के द्वारा सोपोडेरा स्थित गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और चंदनकियारी के विधायक अमर कुमार बाउरी

शामिल हुए। इस दौरान भाजपा झारखंड प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी व भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव, मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजीत कालिंदी, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा भी मौजूद रहे। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सभा में उपस्थित लोगों को संविधान की प्रस्तावना पढ़कर शपथ दिलाया। उन्होंने कहा देश की एकता, धर्मनिरपेक्ष, सामाजिक विकास व लोकतंत्र की मजबूती के लिए समर्पण भाव से हम सभी काम करते रहेंगे। मंच का संचालन जिला महामंत्री पी के करवा ने किया। मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिमल बैठा ने रामचंद्र सहिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा पूर्व मंत्री एनडीए के स्वघोषित उम्मीदवार बन बैठे हैं। उन्होंने कहा आजुस नेताओं को हल्की राजनीतिक बातों और निम्न स्तरीय राजनीति से बचना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा पहले की सरकारों ने दलितों को सिर्फ वोट बैंक मानकर उनका इस्तेमाल किया। लेकिन भाजपा सरकार में दलितों के उत्थान के लिए जमीनी स्तर पर कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों के आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान के लिए सैकड़ों योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही सोच है। जो आज बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने कहा बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर ने नारा दिया था शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। इस नारे से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश और समाज के नव निर्माण में सभी को योगदान देने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य की हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा राज्य सरकार आदिवासी दलित और झारखंड की जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह से विफल रही है। कहा आदिवासी दलित बच्चियों के साथ हुए दुष्कर्म, पहाड़िया बेटी को टुकड़ों में काटने वालो, आदिवासी बेटी की दुष्कर्म एवं हत्या कर पेड़ पर लटकाने वालों पर सरकार ने क्या कार्रवाई की है। आदिवासी युवाओं की हत्या हेमंत सरकार की उपलब्धि है।

जातिगत राजनीति कर लोगों को सिर्फ वोट बैंक समझकर लंबे समय तक अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का कार्य किया।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में रंका की दूधवल पंचायत में पहुंचे मंत्री मिथिलेश

जहां कभी नक्सलियों का लगता था कैंप वहां पहुंच रही है सरकार: मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका / गढ़वा। रंका प्रखंड के दूधवल पंचायत के नगारी गांव में 28 नवंबर को आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सूबे के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर पहुंचे। छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर स्थित नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जानेवाला इस सुदूरवर्ती गांव में पहली बार पहुंचे जनप्रतिनिधि का लोगों ने ढोल मांदर और झूमर नृत्य के साथ फुल बरसाकर स्वागत किया।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के द्वार तक प्रशासनिक पदाधिकारी और कर्मचारियों को भेज रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि एक समय इस क्षेत्र में जनप्रतिनिधि और प्रशासन के लोग भी आने से कतराते थे, परंतु सरकार के सकारात्मक रवैए ने भटके हुए लोगों को भी मुख्य धारा से जोड़ दिया है। सरकार की नीतियों का प्रतिफल है कि सूदूरवर्ती गांव में प्रशासन निर्भीक होकर योजनाओं का लाभ पहुंचाने की नीयत से कैंप लगा रही है। पिछले वर्ष इसी पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से 368 नए लोगों को पेंशन स्वीकृत हुआ था और लगभग 350 छात्राओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ प्राप्त हुआ था। ऐसे ही अनेक विभाग के योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा। केंद्र सरकार के भेदभाव के कारण राज्य की जनता को आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा था लेकिन राज्य सरकार ने अपने लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए अबुआ आवास योजना प्रारंभ की है जिसके तहत प्रथम वर्ष ढाई लाख राज्यवासियों को इसका लाभ दिया जाना है।

मंत्री मिथिलेश ने पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों और पंचायत के जागरूक लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि वैसे लोग जिन्हें योजनाओं को प्राप्त करने में जानकारी का अभाव है उन्हें सहयोग कर योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार झारखंडियों की भावना के अनुरूप काम कर रही है जिसे सरकार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने पंचायत वासियों को बताया कि सिर्फ आपके दुधवल पंचायत में सरकार की 30 करोड़ की योजना चल रही है इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि पूरे विधानसभा में और राज्य स्तर पर कितने विकास का कार्य धरातल पर उतर रहे होंगे। कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने विभिन्न ग्राम वासियों के बीच परी संपत्तियों का वितरण किया। वन विभाग से ले गए फलदार पौधे का विवरण किया गया।

कार्यक्रम को 20सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, जीप सदस्य प्रमिला देवी, प्रमुख हेमंत लकड़ा, मुखिया इजहार अंसारी, पंचायत समिती सदस्य मुमताज अंसारी, नूरजहां खातून, प्रखंड विकास पदाधिकारी देवानंद राम, 20 सूत्री अध्यक्ष अहमद अली, अंचलाधिकारी, एल आर डी सी, प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मौके पर प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला सचिव मनोज ठाकुर, प्रखंड सचिव इरफान अंसारी, युवा अध्यक्ष दिपक सोनी, विधायक प्रतिनिधि अनिल चंद्रवंशी, पप्पू यादव, शंभू यादव आदि मौजूद थे।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना मुख्य उद्देश्य : मंत्री

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने सीएम के कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया

30 नवंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गढ़वा जिले के पेशका में आयोजित कार्यक्रम में लेंगे भाग

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला के मेराल प्रखंड अंतर्गत पेशका हाई स्कूल के मैदान में 30 नवंबर को आयोजित होने वाले 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री झारखंड सरकार हेमंत सोरेन के आगमन को ले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने पेशका हाई स्कूल के मैदान पहुंचे। इस दौरान मंत्री संग मुख्य रूप से उपायुक्त शेखर जमुआर और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय द्वारा कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लिया गया। मैदान में लग रहे स्टेज, टेंट और स्टॉल का जायजा, कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई, पेयजल, अस्थायी शौचालय की व्यवस्था, आने वाले अतिथियों और आमजनों के बैठने की व्यवस्था, विधि व्यवस्था, हेलीपैड निर्माण समेत अन्य तैयारियों का जायजा लिया और मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। इस दौरान मंत्री द्वारा कृषक पाठशाला का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर तैयारी का जायजा लेने के पश्चात मंत्री ने बताया कि आगामी 30 नवंबर को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं गढ़वा जिले के पेशका में आयोजित 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में भाग लेने आ रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचना है। उक्त कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कई योजनाओं का उद्घाटन/शिलान्यास और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जायेगा। उन्होंने मीडिया के माध्यम से जिलेवासियों से अपील किया कि जिलावासी अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम के साक्षी बने। इस दौरान मौके पर उक्त पदाधिकारियों के अलावा मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, निदेशक डीआरडीए दिनेश प्रसाद सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा बिजय कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गढ़वा अवध कुमार यादव समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और अन्य संबंधित उपस्थित थे।

दुर्घटना में घायल सफाई कर्मी की इलाज के दौरान मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। दुर्घटना में घायल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर टाउनशिप के सफाई कर्मी रामू राम के पुत्र नीरज कुमार की इलाज के दौरान वाराणसी में मौत हो गयी। मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है।

खबर के अनुसार निरज कुमार अपने दोस्त के साथ उत्तर प्रदेश के कोन से मोटरसाइकिल से अपने घर टाउनशिप आ रहा था, कि भवनाथपुर थाना क्षेत्र के मकरी बांध के समीप अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल गड्ढे में गिर गयी। उक्त दुर्घटना में नीरज व उसका दोस्त दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ देर के बाद नीरज के दोस्त ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। आनन फानन में नीरज को वाराणसी लें जाया गया जहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

वैन और बाइक की टक्कर, एक घायल

केतार (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर स्कूल से 500 मीटर दूर डीएभी वैन और बाइक की आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गयी। जिसमें सिंहपुर निवासी शिवबरन साह का पुत्र धर्मेंद्र गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भवनाथपुर निवासी राकेश कुमार यादव का वाहन डीएवी में पढ़ने वाले बच्चों को लेने कांडी की ओर जा रहा था। तभी आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी, जिसमें धर्मेंद्र गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना पाते ही धर्मेंद्र के पिता अपने निजी वाहन से भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। धर्मेंद्र की स्थिति को देखकर चिकित्सको ने गढ़वा रेफर कर दिया। दुर्घटना की सूचना पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया।

सिदो कान्हू फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका । रंका अनुमंडल प्रखंड अंतर्गत कटरा पंचायत में सिद्धू कान्हू फुटबॉल टूर्नामेंट समापन मैच का आयोजन किया गया। इस फुटबॉल मैच के मुख्य अतिथि गढ़वा विधायक सूबे के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर के प्रतिनिधि के रूप में जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह शामिल हुए। फुटबॉल मैच के आयोजक एवं ग्रामीण जनता ने नितेश सिंह का गर्मजोशी से बाजे गाजे के साथ माला पहनाकर स्वागत किया। इस फुटबॉल टूर्नामेंट में गर्ल्स एवं ब्वॉयज की

चार टीमें भाग लिए। जिन्हें मंत्री मिथिलेश ठाकुर के सौजन्य से नितेश सिंह ने आयोजन कमेटी को 41000/- इकतालीस हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान किया तथा चारों टीमों को 2500-2500 रुपए प्रोत्साहन राशि एवं रेफरी को 1000-1000 रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किया गया। इस अवसर पर झामुमो जिला युवा अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि वन एवं पर्यावरण के संजय सिंह छोटू, रंका प्रखंड विधायक प्रतिनिधि अनिल चंद्रवंशी,झामुमो कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जनता खेल प्रेमी उपस्थित थे।

पेंशनर कल्याण समाज की मासिक बैठक संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड पेंशनर कल्याण समाज गढ़वा की मासिक बैठक असर्फी राम सचिव की अध्यक्षता में की गयी। जिसमें श्रावण राम, श्यामबिहारी राम, रामाधार ठाकुर, निर्मल कुमार साहू, बृजनंदन राम, लक्ष्मण राम, सुरेंन्द्र चौबे तथा संतोष कुमार कोषाध्यक्ष द्वारा बैठक को संबोधित किया गया। सभी ने कोष की मजबूती, स्वास्थ्य बीमा तथा जाड़े के मौसम में सावधानी बरतने की हिदायत दी गयी। सर्व सम्मति से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कम्बल वितरण करने का निर्णय लिया गया। आज की अध्यक्षता कर रहे सचिव द्वारा नये कार्यालय के लिए उपायुक्त से मिलकर अनुरोध किया जाय। तथा अपने कार्यालय का संघ भवन निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध करने हेतु विचार विमर्श किया गया।आज की बैठक मे निम्न पेंशनरों ने भाग लिया। शिवनारायण प्रसाद, अमरनाथ गुप्ता, सुदामा राम, छतरधारी राम, रामाधार यादव, सुबाश उरांव, माखन प्रसाद यादव तथा अन्य कई पेंशनर उपस्थित थे। अंत मेंअध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यबाद ज्ञापन के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की गयी।

अचानक पेट फूलने से युवती की मौत

कांडी(आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सुंडीपुर गांव निवासी मनोज पासवान की 16 वर्षीय लड़की पूजा कुमारी की मृत्यु अचानक पेट फूल जाने व पिशाब रुक जाने के कारण सोमवार की देर शाम में हो गयी थी। इस संबंध में कांडी थाना प्रभारी दीपक कुमार राणा ने बताया कि पूजा कुमारी की मृत्यु बीमारी से हुई है न कि किसी और कारणों से। पुलिस ने पूरी तरह जांच पड़ताल कर मृत्यु के कारणों का पता लगायी है। मृत्यु के कारणों के पीछे गलत अफवाह फैली हुई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतिका के माता पिता ने पूजा कुमारी की बीमारी से जुड़े डॉक्टरों के पर्ची, जांच रिपोर्ट, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट सहित कई जांच का रिपोर्ट दिखाया।

निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा में गढ़वा पहुचेंगे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी

इस यात्रा के फहद बिहार झारखंड और उत्तर प्रदेश के लगभग 80 जिलों में 135 दिनों की लगातार यात्रा पूर्व मंत्री मुकेश साहनी कर रहे हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

गढवा । विकासशील इंसान पार्टी का निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा को लेकर पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व मंत्री बिहार सरकार के मुकेश सहनी का आगमन एक दिसंबर को डंडा प्रखंड के छपरदगा गांव स्थित रजई विजय के मैदान में अपराह्न 11:00 बजे होगा। इसकी जानकारी मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव चौधरी प्रदेश सचिव मनदीप मल्लाह ने संयुक्त रूप से मंगलवार को दुलारी होटल में प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में आरक्षण संकल्प यात्रा चल रही है। उन्होंने कहा कि गढ़वा जिले में आरक्षण संकल्प यात्रा में गढ़वा पलामू के निषाद समाज के सभी उपजातियां काफी संख्या में भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा का आरंभ 25 जुलाई 2023 में किया गया था। इस यात्रा के फहद बिहार झारखंड और उत्तर प्रदेश के लगभग 80 जिलों में 135 दिनों की लगातार यात्रा पूर्व मंत्री मुकेश साहनी कर रहे हैं। इसमें समाज के हक और अधिकार के लिए एकजुट होने का आह्वान कर रहे हैं। पार्टी सुप्रीमो का उद्देश्य है कि तीनों राज्यों में निषादों को अनुसूचित जाति में शामिल करने को लेकर निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा किया जा रहा है। प्रेसवार्ता में पलामू जिला अध्यक्ष भरदुल चौधरी, गढ़वा प्रखंड अध्यक्ष उत्तम चौधरी, डंडा प्रखंडअध्यक्ष शैलेश मेहता सहित कई लोग उपस्थित थे।

दो क्विंटल जावा महुआ और अवैध शराब चुलाई के उपकरण भी बरामद

तीनो व्यक्तियो के घर से लगभग 40 लीटर महुआ शराब बरामद की गयी : अवर निरीक्षक विक्रम साह

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुरा। उत्पाद अधीक्षक गढ़वा निर्मल कुमार के निर्देश पर अवर निरीक्षक बिक्रम कुमार साह ने विशुनपुरा थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब चुलायी को लेकर चलाया छापामारी अभियान। छापामारी अभियान में पिपरी कला के बाजार टोला निवासी नंदू भुइया, बिकास भुइया और मंदिस भुइया के घर से लगभग दो क्विंटल जावा महुआ और उपकरण पायी गयी। जिसे मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। वहीं अवर निरीक्षक विक्रम कुमार साह ने बताया कि इन तीनों व्यक्तियों के घर से लगभग 40 लीटर महुआ शराब बरामद की गयी है। इन लोगों के ऊपर उत्पाद अधिनियम की धारा 47/अ के तहत फरार अभियोग पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवायी की जा रही है। वहीं उत्पाद विभाग की इस कार्रवाई से अवैध महुआ शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत, दो गंभीर

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर खरौंधी मुख्य पथ बगही नदी के समीप दो मोटरसाइकिल के आमनेसामने टक्कर से एक युवक ऋषि प्रजापति की मौत हो गयी, जबकि उसकी मां कबुतरी देवी तथा रामचंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उक्त दुर्घटना में ऋषि प्रजापति की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। जबकि उसकी मां कबूतरी देवी और रामचंद्र सिंह घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर लाया गया। चिकित्सक ने दोनों घायल को गढ़वा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर भवनाथपुर थाना के एएसआई रब्बुल अंसारी दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे शव को अस्पताल लाया गया जहां से पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेजा गया।

ताहिर अंसारी जैसे आरोपियों को भी हथियार का लाइसेंस दे रही है सरकार: भानु प्रताप शाही

भानू ने 2 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से कार्यान्वित होनेवाली जल नल योजना का शिलान्यास किया

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड क्षेत्र के कोलझींकि में बनने वाले पीसीसी सड़क और जल नल योजना का शिलान्यास विधायक भानू प्रताप शाही ने किया। 2 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से जल नल योजना के तहत 1050 घरों में पानी पहुंचाया जायेगा। वहीं 30 लाख रुपए की लागत से गांव के मेन रोड से उपस्वास्थ्य केंद्र तक पीसीसी सड़क का निर्माण किया जाना है। शिलान्यास के बाद उपस्थित लोगों को सबोधित करते हुए विधायक ने कहा की पीएम नरेंद्र मोदी ने हर घर मे शुद्ध पेयजल नल से पहुंचाने का संकल्प लिया है। उसी के तहत कोलझींकि में भी हर घरों को अब नल से पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हर वर्ग के लोगों का विकास कर रही है। आज भारत विकास के मामले में काफी तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार जनविरोधी सरकार है। पूरी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। अपराधियों को संरक्षण देने का काम प्रदेश सरकार कर रही है। सरकार में हत्या और लूट के ताहिर अंसारी जैसे आरोपीयों को भी हथियार का लाइसेंस देने का काम किया जा रहा है। वहीं विधायक ने पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता के वोट लेकर क्षेत्र की जगह अपने गढ़ का विकास पूर्व विधायक ने किया। जबकि उन्होंने कोलझींकि में बिजली, सड़क, स्कूल, उपस्वास्थ्य केंद्र बनवाने का काम किया है। चुनाव में फिर से ऐसे लोग गुमराह करने आयेंगे, लेकिन जनता को सही गलत का चयन काफी सोच समझकर करना पड़ेगा। कार्यक्रम को भाजपा नेता लक्ष्मण राम और पूर्व उपप्रमुख नारद प्रजापति ने किया। मौके पर मंडल अध्यक्ष विकाश पांडेय, कुमार कनिष्क, विधायक प्रतिनिधि अशोक सेठ, लाल मोहन यादव, भाजयुमो अध्यक्ष विक्रांत सिंह उर्फ सोनू, मुखिया सुनीता देवी, सुरेंद्र बैठा, अनिल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

टेंपो पलटने से छह यात्री घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड मुख्यालय के समीप मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार टेंपो पलटने से उस पर सवार 6 लोग घायल हो गए। घायलों में खरौंधी थाना क्षेत्र के बैतरा गांव निवासी कैलाश राम 60 वर्ष, कबूतरी देवी 45 वर्ष, डोमन राम 75 वर्ष, प्रेमचंद राम 46 वर्ष, पुनीता देवी 27 वर्ष तथा कैलान के बहेरवाखाडी निवासी चमेली देवी पति अयोध्या भुंइया व गीता देवी 25 वर्ष का नाम शामिल है। उक्त सभी घायलों को स्थानीय युवक गुड्डू यादव, अनिल राउत, गोल्डेन, त्रिपुरारी, सोनू व अजित कुमार ने घायलों को ईलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद पुनीता

देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार उक्त सभी लोग टेंपो पर सवार होकर खरौंधी थाना के बैतरा गाँव से श्री बंशीधर नगर कोर्ट में जमीन की रजिस्ट्री कराने जा रहे थे, तभी प्रखंड मुख्यालय से आगे कपूरी गेट के पास एक अन्य टेम्पो को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर टेम्पो बीच सड़क पर पलट गयी। उधर घटना की जानकारी मिलते ही थाना के एएसआई मुनेश्वर राम पुलिस दलबल के साथ अस्पताल पहुंचे तथा घायलो से जानकारी लेने के बाद दुर्घटनाग्रस्त टेंपो को जब्त कर थाना लाया।

कांग्रेस गरीबों के हित में काम करनेवाली पार्टी

खूंटी (आजाद सिपाही)। लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सह लोकसभा संयोजक कालीचरण मुंडा ने मंगलवार को खरसावां विधानसभा क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरा शुरू किया। उन्होंने सरायकेला प्रखंड और गम्हारिया प्रखंड के तितिरबिला, दिघी, हरदला, नोवाडीह, भालूबासा, झापुडागोड़ा, गोहिरिया दुगनी का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात करते हुए अपनी बातों को रखा। कानलीचरण मुंडा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गरीबों की पार्टी है। जब केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। तो सभी योजनाएं गरीबों की हित के लिए थी। जैसे सभी प्रकार की पेंशन योजना, आवास योजना, आंगनबाड़ी केंद्र, सर्व शिक्षा अभियान, सूचना का अधिकार, हर गांव में बिजली, हर गांव तक सड़क को प्रखंड और जिला से जोड़ा गया। इस दौरान प्रदेश सचिव छोटराय किस्कू कैलाश महतो, धनपति सरदार, कृष्णा कैवट, खरसावां प्रखंड अध्यक्ष कोंदो कुंभकार, प्रखंड उपाध्यक्ष शंकर लोवादा तथा अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

पांच परगना में राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस और सम्मान समारोह का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। पांच परगना किसान महाविद्यालय परिसर में आज राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तमाड़ विधायक प्राचार्य हिंदी विभाग अध्यक्ष के द्वारा कार्यक्रम दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सभी सम्मानित सदस्यों को पुष्प गुच्छ और शोल उड़ा कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधायक विकास कुमार मुंडा ने कहा कि महाविद्यालय विद्या का मंदिर है शैक्षणिक माहौल बनायें रखने के लिए शिक्षक और छात्रों को अनुशासित होकर कर्तव्य का अनुपालन करना चाहिए। राष्ट्र सेवा में समर्पित अनुशासन आदर्श वातावरण के साथ देश रक्षा के लिए एनसीसी युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि महाविद्यालय का जीर्णोद्धार किया जायेगा। इंटर के प्राचार्य डॉ राधा रमन साहू ने कहा कि एनसीसी से जुड़कर युवाओं को पुलिस सीआरपीएफ और रक्षा विभाग के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार मिल रहा है महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मुकुल कुमार ने विधायक और उपस्थित सभी शिक्षक अभिभावकों का स्वागत किया इस अवसर पर एनसीसी से जुड़े छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मौके पर डॉ विजयलक्ष्मी प्रो भूतनाथ प्रमाणिक, प्रो हंस कुमार, प्रो विनीता कुमारी, प्रो सुरेंद्र राम, डॉक्टर सुनील, प्रो गौतम, सबरन सिंह मुंडा लखिंद्र मुंडा तमाड़ जिला परिषद सदस्य भवानी देवी शामिल थे।

ग्रामीणों के बीच परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

खलारी (आजाद सिपाही)। प्रखंड विकास पदाधिकारी खलारी लेखराज नाग के अध्यक्षता में खलारी प्रखंड के तुमांग पंचायत के करकट्टा बस्ती में आपकी योजना आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार के सभी विभागीय योजनाओं के स्टॉल लगायें थे। विभागीय अधिकारियों ने बारी बारी से योजनाओं की जानकारी दी।सभी स्टॉल में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन जमा किया। इस मौके पर ग्रामीणो के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। ग्रामीणों को कंबल, धोती साड़ी और मनरेगा जॉब कार्ड और फूलों झानो योजना के तहत महिला को चेक दिया गया। साथ ही विभागीय योजनाओं के लिए ग्रामीणो ने आवेदन दिया। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान, प्रदेश कांग्रेस सचिव इंदिरा देवी तुरी, अंचल निरीक्षक कमल कांत वर्मा, तुमांग मुखिया संतोष कुमार महली, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रतिमा कुमारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विनय कुमार गुप्ता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी आदित्य नाथ झा, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी गोपाल राम दास, प्रखंड समन्वयक असित कुमार, कनीय अभियंता प्रवीण उरांव, मेडिकल टीम से डॉ रविंद्र कुमार, सुमित कुमार, बिंदु कुमारीत सहित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जेबीकेएसएस खलारी कमेटी का हुआ विस्तार

खलारी (आजाद सिपाही)। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के द्वारा खलारी प्रखंड में विस्तार किया गया। साथ ही कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय कमिटी के मुख्य सदस्य मोतीलाल महतो ,पंचम एक्का, सुमित दा, रविंद्र कुमार, राजु महतो मुख्य रूप से उपस्थित हुए। बैठक में रतिया गंझु ने खलारी के विभिन्न समस्याओं को अवगत कराया। उसके बाद पंचम एक्का ने अपनी बातों को रखा। इसमें मोतीलाल महतो के द्वारा संबोधित करते हुए झारखंडियों के हक और अधिकार की बात की गयी। इस बैठक में 21 लोगों की प्रखंड कमिटी बनाया गया। जो प्रखंड के 14 वें पंचायत में समिति विस्तार करेंगे। इससे पूर्व केंद्रीय कमिटी द्वारा निर्मल महतो प्रतिमा माल्यार्पण किया गया और कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। बैठक में धमार्नाथ महतो, इरफान खान, मनोज भुइयां, राजेश महतो, दीपक महतो, तारकेश्वर महतो, उपेंद्र इत्यादि उपस्थित रहे।

टर्बो और पिकअप वैन में टक्कर,चार घायल

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बलुवाडीह सतिया के समीप मंगलवार सुबह 9 बजे के आसपास सब्जी लदा पिकअप वैन ओर टर्बो ट्रक में टक्कर हो गयी है। टक्कर में पिकअप वैन में सवार तीन व्यक्ति गम्भीर रूप में घायल हो गये है। तीनों घायल अमन महतो,संजय महतो,सुमन महतो भाई है और सब्जी लेकर सिल्ली की ओर जा रहे थे। इस दौरान बोंगादर-दुलमी स्कूल जा रही एक शिक्षिका भी घायल हुई है। शिक्षिका सिनी टोप्पो अपने पति सुकरा भेंगरा के साथ बाइक में स्कूल जा रही थी और टर्बो के चपेट में आयी। आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस को सुचना देकर घायलों को सोनाहातू अस्पताल पहुंचाया। जहां बेहतर इलाज के लिए सभी को रिम्स रेफर किया गया।

संवेदक सुधरें, वरना कार्रवाई के लिए रहें तैयार : संजय सेठ

रांची सांसद व ईचागढ़ विधायक ने संयुक्त रूप से किया ईचागढ़ विधानसभा में चार सड़क और दो पुल का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्वीकृत चार सड़क व दो पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को सांसद संजय सेठ व विधायक सविता महतो ने संयुक्त रुप से शिलापट्ट अनावरण कर किया। इस दौरान ईचागढ़ के छोटाचुनचुड़ीया में गाजे बाजे के सांसद व विधायक का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सांसद संजय सेठ ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 31 करोड़ 17 लाख रुपये कि लागत से चार सड़क व दो पुल का निर्माण कार्य किया जायेगा। सांसद ने संवेदक को सड़क व पुल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण व ससमय करने को कहा। इस दौरान विधायक सविता महतो ने कहा चांडिल प्रखंड के रुगड़ी से पोदोडीह तक 9 किमी 7 करोड़ 94 लाख व रुगड़ी जुड़िया में 1 करोड़ 38 लाख कि लागत से पुल, ईचागढ़ प्रखंड के टीकर से तिरुलडीह होते हुए चिपड़ी तक 6 किमी 4 करोड़ 83 लाख, टीकर से पातकुम भाया सालबनी 8 किमी 7 करोड़ व छोटाचुनचुड़ीया रोड से ईचागढ़ 6 किमी 5 करोड़ 52 लाख व सीतानाला में पुल 2 करोड़ 47 लाख रुपये कि लागत से निर्माण होगा। विधायक ने कहा चारो सड़क व पुल का निर्माण होने लोगो का इसका लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर रांची लोकसभा सांसद संजय सेठ ने कहा की टीकर-रागांमाटी सड़क को लेकर संवेदक को जम कर फटकार लगाई। इस दौरान सेठ ने कहा की अगर सड़क शनिवार तक पुरी तरह से दुरुस्त नहीं होगा तो सड़क पर बैठक धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। इस मौके पर पंचायत प्रतिनिधि के साथ काफी संख्या में भाजपा व झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सताकी पंचायत में 442 मामलों का निबटारा

आजाद सिपाही संवाददाता

पेंशन स्वीकृति का प्रमाण पत्र देते विधायक सुदेश महतो।

राहे। राहे प्रखंड के सताकी पंचायत में अयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 1582 आवेदन प्राप्त किये। सिर्फ अबुआ आवास योजना के 550 आवेदन प्राप्त हुये। बाकी 1032 आवेदन में करवाई करते हुए 442 आवेदन का निष्पादन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक सुदेश महतो उपस्थित हुए। इस अवसर पर विधायक सुदेश महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाना प्रखंड के अधिकारी व कर्मचारियों का दायित्व के साथ साथ एक चुनौती भी है। अधिकारी आवेदन पर पहल करते है तो गांव की समस्या स्वत समाप्त हो जावेगी। कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारी ओर अधिकरियों की इच्छा शक्ति की परख होती है। साबित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के तहत चेक वितरण ,धोती साड़ी लुगी व कंबल वितरण किया गया। साथ ही वृद्धा, विधवा व विकलांग पेंशन योजना का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। मौके पर वरीय उप समाहर्ता राजीव कुमार जिप सदस्य बादल महतो, प्रमुख लीलमनी देवी,उप प्रमुख उमेश महतो,बीडीओ हारून रशीद, मुखिया पांडु मुंडा, बिजली विभाग एई जितेंद्र कुमार महतो, बीएसओ बिष्णु खंडित, प्रभारी संजय सिद्धार्थ, रंगबहादुर महतो सहित सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

धुर्वा के चार गांजा तस्कर गिरफ्तार

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तमाड खूँटी पथ पर रविवार की रात गांजा खरीदने पहुंचे रांची धुर्वा के चार गांजा तस्करों की गिरफ्तारी तमाड़ पुलिस ने की है। बताया जाता है कि चारो आरोपियों के द्वारा खूँटी पथ पर समीप गांजा की खरीदारी करते हुए पकड़े गये। जिसके पास एक किलो गांजा की बरामदगी की गयी है। गिरफ़्तार अश्विनी मिस्त्र, सुरेश सिंह, अछय कुमार, अभय कुमार सिंह सभी धुर्वा रांची के रहने वाले है चारों को जेल भेज दिया गया है।

पिपरवार में हुई ऑल इंडिया एससी/एसटी/बीसी इंप्लाई काउंसिल और प्रबधंन की बैठक

30 सूत्री मांगों पर प्रबधंन ने सकारात्मक पहल करने का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबधंक कार्यालय में मंगलवार को ऑल इंरिया एससी/ एसटी/ बीसी इंपलाई को-आडीर्नेशन काउंसिल और स्थानीय सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबधंन के बीच एजेंडा मिटिंग हुई। मिटिंग की अध्यक्षता पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबधंक सीबी सहाय और संचालन कार्मिक और प्रशासनिक अधिकारी आलोक मनीष सोय ने किया। बैठक मे काउंसिल द्वारा पिपरवार एरिया प्रबधंन को दिये गये 30 सूत्री मांग पत्र पर विस्तार से चर्चा की गई,जिसमे प्रमुख मांगो मे पिपरवार क्षेत्र में काउंसिल का कार्यालय उपलब्ध कराने,एसीसी, पीसीसी, वेलफेयर, सेफ्टी, हाउसिंग, सीएसआर और अन्य समितियां में बिना भेदभाव किए काउंसिल के सदस्यों को शामिल करने, प्रमोशन, क्वाटर, सुरक्षा, क्वाटर मरम्मत, शुध्द पेयजल, रोड सेल में कोयला आवंटन बढ़ाने, कोयला खदानों में सुरक्षा नियमों को पुख्ता से लागू करने, पिपरवार ओसीपी के कामगारों को अशोक परियोजना में जल्द विलय करने, पिपरवार में आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना करने सहित कुल 30 सूत्री मांग पत्र पर चर्चा की गई। उक्त सभी मांगों को प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय स्तर से लेकर मुख्यालय स्तर तक समाधान कराने का भरोसा दिया। बैठक में जीएम सीबी सहाय, एसओपी आलोक मनीष सोय,एसओसी सुमन कुमार, एसओ ईण्डएम जेएन दत्ता, कार्मिक प्रबधंक नागेश कुमार, रवि बाड़ा, एरिया मेडिकल ऑफिसर डॉ एफआर साह सहित काउंसिल की ओर से सीसीएल महामंत्री बृजकिशोर पासवान, सीसीएल उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, पिपरवार सचिव रतन लाल, एसडी राम, प्रेम, रोशन, ईटी बरला, मिथिलेश सहित कई लोग मौजुद थे।

मुरहू से दो युवकों की सड़ी-गली लाश बरामद, पत्नी सहित तीन हिरासत में

जंगल की खाई में दफनाये गये शवों को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने बाहर निकाला

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिले के मुरहू थान क्षेत्र के पसराबेड़ा बुरू पहाड़ की खाई से पुलिस ने मंगलवार को दो युवकों की सड़ी गली लाश बरामद की। हत्या के बाद दोनों युवकों के शव को जंगली क्षेत्र के खाई में दफना दिया गया था। जिसे पुलिस ने मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में बाहर निकाला। शव की पहचान मुरहू थाना क्षेत्र के करंका गांव निवासी पांडा बोदरा 22 वर्ष तथा बंदगांव थानांतर्गत कुल्डा गांव के सिबियन हपतगड़ा 20 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक के स्वजनों ने बताया कि दोनों युवक 30 अक्टूबर को मुरहू के कोवा गांव स्थित पांडा बोदरा की ससुराल गए थे। जहां से फिर वे वापस नहीं लौटे। इस संबंध में मृतक पांडा बोदरा के बड़ा साला सनिका चुटिया, चाचा ससुर विखम चुटिया, पत्नी राधा पूर्ति सहित कुछ अन्य संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। घटनास्थल पर मौजूद मृतक सिबियन हपतगड़ा के पिता और कुल्डा गांव के ग्राम प्रधान निर्मल हपतगड़ा ने बताया कि उसका बेटा सिबियन गत 29 अक्टूबर को पांडा बोदरा के साथ गांव से निकला था। फिर घर नहीं लौटा।

पांडा बोदरा की पत्नी ने पत्रकारों के समक्ष स्वीकारी हत्या की बातः घटनास्थल के पास मौजूद मृतक पांडा बोदरा की पत्नी राधा पूर्ति से जब दोनों की हत्या से संबंधित सवाल पूछे गये तो राधा ने बताया कि उसका पति पांडा बोदरा अक्सर उसके साथ मारपीट किया करता था। उसने बताया कि 30 अक्टूबर को जब पांडा बोदरा अपने दोस्त के साथ उसके मायके कोवा गांव पहुंचा। तो वहां भी वह उसके साथ झगड़ा करने लगा। इसी बात पर उसके भाई सनिका चुटिया पूर्ति और चाचा विखम चुटिया पूर्ति ने उसके पति पांडा बोदरा और साथ आये उसके दोस्त की घर में ही पिटायी कर दी और पांडा और उसके दोस्त को पकड़कर कहीं ले गये। इस संबंध में एसडीपीओ अमित कुमार से पूछने पर उन्होंने बताया कि प्रारंभिक छानबीन में पता चला है कि घरेलू विवाद के कारण ही दोनों की हत्या कर शव को जंगल की खाई में छिपा दिया गया था। वैसे पुलिस सभी बिंदुओं पर गहराई से पड़ताल कर रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही इस जघन्य कांड में शामिल सभी हत्यारों को गिरफ्तार कर इस दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर लिया जायेगा।

मुरहू प्रखंड कमेटी का गठन, सुरेश प्रसाद बने अध्यक्ष, धीरज साहू सचिव

खूंटी (आजाद सिपाही)। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज खूंटी के निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा मंगलवार को मुरहू में प्रखंड के व्यावसाइयों के साथ बैठक कर सर्वसम्मति से चैंबर ऑफ कॉमर्स की मुरहू प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। चैंबर ऑफ कॉमर्स खूंटी के अध्यक्ष प्रियांक भगत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सचिव मुकेश जायसवाल ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि किसी भी संस्था का विकास सामूहिकता से ही संभव है। उन्होंने कहा कि पूरे जिले के व्यवसाइयों को एकसूत्र में बांधने को लेकर प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन किया जा रहा है। बैठक में सभी की सहमति से मुरहू प्रखंड अध्यक्ष के रूप में सुरेश प्रसाद का चयन किया गया। इनके अतिरिक्त पंकज कुमार साहू को उपाध्यक्षए धीरज कुमार को सचिवए राजू भगत को कोषाध्यक्षए सुबोध कुमार को सह कोषाध्यक्ष और मुस्ताक खान को सह सचिव बनाया गया। संरक्षक मंडली में अर्जुन साहूए महेश चौधरीए प्रमोद कुमारए अनिल गुप्ता और पंकज चौधरी का चयन किया गया। बैठक का संचालन अरुण साबू ने किया। बैठक में खूंटी चैंबर के दिलीप साह, दीपक कुमार सहित मुरहू के सभी व्यापारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उमड़ी भीड़, कुल 1811 आवेदन जमा

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के सोड़ो पंचायत भवन परिसर में मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ईचागढ़ के विधायक सबिता महतो, जिप सदस्य सुभाषिणी देवी, बीडीओ कीकू महतो, सीओ दीपक प्रसाद, उपप्रमुख दीपक कुमार साव, मुखिया नयन सिंह मुंडा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं कार्यक्रम में जेएसएलपीएस की ओर से तीन महिला को फूलो झानो आशीर्वाद योजना के तहत 40 हजार, 6 महिला समूह को सीसीएल के तहत 7 लाख 40 हजार का ऋण उपलब्ध कराया गया। समाज कल्याण विभाग की ओर से दो विकलांग व्यक्तियों को ट्राई साईकिल, एक कान का मशीन, दो किशोरी को साबित्रीबाई फुले किशोरी योजना के तहत 20 हजार का स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण सहित सभी स्टालों में समस्या का निदान करने हेतु आवेदन प्राप्त किया।

आपकी योजना आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत बुंडू के वार्ड नंबर 2 में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोग पूछ रहे थे पिछली बार राशन कार्ड सुधार से संबंधित आवेदन दिया गया था लेकिन आज तक निष्पादन नहीं हुआ, फिर से तीसरे चरण में आवेदन लिया जा रहा है कहीं पहले की तरह इस बार भी आवेदन को कूड़ेदान में नहीं फेंक दी जायेगी। कार्यक्रम में खाद्य आपूर्ति से संबंधित 38 आवेदन दिया गया कंबल वितरण 74 किया गया जमीन रसीद से संबंधित चार आवेदन दिए गए होल्डिंग तथा जलकर से संबंधित 27 आवेदन दिए गए राशन कार्ड सुधार संबंधित दो आवेदन दिए गये। इस मौके पर नगर प्रशासक शुभम पोद्दार नगर प्रबंधक अनूप कुमार महफूजुर रहमान विभा सिंह नीता आदि उपस्थित थे।

बाइक और ट्रैक्टर में टक्कर, एक घायल

राहे (आजाद सिपाही)। राहे ओपी क्षेत्र के बासाहातू गांव के समीप एक ट्रेक्टर ओर बाइक सवार में टक्कर हो गया जिसमें बाइक सवार गम्भीर रूप में घायल हुआ है। घटना सोमवार रात 9 बजे के आसपास की है। राहे पुलिस घायल को रिम्स भेज दिया है। घायल की पहचान नही हो पायी थी।

अनुराग के ऑलराउंडर प्रदर्शन से सोनेट बुंडू जीता

बुंडू (आजाद सिपाही)। रांची खेली जा रही है अंडर-14 वेंचर स्किल अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को सोनेट बुंडू ने बूंटी रांची को 47 रनों से हराया,सोनेट बुंडू पहले बल्लेबाजी करते हुए 28 ओवर में 140 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। जिसमें अनुराग ने 55 और करण ने 18 रन और स्पर्श ने 12 रन बनाया। बूंटी रांची के तरफ से संकल्प ने 25 रन देकर 5 विकेट लिया और आसिफ ने 2 विकेट लिया, बूंटी रांची दूसरी पारी खेलने उतरी 30 ओवर में 8 विकेट खोकर 93 रन बनाया जिसमें सुंदरम ने 18 रन और सोहेब ने 15 रन बनाया सोनेट बुंडू के तरफ से अनुराग ने 3 विकेट लिया और कारण और कौशल ने 2/2 विकेट लिया।

कुदलूम में देवठान चतरा में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

खूंटी (आजाद सिपाही)। कर्रा प्रखंड के कुदलूम गांव में मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा देवठान जतरा का आयोजन किया गया। मेले में कर्रा प्रखंड के दर्जनों गांवों के लोगों ने पारंपरिक परिधान में शामिल हुए। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति को संजो कर रखने के लिए इस तरह का आयोजन निश्चित रूप से प्रतिवर्ष होना चाहिए और इसके लिए आयोजन समिति कें सदस्य धन्यवाद का पात्र है।

एसएसआर को लेकर विशेष कैंप आयोजित

खूंटी (आजाद सिपाही)। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के अंतर्गत असुरक्षित जनजातीय समूह पीवीटीजीद्ध परिवार के योग्य सदस्यों के लिए अड़की प्रखंड के तेलंगाडीहए बिरहोर टोली में मंगलवार को विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने उपस्थित होकर मतदाताओं को जागरूक किया। साथ ही पीवीटीजी परिवारों को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपायुक्त ने बिरहोर परिवारों के बीच साड़ी, धोती और कंबलों का वितरण किया।

महासिद्धि शक्ति पीठ में अध्यात्म दर्शन और सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन

मेला में झारखंड की संस्कृति की झलक मिलती है: आदित्य साहू

मेला संस्कृति सामाजिक समरस्ता को बढ़ावा देता है: रामटहल

सांस्कृतिक बिरासत को बरकरार रखने की जरूरतः रामकुमार पहान

आजाद सिपाही संवाददता

अनगड़ा। रामरेखा दर्शन और पुरी दर्शन के उपलक्ष्य में महासिद्धि शक्ति पीठ खक्सीगढ़ा बाहेया अनगड़ा में आयोजित तीन दिवसीय अध्यात्म दर्शन सह सांस्कृतिक उत्सव का मंगलवार को समापन हुआ। मेला में आसपास के दर्जनों गांवों की खोड़हा नृत्य समूह की महिलाएं पारंपरिक वेश-भुषा में नाचते गाते पहुंची। वहीं सैकड़ो की संख्या में लोगों ने मेले की मस्ती के साथ शक्तिपीठ में आस्था के साथ पूजा-अर्चना की तथा दर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आदित्य साहू थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद रामटहल चैधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पहान, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र महतो, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चैधरी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री अमरनाथ चैधरी, भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुण्डा, आजसू के वरिष्ठ नेता विरेन्द्र सिंह भोगता, भाजपा के मानकी राजेन्द्र शाही, बनमाली महतो, जगेश्वर महतो, राजू प्रमाणिक, सिकंदर अंसारी, राजेन्द्र महतो, रामसाय मुण्डा, मुखिया शांति देवी, पंसस कुंती देवी आदि उपस्थित हुए। मौके पर सांसद आदित्य साहू ने कहा कि मेला में झारखंड की संस्कृति की झलक मिलती है। यह हमारी बिरसात की पहचान है और इसे बचाए रखने की जरूरत है। इस मेला का खास यह है कि लोग मेले के उमंग के साथ साथ अध्यात्मिक दर्शन से भी ओतप्रोत हो जाते हैं। इस अवसर पर सांसद नें शक्तिपीठ परिसर में सांसद विकास निधि से एक शेड बनवाने की घोषणा की। रामटहल चैधरी ने कहा कि मेला संस्कृति हमें आपस में मिलजुलकर रहने तथा खुशियां मनाने का संदेश देता है। यह हमें सामाजिक समरस्ता बनाए रखने की भी सीख देता है। रामकुमार पहान नें कहा कि मेला में आकर लोग अपनी परंपरा और संस्कृति से बखुबी अवगत होते हैं। उन्होंनें लोगों को वैसे तत्वों से सावधान रहने को कहा जो उनकी सदियो पुरानी परंपरा और संस्कृति पर हमला कर उन्हें दिग्भ्रमित कर रहे हैं। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में 1008 दुर्गा सतचंडी महायज्ञ दुर्गा पाठ का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मण महतो बाबा ने तथा संचालन सुनील महतो ने किया।

महत्वपूर्ण खबरें

बेड़ो में हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को बीडीओ सह सीओ प्रताप मिंज की अध्यक्षता में हमारा संकल्प विकसित भारत के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बीडीओ ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन आगामी छह दिसंबर से 14 दिसंबर तक प्रखंड के विभिन्न पंचायतों व गांवों में होगा। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांव में बसती है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब गांवों को विकास की मूल धारा से जोड़ा जायेगा। उन्होंने सरकार की इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन प्रखंड के विभिन्न पंचायत और गांव में सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संजय तिर्की, प्रधान लिपिक फारूक नदीम, विभिन्न विभाग के प्रतिनिधि व विभिन्न पंचायतों के पंचायत सचिव आदि मौजूद थे।

कार्तिक पूर्णिमा जतरा व सांस्कृतिक कार्यक्रम

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सहेदा गांव में कार्तिक पूर्णिमा जतरा सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो व विशिष्ट अतिथि जिला परिषद हिंदिया टोप्पो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद यंग स्टार ग्रुप गुमला के कलाकारों ने अपने गीत-संगीत व नृत्य की प्रस्तुति से ग्रामीणों को झूमने पर मजबुर कर दिया। जतरा में दर्जनों गांव के खोड़हा दल शामिल हुए। मौके पर मुख्य अतिथि सन्नी टोप्पो ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा जतरा झारखंडी संस्कृति की पहचान है। जतरा में झारखंड की सभ्यता व संस्कृति झलकती है। ऐसे आयोजनो से आपसी भाईचारगी बढ़ती है। साथ ही ग्रामीणों को मनोरंजन करने का अवसर भी मिलता है। मौके पर सन्नी टोप्पो ने जतरा में उपस्थित सभी खोड़हों में जाकर नृत्य मंडली का हौसला बढ़ाते हुए खुद भी उनके साथ मांदर बजाया और नृत्य किया। वहीं विशिष्ट अतिथि हिंदिया टोप्पो ने कहा जतरा आदिवासी समाज की संस्कृति में शामिल है।

जतरा मेला हमारी पूर्वजों की धरोहर है : डॉ दिवाकर मिंज

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग चंपाडिह के रामरेखा टोंगरी में बड़ाइक गोविंद सिंह की जयंती सह कार्तिक पूर्णिमा को लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति मेला का आयोजन किया गया। मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ दिवाकर मिंज वरिष्ठ नेता शिक्षाविद् सह पुर्व कुलानाशक रांची विश्वविद्यालय के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। दिवाकर मिंज ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। हर कोई पढ़ लिखकर नौकरी न मिले उससे अधिक संस्कार होना जरूर हैं। कहा कि मेला जतरा हमारे पुरखों की विरासत इससे बचा कर रखना है हमारी संस्कृति है। जिसे हमें आने वाले युवा पीढ़ी को अब आगे बढ़ाना है। इसके पुर्व कार्तिक पूर्णिमा पर विशेष पुजा अनुष्ठान सुरेश देवघरिया ने किया, 27 नवंबर से 24 घंटा का अखंड हरि कीर्तन का समापन हवन के साथ किया गया। जिसमें जरीयागढ़, पोकटा और लारता के कीर्तन मंडली शामिल हुए। मेला को सफल बनाने में देवेन्द्र सिंह, बीरेंदर, जगदीश, ग्राम प्रधान रेजन मुंडा, लिटी, गंगा महतो, निर्मल, रोडेया, कंचन, पुजारी सुरेश देवघरीया, भरत दास का योगदान रहा।

लापुंग में सरकार आपके द्वार, विधायक हुईं शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के देवगांव पंचायत भवन के समीप आपके सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे स्थानीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, पंचायती राज पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार चौबे ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ववलित कर किया। इस कार्यक्रम मे स्थानीय विधायक ने लोगो को जन कल्याणकारी योजनाओ के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी दिया और लोगो को योजनाओं से जुड़ने की अपील किये। विधायक ने यह भी कहा प्रत्येक ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़े बिना क्षेत्र के विकास का सपना पुरा नही किया जा सकता है ग्रामीणों को आवश्यकता अनुसार योजनाओं का लाभ पहुंचना ही हमारा लक्ष्य है। इस पंचायत स्तरीय कार्यक्रम मे पंचायत के विभिन्न गांवो के ग्रामीणों ने भाग लिया। योजनाओं के लाभ के लिए आवेदन डाला। इसमे मुख्य योजना अबुआ आवास, सामाजिक सुरक्षा, पशु पालन, मनरेगा, सावित्रीबाई फूलो महिला समृद्धि योजना, पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा, सहित अन्य योजना का आवेदन आया। अंचल विभाग व बिजली विभाग से एक भी आवेदन नही आया। कार्यक्रम मे विधायक ने लाभुकों के बीच स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया।

चुनाव की तैयारी में लगें कार्यकर्ता : अमर महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

नेशनल पीपुल्स पार्टी की जनाधार में तेजी

नामकुम। नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रमोद ठाकुर को माला पहनकर पार्टी की सदस्यता दिलायी। इस दौरान प्रदेश महासचिव अमर महतो ने कहा कि युवाओं को राजनीति में आना अनिवार्य विषय बन गया है। अंचल-जिलों में हजारों कार्य बाधित है। लाख रुपये कमाने वाले भी हजार रुपए की रिश्वत की मांग करते है। जमीन विवाद में ऑनलाइन त्रुटि सुधार करने के नाम पर भी अंचल के लोग उगाही करते है। जल्द ही आठ लोकसभा चुनाव की तैयारी की घोषणा की जायेगी। इधर, पंचायत अध्यक्ष की नियुक्ति की जिम्मेवारी प्रखंड अध्यक्ष को दिया गया। सूची आने के उपरांत ही प्रदेश और जिला कमेटी निर्णय लेगी। झारखंड प्रदेश में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सिर्फ नाम मात्र के है। विरोध ना के बराबर होती है। ग्रामीण -शहरी दोनों जनता त्रस्त है। छोटे-मोटे कार्यों को डिजिटल के नाम पर फंसा कर छोड़ दिया जाता है। राजस्व कार्य भी रांची जिले के तमाड़, बुंडू, राहे, सोनाहातु क्षेत्र में डिजिटल के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रहा है। खतियान पर तेजी से फाड़े जा रहे है। इस पर शासन प्रशासन मौन है। सदस्यता ग्रहण कर प्रमोद ने कहा कि ग्रामीणों तक पार्टी के नीति सिद्धांतों को हर संभव पहुंचाने का प्रयास करूंगा।

प्रोत्साहन और सहयोग से गांव की प्रतिभा को निखारने की जरूरत है: प्रो आदित्य प्रसाद साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। शिशु विद्या मंदिर कुल्ही ओरमांझी में अखिल भारतीय स्कूली खो खो खेलकूद प्रतियोगिता में रजत पदक जीत कर लौटने पर सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश के बिना में आयोजित खो खो प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त करने वाली बहनों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य जयप्रकाश महतो ने बताया कि पूरे भारत में लगभग 32000 शिशु मंदिर संचालित हैं। जिसे पूरे भारत में 10 क्षेत्र में बांटा गया है। हमारी बहनों ने प्रांत स्तरीय कोडरमा और क्षेत्र स्तरीय फारबिसगंज में आयोजित प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल जीती थी। वहीं से इनका चयन अखिल भारतीय के लिए हुआ था जहां इन्होंने पूरे भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त कर इस विद्यालय के साथ-साथ पूरे प्रखंड का नाम रौशन किया है। इस प्रतियोगिता में आने-जाने का पूरा खर्च विद्यालय के मुख्य संरक्षक और राज्यसभा सांसद प्रोफेसर आदित्य साहू जी के सौजन्य से हुआ था। इस अवसर पर मुख्य रूप से खिजरी विधानसभा के पूर्व विधायक राम कुमार, झारखंड किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आदरणीय अमरनाथ, रांची जिला उपाध्यक्ष, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बिरजू, चन्नू, कालेश्वर, विजय आनंद, सुरेंद्रनाथ, नेवालाल, भारत प्रसाद, सुखदेव, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता व विद्यालय प्रबंध समिति के सभी सदस्य गण आचार्य गण मौजूद थे ।

ईदुल अंसारी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट आरंभ

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। कोकदोरो स्थित पोटो-हो-खेल मैदान में ईदुल अंसारी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन मैच पीएमपी परहेपाट और फोरएस बड़ाम के बीच खेला गया। जिसमें परहेपाट की टीम टाइब्रेकर में 4-3 से जीत दर्ज किया। जबकि दूसरा मैच रनीया टाइगर और एएफसी पंडरा के बीच खेला गया। टाइब्रेकर में पंडरा की टीम ने रनीया टाइगर को 5-4 से हराया। इसके पूर्व टूर्नामेंट का उद्घाटन कांके के पूर्व जिला परिषद सदस्य मजीद, अइनुल हक व आयोजन समिति के संरक्षक ईदुल अंसारी, क्लब के अध्यक्ष हाजी नेयाज अहमद, रेयाजुल अंसारी, अनीश अख्तर ने संयुक्त रुप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अध्यक्ष हाजी नेयाज अहमद व खेल प्रभारी बसारत अंसारी, शाहीद परवेज, सुनील टोप्पो, जफर आलम, दिनेश करमाली, फरीद खान ने बताया कि टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 3 दिसंबर को खेला जायेगा। टूर्नामेंट के फाइनल विजेता को 2 लाख रुपए नकद व ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 1.5 लाख रुपए नकद व ट्रॉफी वहीं तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 21-21 हजार रुपए नकद राशि देकर सम्मानित किया जायेगा।

कार ने तीन लोगों को मारी टक्कर एक की स्थिति गंभीर

चान्हो (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग 39 में रांची की ओर से आ रही मारुति सिलेरियो कर ने तीन लोगों को अपने चपेट में ले लिया सर्वप्रथम बीजू पाड़ा कटिया के समीप माया उरांव नामक व्यक्ति सुकुरहुट्टू निवासी को को गंभीर चोट आई गाड़ी तेज तेज रफ्तार भगाने के चक्कर में ग्राम आपा में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को कर ने फिर जोरदार टक्कर मारी जिसमें सुनील लुपगा और सूरज खाल को ओपा निवासी को चोट आई आनंन फानन में सभी घायलों को उठाकर स्थानीय सामुदायिक केंद्र चान्हो लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने चिकित्सा सेवा के लिए रिम्स रेफर कर दिया लगातार 108 पर एंबुलेंस को फोन करने के बावजूद आधे घंटे तक एंबुलेंस मुहैया नहीं हुआ।

वाइबीएन विवि में एक दिवसीय कार्यशाला

नामकुम (आजाद सिपाही)। वाईबीएन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंस के तहत विज्ञान विद्यालय, खाद्य और पोषण विज्ञान विभाग ने आईक्यूएसी के सहयोग से मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसकी शुरूआत डॉ कमलकांत पात्रा, सहायक रजिस्ट्रार और एचओओ वनस्पति विज्ञान विभाग के स्वागत भाषण से हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन और पुष्प गुच्छ देकर अतिथियों को सम्मानित किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता डॉ आभा कुमारी सहायक प्रोफेसर एचओडी खाद्य एवं पोषण विभाग और वाईबीएन विश्वविद्यालय रांची थे। कार्यशाला का टॉपिक स्वस्थ जीवन के लिये अधिक पानी पीना था। कहा कि वसा को छोड़कर मात्रा के हिसाब से मानव शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी है। यह चयापचयी प्रक्रियाओं का एक महत्वपूर्ण घटक है और कई शारीरिक विलेयों के लिये यह एक विलायक के रूप में कार्य करता है। पुरुषों के लिये एक दिन में लगभग 15.5 कप (3.7 लीटर) तरल पदार्थ का सेवन और महिलाओं के लिये एक दिन में लगभग 11.5 कप (2.7 लीटर) पानी पीना चाहिये। धन्यवाद ज्ञापन डॉ आशा मिश्रा ने किया।

उत्तराखंड टनल में फंसे मजदूरों के बाहर आने की बात सुन कर परिजनों के चेहरे पर आयी मुस्कान

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के खिराबेड़ा गांव के तीन मजदूर उत्तराखंड टनल में फंसे हुए हैं। मजदूरों को जल्द ही शकुशल टनल से बाहर निकाले जाने की खबर से परिजनों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। ग्रामीण भी खुशी का इजहार करते हुए मिठाईयां बांटी। सबसे पहले राजेंद्र बेदिया के घर गए तो देखा उनका विकलांग पिता श्रवण बेदिया मां फुलकुवारी देवी बढापिता गुला बेदिया टकटकी लगाए बैठे थे बेटे के निकाले जाने की समाचार सुनने के लिए इसी बीच खिरावेडा विधालय के प्रभारी शिक्षक मो उमर शिक्षक आशाराम बेदिया, बेदिया पारस, लडु लेकर उनके पास पहुंचे और सभी को लडु खिलाकर बोले जल्द ही आपके बच्चे टनल से बाहर आ जायेंगे।

30 किसानों के बीच धुंआरहित चूल्हे का वितरण

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। कुच्चू पंचायत के बदरी गांव स्थित विवेकानंद सेवा संघ सामुदायिक भवन में आईसीआईसीआई फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर बदरी, अंबाटुंगरी, खभावन, बुटगोड़ा व भुकभुकिया आदि गांवों के तीस किसानों के बीच धुंआ रहित चूल्हे का वितरण किया गया। वितरण ग्राम प्रधान बालेशवर बेदिया व आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सर्वेक्षक शुभम ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर सर्वेक्षक शुभम वर्मा ने धुआं रहित चूल्हे की उपयोग से होने वाले फायदे के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस में लकड़ी और कोयले की कम खपत कर खाना बनाया जा सकता है। साथ ही इस के उपयोग से आंखों की बीमारी से भी सुरक्षित रह सकते हैं। चूल्हा पाकर किसान काफी खुश दिखे ।

कनीय अभियंता समेत तीन निलंबित

चान्हो (आजाद सिपाही)। चान्हो प्रखंड में कार्यरत कनीय अभियंता अजय कुमार, ग्राम रोजगार सेवक प्रवीण शंकर शर्मा और दशरथ सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। लोकपाल द्वारा विगत 30/05/2023 और 07/06/2023 को सिलागाई पंचायत के विभिन्न मनरेगा योजनाओं की जांच की गयी थी, जिसमें 16 कर्मियों सहित मुखिया को अभियुक्त बनाया गया था। इसके विरोध में मनरेगा कर्मचारी प्रखण्ड इकाई चान्हो ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को एक आवेदन देकर कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि जब लोकपाल द्वारा जांच में 16 कर्मियों सहित मुखिया को अभियुक्त बनाया गया और मनमानी ढंग से कुल राशि 486837/- (चार लाख छियासी हजार आठ सौ सेंतीस रुपए) रुपए की वसूली भी की गयी तो केवल तीन कर्मियों की संविदा क्यों रद्द की गयी ये घोर अन्याय है। साथ ही उन्होंने कहा कि मनमानी कार्रवाई से बाकी कर्मियों में कार्य के प्रति निराशा का भाव उत्पन्न हो गया है। जिससे आहत होकर सभी ने निर्णय लिया है कि सेवा पुनः बहाली तक कार्य का बहिष्कार किया जायेगा और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

जनता दरबार में छात्रों को किशोरी समृद्धि योजना पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि।

पिस्कानगड़ी। मंगलवार को बलालौंग पंचायत भवन में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन खिजरी विधायक राजेश कच्छप, बीडीओ दीपाली भगत, सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव, जिप सदस्य पूनम देवी जी, जिला पदाधिकारी रवि शंकर, बाल विकास पदाधिकारी रीना कुमारी, कल्याण पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक जी के हाथों से साड़ी धोती, कंबल वितरण और फूलोझानो, सावित्रीबाई का लाभ छात्र-छात्राओं को चेक देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी विभाग के पदाधिकारियों को कहा कि इसे महत्वपूर्ण रूप से आप सभी लोग ध्यान दें। और आम लोगों की समस्याओं का समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई करें. अंचल भू राजस्व विभाग के पदाधिकारी को उन्होंने कहा कि जो त्रुटि ऑनलाइन में हुआ है जिसका खाता प्लॉट नंबर सब 00 है उसे यथाशीघ्र ऑनलाइन किया जाए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बलालौंग पंचायत के मुखिया शंकर मिंज, ग्राम प्रधान प्रभु मुंडा, पंसस सोमनाथ उरांव, उप मुखिया तारा देवी, विधायक प्रतिनिधि सह नगड़ी प्रखंड प्रभारी माधो कच्छप, शाहिद अहमद, प्रखंड अध्यक्ष सहावीर लोहरा, मंडल अध्यक्ष अख्तर अंसारी, प्रबल कुजूर, परमेश्वर सिंह, मनोज तिर्की, बजरंग महतो, धरमू नायक, सुजीत मुंडा, सुकरा उरांव, रोशन कुजूर, महादेव टोप्पो, दीपक टोप्पो मुक्ति तिर्की, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष, विनोद तिर्की, संजय सरैया, राखी देवी, धुचु तिर्की, अशोक ठाकुर, सोमारी देवी, सहित लोग शामिल हुए।

जतरा और फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत ग्राम कोचबोंग में मंगलवार को देवथान जतरा सह फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन लालखटंगा मुखिया पुष्पा तिर्की ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। जतरा में मुख्य अतिथि के रूप में खिजरी विधायक राजेश कच्छप उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हमें अपने संस्कृति भाषा को बचाये रखने की जरूरत है। प्राकृतिक को बचाने में आदिवासी भाई-बहन का अहम योगदान प्राचीन काल से चला आ रहा है। कहा कि झारखंड के आदिवासी संस्कृति ने हम सबको प्राकृतिक से जोड़कर रखा है। हम सबको मिलकर झारखंड की संस्कृति विकास को बढ़ाने के साथ-साथ दुनिया में एक परिचय करना है। इस दौरान आदिवासी महिलाओं ने टोली बनाकर मांदर के थाप पर नृत्य किया। इधर, फुटबॉल टूर्नामेंट में टोनको की टीम विजेता बनी। मौके पर जिला परिषद सदस्य रामअवतार केरकेट्टा, मुखिया पुष्पा तिर्की, भाजपा नेता सह पूर्व मुखिया रितेश उरांव, 52 पड़हा अध्यक्ष प्रदीप तिर्की, पंसस सुमित्रा देवी, संरक्षक करमु मुंडा, सोहन गोसाई, मोहन होरो, बिकास कच्छप, प्रशांत होरो, बिनोद सुकरा, मनोज के साथ ग्रामीण उपस्थित थे।

जतरा हमारी सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान: शिल्पी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नेहालू पंचायत में मंगलवार को अगहन जतरा महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जतरा महोत्सव आदिवासी समाज की एक पहचान है। यह हमारे पूर्वजों की देन है। उन्होंने युवा पीढ़ी से इसे अक्षुण्ण बनाए रखने का आह्वान किया। साथ ही शिक्षित होने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जतरा में विभिन्न गाँवों के खोड़हा मंडली एक साथ पहुँचकर इसके माध्यम से आदिवासी समाज की अपनी एकता और ताकत का प्रदर्शन करते हैं। आदिवासी समाज का रीति रिवाज एवं परम्परा दूसरे समाज से भिन्न और बहुत सुंदर है। वहीं महोत्सव के दौरान विधायक ने खोड़हा के नृत्य मंडली के साथ पारम्परिक नृत्य किया। वहीं मौके पर आशा रानी पन्ना, वीरेंद्र उरांव व जतरा महोत्सव के आयोजनकर्ता आदि मौजूद थे।

नीलांबर पीतांबर विवि में आजसू ने की तालाबंदी

पदाधिकारी अपने मनमाने तरीके से चला रहे विश्वविद्यालय: अभिषेक राज

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रभारी अभिषेक राज के नेतृत्व मे विश्वविद्याल मे तालाबंदी कर कई घंटो तक बैठे रहे। मौके पर छात्रों द्वारा मांग किया गया कि स्थायी कुलपति और प्रतिकुलपति की नियुक्ति जल्द हो। जेएस कॉलेज के कुछ शिक्षको पर कार्यवाही के लिए जांच रिपोर्ट मिलने के बाद भी कार्यवाही क्यों नहीं। कुलपति एनपीयू के साथ सौतेला व्यवहार बंद करे। हफ्ते मे दो दिन उपस्थित होना होगा। कुलपति के विश्वविद्यालय मे ना होने के कारण पदाधिकारी अपने मनमाने तरीके से विश्वविद्यालय मे आते है। सभी सत्रों को नियमित करो।सभी सत्रों के परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करो। तीन महीने से अधिक समय परीक्षा लिए हो चुका मगर परीक्षा परिणाम क्यों नहीं?। बिना यूजी 2020-23 के फाइनल रिजल्ट के पीजी 2023-25 का नामांकन किसके लिए?। छात्र संघ का चुनाव कब तक?। छात्र संवाद स्थापित करो। छात्रों ने विवि के कुलानुशासक के आश्वासन के बाद वार्ता कर आंदोलन को समाप्त किया। अभिषेक राज ने कहा कि विश्वविधालय भगवान भसोरे ही चल रहा है यहां कहने सुनने वाला कोई नहीं है। कुलपति और प्रतिकुलपति की नियुक्ती नहीं होने के कारण विश्वविधालय के पदाधिकारी मनमाने ढंग से विश्वविधालय चला रहे है। राहुल कुमार मिश्रा ने कहा कि सभी सत्रों का परीक्षा परिणाम अधर पर लटका हुआ है। पदाधिकारी क्या काम करते है मालुम ही नहीं चलता है। विश्वविधालय की स्तिथि बहुत ही दयनीय होती जा रही है। बिपिन शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्याल के प्रभारी कुलपति विश्वविधालय के साथ पर सौतेला व्यवहार कर रहे है। कब आते है और कब जाते है इसका अनुमान कोइ नहीं लगा सकता। मौके पर समीर, सौरव, अमित, गौरव सहित दर्जनों छात्र उपस्थित थे।

अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाना प्रशासन का लक्ष्य: उपायुक्त

पलामू जिले के विभिन्न पंचायत में लगाए गये शिविर में 14149 आवेदन प्राप्त हुए

'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत उपायुक्त पहुंचे पांकी के आसेहार पंचायत

मेदिनीनगर। 'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत प्रशासनिक पदाधिकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचना स्थानीय प्रशासन का लक्ष्य है। कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहने पाये, इसका हर संभव प्रयास किया जा रहा है। डीडीसी रवि आनंद ने कहा कि 'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं यथा सर्वजन पेंशन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, सोना-सोबरन, सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जरूरतमंद व्यक्ति को आच्छादित करने का कार्य हो रहा है। उन्होंने आमजनों से भी अपील किया कि वह आगे आकर सरकार की योजनाओं का लाभ ले और सबल बनें। डीसी, डीडीसी सहित अन्य पदाधिकारी ने शिविर में लगाये गये विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया।

डीसी ने कहा कि सभी समन्वय के साथ कार्यो को बेहतर तरीके से निष्पादित करें। कोई भी लाभुक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहने पाए। डीसी ने ठंड को देखते हुए कम्बल, धोती-साड़ी लूंगी, स्कूली बच्चों को पोषाक आदि परिसंपत्तियों का वितरण किया।

मौके पर पांकी के बीडीओ राजकुंवर सिंह ने स्थानीय ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का अधिक-से-अधिक लाभ लेने की अपील की। पलामू जिले के विभिन्न पंचायत में लगाए गए शिविर में 14149 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 372 आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। पांकी में आयोजित शिविर में 825 आवेदन प्राप्त हुए हैं, इसमें कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। 24 बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म दिया गया। 10 बच्चों के बीच निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया तथा 22 आवेदन गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए गए। आयोजित कार्यक्रम में मुखिया देवसागर राम, उप मुखिया अमित शर्मा, पंचायत समिति सदस्य बालेश्वर राम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रखंड और जिला स्तरीय पदाधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित थे।

विवि अधिकारी विहीन होने की वजह से छात्रों का भविष्य अधर में: विनीत

एनपीयू से छात्रों को समय पर नहीं मिल रही डिग्री और माइग्रेशन का प्रमाण पत्र

विवि प्रशासन के विरुद्ध विद्यार्थी परिषद जल्द ही बड़े आंदोलन की तैयारी करेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। विद्यार्थी परिषद के द्वारा विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अराजकता के संम्बंध में बैठक किया गया। बैठक में परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की स्थिति अत्यंत ही दयनीय है। विश्वविद्यालय अधिकारी विहीन होने की वजह से छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। विश्वविद्यालय में अधिकारियों की उपस्थिति नग्णय हैं,अधिकारियों की उपस्थिति नहीं होने की वजह से छात्र डिग्री और माइग्रेशन के लिए रोज विश्वविद्यालय दौड़ते हैं, परंतु विश्वविद्यालय के अधिकारी और पदाधिकारी को छात्रों के भविष्य से कोई मतलब नहीं है। अधिकारी विहिन विश्वविद्यालय में कई शैक्षणिक अराजकता है परंतु छात्रों की बातों को सुनने वाला इस विश्वविद्यालय में कोई भी नहीं है। परिषद के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे ने कहा कि परीक्षा विभाग में शैक्षणिक अराजकता एवं पैसे का दोहन लगातार व्याप्त हैं। एनसीसीएफ नामक कंपनी लगातार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसी कंपनियों पर लगाम लगाने में असमर्थ हैं। वर्तमान विवि के अधिकारी और पदाधिकारी छात्रों को समय पर डिग्री और माइग्रेशन देने में भी असमर्थ हैं। विश्वविद्यालय की स्थिति दयनीय होने की वजह से छात्रों में विश्वविद्यालय के प्रति रोष की भावना है। विद्यार्थी परिषद ऐसी स्थिति में बड़े आंदोलन की तैयारी करेगी जिसकी जिम्मेवारी सिर्फ विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। प्रदेश सह मंत्री निशांत चतुवेर्दी ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिकारी विहीन होने की वजह से छात्रों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने में समर्थ हैं, न समय पर प्रवेश है न परीक्षा है न परिणाम हैं,छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ हैं। विश्वविद्यालय संयोजक मंजुल शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालय में शिक्षकों की घोर कमी हैं। विश्वविद्यालय अधिकारी विहीन है छात्रों के भविष्य के बारे में सोचने वाला कोई भी नहीं है ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय प्रशासन के विरुद्ध विद्यार्थी परिषद जल्द ही बड़े आंदोलन की तैयारी करेगी। उक्त अवसर पर परिषद के सोशल मीडिया प्रमुख रोहित देव दुबे, प्रदेश खेलकूद का प्रमुख अभय वर्मा, प्रदेश लॉज प्रमुख रामाशंकर पासवान, विभाग संयोजक गोविंद मेहता, जिला संयोजक सुमित पाठक,जिला सोशल मीडिया प्रमुख राजन कश्यप, गितांजली कुमारी, रोहित गूप्ता, नितीश दूबें, राहूल कूमार चेरो आदि कार्यकर्ता उपस्थित थें।

इंजीनियरिंग के विद्यार्थी को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ

आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पूर्ण की गई आवश्यक प्रक्रिया

उच्च शिक्षा में होगी सुविधा, आर्थिक कमी से नहीं छूटेगी पढ़ाई

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण दिया जा रहा है

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। 'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत आज सदर प्रखंड अंतर्गत रजवाड़ीह पंचायत भवन में आयोजित शिविर के दौरान रजवाड़ीह गांव निवासी रामाशीष प्रसाद के पुत्र शुभम कुमार को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत अब जल्द ऋण मिलेगी। शुभम द्वारा शिविर में स्टूडेंट इनफॉरमेशन रिक्वेस्ट फॉर्म भरकर जमा किए जाने के बाद कैंप में ही ऑन-स्पॉट सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण कर लिया गया है। बैंक से जोड़कर उन्हें उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर ऋण उपलब्ध हो सकेगा।

छात्र शुभम कुमार ने बताया कि आर्थिक कमियों के कारण उन्हें इंजीनियरिंग की पढ़ाई में समस्या हो रही थी। कर्ज लेने के नौबत थे, लेकिन गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ मिलने से उन्हें पढ़ाई में आर्थिक मदद मिलेगी, जिससे वह पढ़ाई में बेहतर करेंगे। उन्होंने सरकार एवं स्थानीय जिला प्रशासन को धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार द्वारा गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ मिलने से झारखंड राज्य के विद्यार्थियों को पढ़ाई में काफी मदद मिल रही है। छात्र-छात्राएं जो आर्थिक कमियों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, उन्हें भी आर्थिक सहायता मिल रही है।

विदित हो कि 'आपकी योजना- आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत पलामू जिले के विभिन्न प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में निर्धारित तिथि के अनुरूप शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में विभिन्न योजनाओं का लाभ जरूरतमंद व्यक्तियों को दिया जा रहा है। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण दिया जा रहा है। इसमें 4 लाख तक ऋण पर कोई मार्जिन मनी भी नहीं लगता है। ऋण के लिए प्रोसेसिंग फी भी छात्र-छात्राओं को नहीं देने होते हैं। साथ ही इस योजना के तहत कोई अन्य सिक्योरिटी भी नहीं ली जाती है। इसके लिए छात्र-छात्राओं की पात्रता झारखंड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त संस्थान से दसवीं तथा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक किया गया है।

हुसैनाबाद नगर पंचायत में लगाया गया शिविर

हुसैनाबाद (आजद सिपाही)। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड भवन 16 के प्राथमिक विद्यालय मोहम्दाबाद के प्रशाल में मंगलवार को वार्ड संख्या: 15 और 16 के लोगों के लिये आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड समेत अन्य योजनाओं से संबंधित अलग-अलग स्टॉल लगाकर लोगों से आवेदन प्राप्त किये गये। कई आवेदकों का ऑन स्पॉट योजनाएं स्वीकृत की गयी। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी विपुल सन्नी ने बताया कि ठंड के मद्देनजर जरूरतमंदों और बुजुर्गों के बीच कंबल व धोती-साड़ी का वितरण भी किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न स्टॉल पर 249 से अधिक आवेदन प्राप्त किये गए। मौके पर नजीबुल्लाह अंसारी, नगर प्रबंधक हिमानी बाड़ा, राकेश सिंह, रविकांत पटेल, संजीत कुमार समेत कई अन्य कर्मी और स्थानीय प्रतिनिधि समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बघमनवा पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

विश्रामपुर / पलामू (आजद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड अंतर्गत बघमनवा पंचायत मुख्यालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन बीडीओ विक्रम आनंद, प्रमुख रंभा कुमारी, मुखिया मंजू देवी व समाज सेवी मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बीडीओ विक्रम आनंद ने लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। कहा कि सरकार का हर योजना जनता की भलाई के लिए होता है। प्रमुख रंभा कुमारी ने कहा कि हर योजनाओं की जानकारी रखें और उसका लाभ लें। शिविर में कई तरह के समस्याओं का आवेदन प्राप्त हुआ। कई समस्याओं का निष्पादन तो ऑन द स्पॉट किया गया। इसके अलावा बघमनवा के विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में 125 जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इसके अलावा अबुआ आवास 35, बिरसा हरी सिंचाई कूप योजना 23, दीदी बाड़ी योजना 10, जॉब कार्ड 35, आयुषमान कार्ड सहित श्रम विभाग के द्वारा 5 प्रवासी मजदूर का निबंधन किया गया, साथ ही हरित बिरसा सिंचाई कूप सर्टिफिकेट का वितरण हुआ। मौके पर बिपीआरओ, मुकेश कुमार, सीआई विकाश पांडेय, प्रखंड कल्याण विभाग पदाधिकारी इसफाक अहमद, लेखापाल अंकित कुमार, अनिकेत सिंह, अनिकेत दुबे अमित रंजन अरुण सिंह रवि कुमार संजय कुमार रवि, कई प्रखंडकर्मी, अंचलकर्मी, स्वास्थ्य कर्मी सहित पंचायत प्रतिनिधि व काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। प्रखण्ड क्षेत्र के सिमरबार पंचायत अंतर्गत बिजनिवार रा.ऊ.म. विद्यालय परिसर में मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 25% मामलों का ऑन द स्पोर्ट निष्पादन किया गया। 15 स्टॉलों के माध्यम से सभी विभागों ने अलग-अलग योजनाओं की स्टॉल लगाएं गये थे। जहां सैकड़ो लाभुकों ने कतार लगा कर आवेदन पत्र जमा किए और लाभ लिया। अंचल अधिकारी यामुन रविदास के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पहल की गई। उन्होंने ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होने की अपील की।

कार्यक्रम में दो महिलाओं को गोद भराई की रस्म की गयी: छत्तरपुर एलआरडीसी विजय केर-केट्टा, सीओ यामुन रविदास और प्रखण्ड प्रमुख कमला देवी ने बाल विकास परीयोजना के द्वारा आयोजित गोद भराई रस्म के तहत दो महिलाओं को गोद भराई के साथ एक बच्चे को अन्नप्राशन कराया गया। एलआर डीसी, सीओ और प्रमुख ने गोद भराई रस्म का शुभ कामना देते हुए अधिक से अधिक पौष्टिक आहार सेवन करने की सलाह दी। सीओ यामुन रविदास ने कई विकलांगों के लिए अपने से स्टॉल पर जाकर पेंशन के लिए स्वीकृति कर सर्टिफिकेट भेंट की।

कार्यक्रम में एलआरडीसी और सीओ ने पेंशन, चेक, कुप स्वीकृति पत्र सहित कई सामान वितरण किए: कार्यक्रम में नोडल अधिकारी विनोद रवि, बीपीओ धर्मेन्द्र कुमार, नाजिर ब्रजेश कुमार, जेइ विपिन राय, अंचल अमिन राकेश कुमार, कौशल विकास प्रशिक्षक सिमरन कुमारी, अशोक कुमार, अनिल, पिरामल फाउंडेशन एंड गांधी फॉलो किशन मौर्य, प्रोग्राम लीडर शाहीन, झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष अमित कुमार सिंह सहित सैकड़ो ग्रामीण शामिल थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

सेविका चयन में भारी अनियमितता, ग्रामीणों में रोष, डीसी को लिखा पत्र

आबादी के बहुलता की जगह अन्य जाती का हुआ चयन

मामला हुसैनाबाद प्रखंड के कठौंधा गांव में सेविका चयन का

चयन के लिए कुल पांच लोगों ने दिया था आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद प्रखंड के दरुआ बेनी पंचायत के कठौंधा कला गांव के सैकड़ों अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री झारखंड सरकार और पलामू उपायुक्त समेत अन्य वरीय अधिकारियों को पत्र भेजकर आंगनबाड़ी सेविका चयन में भारी अनियमितता का आरोप लगाया है। वरीय पदाधिकारी को भेजे गए पत्र में कहा है कि इस गांव में पिछड़ी अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी लगभग सत्तर फीसदी है, इस आधार पर अल्पसंख्यक समुदाय की महिला का चयन होना चाहिए था। चयन के लिए बीते 25 नवंबर को ही गांव में स्थित राजकीय उत्क्रमित्त मध्य विद्यालय आम सभा हुई थी। आम सभा को लेकर गांव में कोई प्रचार प्रसार नहीं हुआ था। कठौंधा गांव को दो पोषक क्षेत्र में बाटा गया है। आंगनबाड़ी केंद्र पोषक एक में आता है। इस चयन के लिए कुल पांच लोगों ने आवेदन दिया था लेकिन चयन समिति के अध्यक्ष अंचल पदाधिकारी ने सभी का कागजात देखने के बाद कहा कि सेविका का पद सामान्य जाति का है इसलिये सिंकु सिंह पति मनीष कुमार सिंह का सेविका के पद पर चयन कर दिया गया। जबकि चयनित सेविका सिंकू सिंह के पति सरकारी नौकरी में हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि मुस्लिम बहुल क्षेत्र होने के बाद भी सामान्य जाति की महिला का चयन गलत हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने गलत ढंग से चयनित सेविका को निरस्त करते हुए पुनः आमसभा बुलाकर निष्पक्ष तरीके से सेविका चयन करने की मांग की है।

तीन अपराधी गिरफ्तार, देसी कट्टा और गोली बरामद

बिना नंबर प्लेट के मोटरसाइकिल से हथियार लेकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। गुप्त सूचना पर ईस्ट बसुरिया ओपी पुलिस ने बिना नंबर प्लेट के काली पल्सर मोटरसाइकिल के साथ तीन लोगों को एक देशी कट्टा, एक जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया है। इस बाबत मंगलवार को बाघमारा एसडीपीओ निशा मुर्मू ने पत्रकार वार्ता का आयोजन कर बताया कि सोमवार को ईस्ट बसूरिया ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की ईस्ट बंसुरिया 1 नंबर कॉलोनी में गोधर के कुछ लोग बिना नंबर के मोटरसाइकिल से हथियार लेकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं, जिसके बाद थाना प्रभारी ने दल बल के साथ 1 नंबर कॉलोनी में धावा बोलकर तीन लोगों को एक जिंदा गोली, एक देशी कट्टा और एक बिना नंबर के ब्लैक कलर की पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार किया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोधर निवासी सुकरा चौहान, आकाश कुमार नोनिया और सुनील चौहान ईस्ट बसूरिया 1 नंबर निवासी के रूप में हुई है। पूछताछ में तीनों ने बताया कि ये सभी छोटे स्तर के कोयला चोर हैं और अब बड़ा हाथ मारने के फिराक में थे।

गौ सेवा के नाम पर अराजकता फैलाने की अनुमति नहीं दी जायेगी : राजीव

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष ने गौशाला का निरीक्षण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन धनबाद के दो दिवसीय प्रवास पर हैं। मंगकवार को उन्होंने बस्ताकोला स्थित झरिया-धनबाद गौशाला पहुंच आयोग की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने, समस्याओं और मिलने वाली सरकारी अनुदान की जानकारी ली। वहीं धनबाद सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गौशालाओं और गौ वंश संरक्षण के लिए किये जाने वाले कार्यों की जानकारी पत्रकारों दी। आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि अब गौ सेवा के नाम पर अब किसी को अराजकता फैलाने की अनुमति नहीं दी जायेगी। इस राज्य में गौ सेवा आयोग की पहचान सिर्फ और सिर्फ एक अनुदान देने वाली संस्था के रूप में बन कर रह गयी थी। पर जिस दिन से हमलोगों ने पदभार ग्रहण किया उस दिन से हमारी प्राथमिकता है कि राज्य भर में चल रहे 23 पंजियकृत गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना। पहले से सभी गौशाला जनभागीदारी से ही चलते आ रहे हैं। इसी लिए आम जनभागीदारी और ज्यादा बढ़ सके इसके लिए हमारी गौ माता हमारा दायित्व के नाम से एक महत्वपूर्ण योजना आयोग के नेतृत्व में राज्य में लाया जा रहा है। इस योजना से सीधे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की योजना है। सब कुछ सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं चल सकता। हमने फैसला लिया है कि अब गौशालाओं में भी टिका औषधि को अनुदान के रूप में आयोग द्वारा उपलब्ध कराने के लिए सरकार को प्रस्ताव बना कर भेजेंगे। हम एक वेबसाइट बना कर राज्य के सभी गौशालाओं का एक डेटाबेस तैयार करेंगे ताकि विश्व के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति जो कि गौ सेवक बनना चाहता है वे सीधे जुड़ कर गौ सेवा कर सके। इसके प्रचार प्रसार के लिए जन जागरण और छोटी छोटी बैठकें आयोजित कर लोगों को जोड़ने की तैयारी है। इसके अलावे सरकार के साथ आयोग और सभी गौशालाओं के संचालक की बैठक भी रांची में आयोजित होनी है ताकि आगामी योजनाओं का चयन कर उसे जमीनी स्तर पर उतारा जा सके। अध्यक्ष ने कहा कि विडंबना यह है कि राज्य के आठ जिलों में अब भी कोई गौशाला निर्बंधित नहीं है। इस लिए हम एक ऐसा सिंगल विंडो सिस्टम तैयार करने जा रहे हैं कि अहर्ता रखने वाले जिन गौशालाओं का निबंधन अब तक नहीं हो पाया है उनका निबंधन जल्द से जल्द सुनिश्चित हो। इसके अलावे महंगाई को देखते हुए गौशाला में गौ वंशों की देखरेख के लिए मिलने वाली राशि को बढ़ा कर अब प्रत्येक गौ वंश 150 कर दिया गया है। डबल इंजन की सरकार में किसी को गौ माता का ध्यान किसी को नहीं आया। बस्ताकोला गौशाला में आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन के साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष, प्रदेश कांग्रेस सचिव वैभव, झरिया नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नेस, गौतम, गोपाल, मुरलीधर, सारदा, महेंद्र, द्वारिका गोएनका, शिव खेमका, अनील, राजेश, अजय भारतीय, जितेंद्र उपस्थित थे।

प्रदूषण के खिलाफ रन फॉर क्लीन एयर का कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। ग्रीन लाइफ और युथ कॉन्सेप्ट के संयुक्त तत्वावधान में झरिया में व्याप्त वायु प्रदूषण को ले कर मंगलवार को राम लॉज में एक आवश्यक आम बैठक हुई। बैठक में बड़ी संख्या में शहरवासी और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 14 दिसंबर को झरिया में शहरवासी प्रदूषण के खिलाफ दौड़ लगा कर रन फॉर क्लीन एयर का कार्यक्रम आयोजित करेंगे। रन फॉर क्लीन एयर के तहत दौड़ चिल्ड्रेन पार्क से शुरू हो कर कतरास मोड़ के नेहरू पार्क में समाप्त होगा। इसके प्रचार प्रसार के लिए जगह जगह होर्डिंग पोस्टर लगाए जायेंगे। बैठक का संचालन डॉ मनोज सिंह और धन्यवाद ज्ञापन अखलाक अहमद ने किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विधायक प्रतिनिधि केडी पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि झरिया में प्रदूषण चरम पर है। इसके खिलाफ जोरदार लड़ाई की आवश्यकता है। आंदोलन को धारदार बनाने और लोगों को जागरूक करने के लिए रन फॉर क्लीन एयर मील का पत्थर साबित होगा। पांडेय ने कहा कि झरिया के प्रदूषण को लेकर जल्द ही उपयुक्त और बीसीसीएल सीएमडी के साथ त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की जायेगी। मारवाड़ी सम्मेलन झरिया के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को धार देने के लिए सभी वर्गों को साथ ले कर चलना होगा। हम सभी को मिलकर कोयला खनन कंपनी के खिलाफ ईमानदारी पुर्वक लड़ाई लड़ना है। डीएमएफटी फंड का उपयोग झरिया का पर्यावरण संरक्षण के लिए होना चाहिए। शिवबालक पासवान ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन गुंडागर्दी पर उतारू हो गया है। प्रदूषण के खिलाफ अब उग्र आंदोलन की जरूरत है। 4 दिसंबर को झरिया के प्रदूषण से संबंधित ज्ञापन दिल्ली में राष्ट्रपति को सौपेंगे। झरिया के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ नरेश प्रसाद ने कहा कि झरिया में व्याप्त वायु प्रदूषण के कारण बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ रहे हैं। धूल कण का असर अजन्मे बच्चों के मष्तिष्क को प्रभावित कर रहा है। स्वास समस्या से सम्बंधित मरीज बढ़ रहे हैं। कोल डस्ट से लोगों का रोगप्रतिरोधक क्षमता घट रहा है। बैठक में श्रीकान्त अंबष्ठ, शैलेन्द्र, वीरेन्द्र, पिनाकी, अविनाश, दिलीप, रिंकू, झूलन, अरुण, अनिल जैन, सत्यनारायण भोजगाड़िया, अनूप, मो० कादिर, बीरेंद्र सिंह, मो० शाहनवाज, पिंकू चंद्रबंशी, बीडी मनीष अखलाक खान, जीतेन्द्र दर्जनों लोग मौजूद थे।

मजदूरों के लिए कार्यालय मील का पत्थर साबित होगा : महामंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। कोयला इस्पात मजदूर पंचायत कार्यालय का उद्घाटन मंगलवार को भटमुरना में महामंत्री अर्जुन सिंह ने फीता काटकर किया। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए महामंत्री अर्जुन सिंह ने कहा कि यह कार्यालय से गोविंदपुर क्षेत्र और आसपास के मजदूरों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। कोयला इस्पात मजदूर संघ हमेशा मजदूरों के हित में संघर्ष करता रहा है। कार्यालय मजदूरों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जदयू के प्रदेश महासचिव और संगठन के अध्यक्ष दीप नारायण सिंह ने कहा कि कोयला इतिहास कोयला इस्पात मजदूर का इतिहास ही रहा है मजदूरों के हित में लड़ाई लड़ना। मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय सचिव राजीव रंजन त्रिवेदी, क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा, अवधेश सिंह, अशोक दास, गंगा प्रसाद शर्मा, सुभाष सिंह, गौतम गोप, शेखर कुमार, सुभाष सिंह, प्रिंस कुमार, कुंदन कुमार सहाय आदि उपस्थित थे।

30 नवंबर से पूर्व भाजपा नेता व जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष करेंगे अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आंदोलन

आपराधिक वारदातों के खिलाफ मिला सामाजिक व राजनीतिक पार्टियों का साथ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लगातार धनबाद में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं के खिलाफ भाजपा के पूर्व जिला कार्यकारिणी सदस्य सह जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष समाजसेवी कृष्णा अग्रवाल आगामी 30 नवंबर से गांधी सेवा सदन में अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आंदोलन पर बैठेंगे। यह जानकारी उन्होंने मंगलवार को धनबाद क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जिले के व्यवसाईयों द्वारा हड़ताल के बाद भी अपराधी घटनाएं नहीं रुकी है बल्कि फोन पर व्यवसाईयों को धमकी देना और रंगदारी मांगना और बढ़ गया है। कहा कि इस मामले में राज्य की सत्ताधारी हेमंत सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार भी आरोप के घेरे में आ रही है। इसी वजह से हमने पिछले दिनों भाजपा से अपना त्यागपत्र दे दी। उन्होंने कहा की धनबाद जिले के व्यवसायी हमेशा खतरे के घेरे में है। सुबह घर से निकलने के बाद वापस शाम को घर पहुंचेंगे या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं। धनबाद के उपायुक्त और एसएसपी संजीव कुमार ने आश्वासन दिया था की रंगदारी रुक जायेगी। उन्होंने बताया कि हेमंत सरकार के साथ-साथ अब मामले को लेकर भाजपा भी घेरे में आ रही है।प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान जिला के कई समाजसेवी व व्यवसायिक संगठन और कई राजनीतिक दल के लोगों ने भी अग्रवाल के इस आंदोलन को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस दौरान डीएन सिंह(आम आदमी पार्टी) उदय सिंह, (भारतीय जनतंत्र मोर्चा) अशोक सिंह (झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन) सुरेश अग्रवाल, (मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड) ललित झुनझुनवाला, (धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन) प्रमोद गोयल एवं लोकेश अग्रवाल (बैंक मोर चैंबर) जितेंद्र अग्रवाल (कृषि बाजार समिति चेंबर ऑफ कॉमर्स) प्रेम कुमार गंगेश्वरिया, (मोटर डीलर एसोसिएशन), धीरज दास (धनबाद जिला केमिस्ट ड्रजिस्ट एसोसिएशन) अधिवक्ता मोहम्मद आजाद अली, चूना (प्रमुख जागो सामाजिक संस्था) गौतम (मंडल समाज) रणजीत सिंह और बबलू सिंह(यादव महासभा) विनय, बंटी राय, मुन्ना पाठक उपस्थित थें।

बोकारो स्टील प्लांट को मिला 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट ने पर्यावरण उत्कृष्टता श्रेणी में प्रतिष्ठित 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार-2023 जीतकर अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली है। मंगलवार को अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सेमिनार हॉल में सीजीएम (एसएमएस-11&सीसीएस) अरविंद कुमार ने वर्ष 2023 के ग्रीनटेक फाउंडेशन पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार, अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी को सौंपा। 23-24 नवंबर, 2023 को सोनमर्ग, जम्मू और कश्मीर में निर्धारित 23वें वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण शिखर सम्मेलन-2023 के दौरान बोकारो स्टील प्लांट के प्रतिनिधि के रूप में सीजीएम (एसएमएस-11&सीसीएस) अरविंद कुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त किया था। उल्लेखनीय है कि 07 नवंबर, 2023 को जूरी सदस्यों के सामने नितेश रंजन, सहायक महा प्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा प्रस्तुति दी गयी थी और जूरी के सदस्यों द्वारा उठाये गये प्रश्नों का समाधान महा प्रबंधक (पर्यावरण) एनपी श्रीवास्तव ने किया था। जूरी पर्यावरण संरक्षण के लिए बोकारो स्टील प्लांट की गतिशील पहल और स्टील निर्माण के टिकाऊ तरीकों को अपनाने के प्रयासों से काफी प्रभावित हुई। दायर आवेदन और दी गयी प्रस्तुति के आधार पर जूरी सदस्यों ने बोकारो स्टील प्लांट को पर्यावरण उत्कृष्टता श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विजेता घोषित किया था। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने बीएसएल समूह को बधाई दी तथा सभी से सर्कुलर इकोनॉमी, पर्यावरण के सिद्धांतों को सुनिश्चित करने और उत्पादन की सभी गतिविधियों में ऊर्जा संरक्षण की अपील की।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
पत्रांक 1906 / ग्रा॰वि॰वि॰प्र॰,चतरा, दिनांक–28.11.2023

शुद्धि–पत्र

ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा द्वारा ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RDD/SD/CHATRA/17/2023-24/RE-1 में वर्णित कार्य नगर परिषद अन्तर्गत (चतरा शहर में) 1950 सोलर एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन जिसका PR. NO. 311615 Rural Development (23-24):D द्वारा प्रकाशित निविदा में निवदिा की शर्तों में संशय के स्थिति में हिन्दी शर्त मान्य होगें।

निविदा की शेष शर्ते पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा।

PR 312146 Rural Development(23-24)D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची
कमरा नं० 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com
फोन नं० – 0651–3512781

पत्रांक...../ **शुद्धि–पत्र** राँची, दिनांक ...../...../2023

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक –978 दिनांक–22.11.23 द्वारा PR No.311818 Minor Irrigation (23-24)*D दिनांक 24.11.2023 से प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया गया है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित योजना का नाम एवं तिथि	संशोधित योजना का नाम एवं तिथि
1	Name of work	Residual work of construction of Single Cheek Dam on Bundubera Nala, Block - Namkum, Dist. Ranchi	Construction of Single Cheek Dam on Bundubera Nala, Block - Namkum, Dist. Ranchi
2	Date of Publication of E-Tender on Website	28/11/2023 at 2.00 pm	04/12/2023 at 2.00 pm
3	Last date for /Time for submission of e- Tender BID's	21.12.2023 up to 5:00 pm	28.12.2023 up to 5.00 pm
4	last date for online Submission of Tender fee and EMD	e- Procurement Portal (Jharkhandtenders.gov.in 21.12.2023 up to 5:00 pm	e- Procurement Portal (Jharkhandtenders.gov.in 28.12.2023 up to 5:00 pm
5	Date of opining Tender	23.12.2023 at 2:00 Pm	30.12.2023 at 2:00 Pm

निविदा की शेष सभी शर्ते यथावत् रहेगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

PR 312107 (Minor Irrigation)23-24*D

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, कोडरमा।
Email Id- sportskoderma17@gmail.com

आम-सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक 1016 राँची, दिनांक 08.11.2023 के आलोक में **दिनांक 28.11.2023** को **बिरसा सांस्कृतिक भवन, कोडरमा में** जिला स्तरीय **Thematic Competitions/ activities** से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन निर्धारित किया गया था।

अपरिहार्य कारण से उक्त प्रतियोगिता का कार्यक्रम संशोधित कर **दिनांक 12–12–2023 के अपराह्न 01:00** से **बिरसा सांस्कृतिक भवन, कोडरमा में** निर्धारित किया जाता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं का विवरण निम्नवत् है :–

Component	Sr. No.	Activity
Culture	1	Group Folk Dance
	2	Group Folk Song
	3	Solo Folk Dance
	4	Solo Folk Song
Life Skill	5	Story Writing
	6	Poster Making
	7	Declamation
	8	Photography
Thematic	9	Thematic Competitions State Specific Theme
	10	Any Government entry on given theme
Yuva Kriti	11	Handicraft
	12	Textile
	13	Agro Products

उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक युवा **दिनांक 09.12.2023 के अपराह्न 2:00 बजे तक** निम्नांकित प्रपत्र में भरकर अपना आवेदन कोडरमा समाहरणालय अवस्थित जिला खेल कार्यालय, कोडरमा Email Id- sportskoderma17@gmail.com/नेहरू युवा केन्द्र, कोडरमा Email Id- nykkoderma@gmail.com/राष्ट्रीय सेवा योजना कोडरमा, में जमा कर सकतें है।

Sr.No.	Name	Father's Name	Aadhar No.	Mobile No.	Address	Event Name	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8

विस्तृत जानकारी हेतु जिला खेल कार्यालय, कोडरमा के मोबाईल नं0– 7992284418, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) कार्यालय, कोडरमा के मोबाईल नं0– 7985595871, नेहरू युवा केन्द्र (NYK), कोडरमा के मोबाईल नं0– 7717792905 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला खेल पदाधिकारी,
कोडरमा

PR **312090** (Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs) 23-24 (D)

कार्यालय,
वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल

निलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के अन्तर्गत अंतिम रूप से अधिहरित राज्यसात वाहनों को जहाँ एवं जिस स्थिति में है, उसी स्थिति के आधार पर बिक्री हेतु मोहरबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 13.12.2023 को 12:30 बजे अपराहन तक प्रमंडलीय कार्यालय में प्राप्त की जायेगी तथा उसी दिन 01:30 बजे अपराहन् में खोली जायेगी।

निलामी हेतु अधिहरित (Confiscated) सूचीबद्ध वाहनों के मालिक या संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि इस न्यायालय द्वारा पारित राज्यसात आदेश के विरूद्ध सुनवाई हेतु किसी न्यायालय/ अपीलीय न्यायालय में विचाराधीन हो या वाहन के निलामी से आपति हो तो सूचना प्रकाशन के दो दिनों के अन्दर अपना दावा स्वंय अथवा अधिवक्ता के माध्यम से साक्ष्य के साथ कार्यालय अवधि में प्रस्तुत करेंगे । यदि सूचना प्रकाशन के उपरान्त दो दिनों के अन्दर अधिहरित (Confiscated) वाहनों पर कोई दावा इस कार्यालय में प्राप्त नहीं होगा तो यह समझा जाएगा कि किन्हीं को अधिहरित (Confiscated) वाहन की निविदा द्वारा बिक्री करने पर कोई आपति नहीं है। निविदा द्वारा वाहन बिक्री किये जाने के पश्चात किसी भी वाहन पर प्रस्तुत दावा मान्य अथवा स्वीकार्य नहीं होगा।

निविदा फार्म एवं निविदा संबंधी नियम एवं शर्त्तो से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पट या कार्यालय से कार्यालय अवधि में प्राप्त कर सकते हैं ।

वाहनों की सूची

क्र0 सं0	वाहन का प्रकार एवं निबंधन संख्या/ ईंजन संख्या	वन वाद सं0	राज्यसात सं0	वाहन जहाँ रखा है
1	2	3	4	5
1	टाटा 407 चे0 सं0 3570101, 50818864, E497SP21/902.65370	462/2016	65/2016	बरही प्रक्षेत्र
2	ट्रक 407 बिनानम्बर का	694/2018	03/2019	बरही प्रक्षेत्र
3	पिकअप भान संख्या JH 12C 2119	347/2018	47/2018	बरही प्रक्षेत्र
4	टाटा 207 संख्या JH 02M 1699	103/2017	45/2017	बरही प्रक्षेत्र
5	महिन्द्रा ट्रैक्टर इंजन संख्या M&M(TD)C05552888R1 चे0 संख्या 751046R5 डाला सहित	18/2021	02/2021	बड़कागांव प्रक्षेत्र
6	इन्डो फार्म ट्रैक्टर इंजन संख्या C324306264NT चे0 संख्या CNT3035006135 डाला सहित	58/2021	04/2021	बड़कागांव प्रक्षेत्र
7	बजाज मोटरसाईकल डिस्कवर संख्या JH 02R 3747	1479/2022	22/2022	बड़कागांव प्रक्षेत्र
8	टाटा टरबो संख्या JH 01F 5299	367/2020	19/2020	बड़कागांव प्रक्षेत्र
9	बोलेरो मैक्स पिकअप जूनियर 2WDMA1RZ2GAA81K53109GA81K26458	667/2020	24/2020	प्रमंडलीय कार्यालय
10	पॉवर ट्रैक ट्रैक्टर 434 Engine No. T9920001008H Ch. No. T77010010 डाला सहित	809/2020	31/2020	बड़कागांव प्रक्षेत्र
11	पावर ट्रैक्टर ई0 सं0 E3069831 चे0 सं0 B30644568 डाला सहित	273/2018	40/2018	बडकागांव प्रक्षेत्र
12	आयसर ट्रैक्टर इंजन संख्या 56828426231	87/2012	04/2012	अम्बाटोला पुलिस पिकेट
13	मोटर साईकल इंजन संख्या HA10EA8HM47591 Ch. No. MBLHA10EE8AM30034	88/2017	44/2017	बड़कागांव प्रक्षेत्र
14	मोटर साईकल संख्या JH 02F 7322	46/2009	04/2009	बडकागांव प्रक्षेत्र
15	आयसर ट्रैक्टर ई0 सं0 515029199077 चे0सं0 91501023123 डाला सहित	76/2018	59/2018	प्रमण्डलीय कार्यालय
16	टाटा 407 बिना नम्बर का	501/2019	17/2019	प्रमंडलीय कार्यालय
17	मारूति भान बिना नम्बर का	426/2018	49/2018	हजारीबाग प्रक्षेत्र
18	मारूति भान बिना नम्बर का	1487/2019	41/2019	हजारीबाग प्रक्षेत्र
19	महिन्द्रा षक्तिमान ट्रैक्टर ई0 सं0 930CD3946 डाला सहित	97/2016	31/2016	बडकागांव प्रक्षेत्र
20	ट्रैक्टर ई0 नं0 C324403255NS डाला सहित	43/2017	02/2017	बडकागांव प्रक्षेत्र
21	पावर ट्रैक ट्रैक्टर इ0 सं0 T77010010A29C03 डाला सहित	26/2017	55/2017	बडकागांव प्रक्षेत्र
22	बजाज डिस्कभर मोटरसाईकिल सं0– JH-11F-1057	2175/2021	60/2021	बडकागांव प्रक्षेत्र
23	मारूती भैन– BR-23B-7284	18/2014	03/2014	प्रमण्डलीय कार्यालय
24	महिन्द्रा मैक्सी निबंधन संख्या– JH-02S-9920	425/2013	58/2013	चौपारण प्रक्षेत्र परिसर
25	हिरो हौण्डा सी0डी0 डीलक्स अनिबंधित	12/2016	06/2016	बरही प्रक्षेत्र परिसर
26	हिरो हौण्डा मोटरसाईकिल संख्या– BR-14D-6764	554/2015	03/2016	बड़कागांव प्रक्षेत्र
27	बजाज मोटरसाईकिल निबंधन संख्या– JH-02E-0942	521/2013	66/2013	बरही प्रक्षेत्र परिसर

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
हजारीबाग पश्चिमी प्रमंडल

PR.NO.312150 Forest, Environment and Climate Changes(23-24):D

न्यूज रील्स

मुंबई में ट्रेनी अग्निवीर महिला ने सुसाइड किया

मुंबई। मुंबई में इंडियन नेवी के लिए अग्निवीर की ट्रेनिंग ले रही महिला ने आत्महत्या कर ली। 20 साल की यह ट्रेनी अग्निवीर नेवी के हॉस्टल में रहती थी। उसका शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने बताया कि वह केरल की रहने वाली अपर्णा नायर थी और पिछले 15 दिनों से ट्रेनिंग ले रही थी। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

ऑटो ड्राइवर्स के बीच पहुंचे सांसद राहुल गांधी

हैदराबाद। तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 28 नवंबर को राहुल ने हैदराबाद के जुबली हिल्स में ऑटो चालकों, गिग वर्कर्स और स्वच्छता कर्मचारियों के साथ बातचीत की। इस दौरान सभी वर्कर्स ने उनके साथ अपनी तकलीफें साझा की। जिसका वीडियो भी सामने आया है। राहुल के साथ पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और जुबली हिल्स से कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद अजहरुद्दीन भी मौजूद थे। अजहरुद्दीन राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं।

सुरंग की 'कैद' में मजदूरों ने अपने जज्बे को रखा कायम

खुद को स्वस्थ रखने के लिए किया योगा

- बाहर से बढ़ाया जा रहा था उनका हौसला

आजाद सिपाही संवाददाता

उत्तरकाशी। सुरंग के भीतर बीते 17 दिन से फंसे मजदूरों को बाहरी दुनिया की मुश्किलों की जानकारी नहीं दी गयी थी। उनका हर वक्त हौसला बढ़ाया जाता रहा, जिससे वह परेशानी महसूस न करें। वह मोबाइल पर गाने सुनते थे। बीएसएनएल के लैंडलाइन फोन से परिजनों से बातचीत भी कर पा रहे थे। परिजनों और भीतर फंसे मजदूरों के बीच संवाद कायम रखने के लिए उन्हें कुछ औपचारिकताएं पूरी करके अंदर जाने की आजादी दी गयी थी। परिजन सुरंग के भीतर जाकर अंदर फंसे अपने लोगों से बातचीत कर पा रहे थे। सबा अहमद के भाई नैयर अहमद ने बताया कि वह जब भी बात करते थे तो उसे समझाते थे कि सबकुछ ठीक चल रहा है। फोन की मदद से सबा की

पत्नी व तीन बच्चों के हालचाल भी उसे लगातार बता रहे थे। बिहार में बैठे परिजन भी सबा का हौसला बढ़ा रहे थे। डॉक्टर की टीम सुबह और शाम दो चरणों में पांच घंटे मजदूरों से बातचीत कर रही थी। डॉ. प्रेम पोखरियाल का कहना है कि वह हर मजदूर की स्वास्थ्य संबंधी समस्या सुनते थे। उसी हिसाब से दवाई भीतर भेज रहे थे। उन्होंने बताया कि मजदूरों को भीतर लगातार ओआरएस का घोल पीने की सलाह दी जा रही थी। उन्हें समय से नाश्ता, लंच, डीनर भी भेजा जा रहा था। उन्होंने बताया कि मजदूरों को पहले एनर्जी ड्रिंक भेजी गयी थी, लेकिन फिर पूरा भोजन दिया गया। मजदूर खुद को स्वस्थ रखने के लिए भीतर ही योगा कर रहे थे। सुरंग के भीतर सुबह-शाम टहल रहे थे। मजदूरों के लिए सोने की परेशानी हो सकती थी, लेकिन सौभाग्य से भीतर जियो टेक्सटाइल शीट थी, जो मजदूरों के सोने के काम आयी। उन्हें वीडियो गेम खेलने के लिए मोबाइल भेजे गये थे।

मजदूरों के परिजनों का हौसला बनाये हुए हैं पूर्वी सिंहभूम जिला उपश्रमायुक्त

रांची (आजाद सिपाही)। उत्तरकाशी में दस नवंबर को आये भूकंप से किलियारा टनल में धंसान हो जाने से 41 मजदूर मजदूर सत्रह दिन से फंसे हुए हैं और उन्हें बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पूरा देश इस वक्त उनके सलामती के लिए दुआ कर रहा है और उन कर्मवीरों का हालचाल जानने के लिए प्रत्येक दिन प्रधानमंत्री भी किलियारा टनल से अपडेट लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो लगातार साइट पर आकर निरीक्षण कर रहे हैं। उन्हें आवश्यक निर्देश भी दे रहे हैं। कई केंद्रीय मंत्री और अन्य राज्यों से मंत्रियों और उच्च अधिकारियों का भी लगातार आने का सिलसिला जारी है। असम, बंगाल, बिहार, उत्तरप्रदेश के बड़े उच्च पदाधिकारी उत्तरकाशी में रह कर अपने-अपने राज्य के फंसे मजदूरों का हालचाल जानने के लिए उपस्थित हैं। पांच दिनों से एक मात्र अकेले ही उत्तरकाशी में रह कर झारखंड श्रम नियोजन विभाग के संयुक्त श्रमयुक्त सह जमशेदपुर के उप श्रमायुक्त राकेश प्रसाद सुबह से लेकर शाम तक झारखंड के पंद्रह कर्मवीरों के कुशलता की जानकारी लेकर यहां मौजूद उनके परिजनों से मुलाकात कर उनकी हौसला बनाये हुए है। प्रत्येक दिन स्थिति की जानकारी श्रम विभाग के सचिव राकेश शर्मा को दे रहे हैं, जो मुख्यमंत्री को अवगत करा रहे हैं।

वर्ल्ड मीडिया में उत्तरकाशी रेस्क्यू पर नजर

- बीबीसी ने लिखा रेस्क्यू टीम को बड़ी कामयाबी मिली, द गार्डियन ने लिखा, रेस्क्यू टीम एक-एक करके 41 मजदूरों को निकाल लेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। उत्तराखंड की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल में 41 मजदूर 17 दिनों से फंसे हैं। उन्हें रेस्क्यू करने की कोशिशें अंतिम दौर में पहुंच चुकी थी। इस बीच मजदूरों के रेस्क्यू की खबरें हमारे पड़ोसी देशों पाकिस्तान और नेपाल के अलावा अमेरिका और ब्रिटेन में भी सुर्खियों में देखने को मिलने लगे।

बीबीसी (ब्रिटेन)-भारतीय रेस्क्यू टीम को बड़ी कामयाबी मिली। टीम फंसे हुए मजदूरों के करीब पहुंच गयी है। रैट माइनर्स ने 800 एमएम के पाइप में घुसकर ड्रिलिंग की। सुरंग के अंदर 41 मजदूर फंसे हुए हैं। इन तक पहुंचने के लिए पाइप बिछाने का काम पूरा हो चुका है, लेकिन उन्हें बाहर निकालने में कुछ समय लग सकता है।

अल जजीरा (कतर)-उत्तराखंड में 41 मजदूरों को 'जल्द' बचाया जायेगा। 12 नवंबर को 4.5 किमी (2.8 मील) लंबी सुरंग के ढहने के बाद से मजदूर यहां फंसे हुए हैं। यह प्रोजेक्ट मोदी सरकार के चारधाम रोड प्रोजेक्ट का हिस्सा है। फंसे हुए मजदूर रेस्क्यू करने पहुंचे लोगों की आवाज सुन पा रहे हैं। उन्हें खुदाई की आवाज भी आ रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स (अमेरिका)-16 दिन बाद भारतीय रेस्क्यू टीम टनल में फंसे मजदूरों तक पहुंची। बार-बार आयी तकनीकी परेशानियों के बाद, भारतीय रेस्क्यू टीम मैन्युअल ड्रिलिंग करके मजदूरों तक पहुंचने वाली है। रेस्क्यू के लिए सुरंग में डाला गया पाइप मजदूरों तक पहुंच चुका है।

द डॉन (पाकिस्तान)-भारतीय बचावकर्मी सुरंग में फंसे 41 लोगों को बाहर निकालने की कगार पर हैं। मजदूर निकलने ही वाले हैं। रेस्क्यू के लिए सुरंग में डाला गया पाइप मजदूरों तक पहुंच चुका है। टनल के पास एंबुलेंस मौजूद हैं।

काठमांडू पोस्ट (नेपाल)-भारतीय रेस्क्यू टीम 41 मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने के बेहद करीब है। ये मजदूर 2 हफ्तों सुरंग में फंसे हैं। टनल से पानी निकालने के लिए बिछाये गये पाइप से मजदूरों तक ऑक्सीजन, दवा, भोजन और पानी अंदर भेजा जा रहा था।

द गार्डियन (जर्मनी)-रेस्क्यू टीम एक-एक करके 41 मजदूरों को निकाल लेगी। उत्तराखंड की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल में 12 नवंबर से ये मजदूर फंसे हैं। 90 सेंटीमीटर (3 फीट) चौड़े पाइप के जरिए स्ट्रेचर पर एक-एक करके उन्हें बाहर निकालने की प्रोसेस में कुछ घंटे लगेंगे।

सीएनएन (अमेरिका)-टनल में फंसे 41 मजदूरों को जल्द रेस्क्यू किया जायेगा। रेस्क्यू टीम ड्रिलिंग करते हुए मजदूरों तक पहुंचने वाली है। जल्द उन्हें बाहर निकाला जायेगा। 12 नवंबर को टनल में मलबा गिरना शुरू हुआ तो यह मेन गेट से 200 मीटर अंदर तक भारी मात्रा में जमा हो गया।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (चीन)- भारतीय रेस्क्यू टीम हिमालयन टनल में फंसे मजदूरों तक पहुंचे की फाइनल स्टेज पर है। ऑपरेशन में बार-बार असफलताओं के बाद, मिलिट्री इंजीनियर्स और माइनर्स ने रैटहोल तकनीक के जरिए खुदाई की। **रॉयटर्स (ब्रिटिश न्यूज एजेंसी)**-खुदाई के बाद मजदूरों तक पहुंची भारतीय रेस्क्यू टीम, मजदूरों को जल्द निकालेगी। रैट माइनर्स के नेतृत्व में भारतीय बचाव दल ने मंगलवार को सुरंग में 17 दिनों से फंसे 41 मजदूरों तक पहुंचने के लिए चट्टानों और मलबे को ड्रिल किया।

बैपारीगुडा पुलिस थाना अधिकारी के घर विजिलेंस का छापा

37.27 लाख रुपये बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बैपारिगुड़ा पुलिस स्टेशन अधिकारी सुशांत कुमार शतपथी विजिलेंस के घेरे में हैं। विजिलेंस ने पुलिस अधिकारी के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान घर से 500 के नोट के कई बंडल मिले हैं। लगभग 25 लाख रुपये से ज्यादा की रकम जब्त होने की जानकारी मिली है। यह पैसा कटक में स्थित सरकारी क्वार्टर से मिला है। हालांकि सोमवार को बस से आते समय विजिलेंस के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया था। विजिलेंस ने उसे तब गिरफ्तार किया, जब वह 2 लाख से अधिक रुपये लेकर कटक जा रहा था। उनके पास से 2 लाख 70 हजार रुपये और बैपारिगुड़ा पुलिस स्टेशन में सुशांत के चैंबर से 1

लाख 80 हजार रुपये जब्त किये गये थे। घर पर छापेमारी के दौरान 3 लाख रुपये जब्त किये गये। विजिलेंस टीम ने कुल 7.5 लाख रुपये जब्त किये हैं। विजिलेंस ने पुलिस अधिकारी को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच जारी रखी है। सुशांत सत्पथी आइआइसी बैपारिगुडा पीएस के स्थानों पर चल रही तलाशी में अब तक उनके पास से 2,70,000 रुपये, बैपरिगुडा पीएस में उनके कार्यालय कक्ष से 1,80,000 रुपये, बैपरिगुड़ा स्थित उनके सरकारी क्वार्टर से 3 लाख रुपये, कटक के बक्सी बाजार में स्थित उनके आधिकारिक सरकारी क्वार्टर से 29 लाख 77 हजार रुपये बरामद किये गये हैं। बरामद और जब्त की गयी कुल नकदी 37,27,000 रुपये है। उन्हें जयपुर सतर्कता कार्यालय में हिरासत में लिया गया है और नकदी के संबंध में उनसे पूछताछ की जा रही है।

एएसआइ की टीम पहुंची श्रीमंदिर

मंदिर के रत्न भंडार की शुरू हुई लेजर स्कैनिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूरी श्रीमंदिर के रत्नों भंडार की लेजर स्कैनिंग के लिए एएसआइ की टीम पहुंची है। एएसआइ अधीक्षक डीबी गडनायक के नेतृत्व में 15 लोगों की टीम रत्नों भंडार की लेजर स्कैनिंग में सामिल है। टीम में फोटोग्राफी सदस्य भी शामिल हैं। सबसे पहले बाहरी रत्नों भंडार को स्कैन किया जायेगा, फिर मुख्य मंदिर और दूसरी तरफ के देवी-देवताओं को स्कैन किया जायेगा। एएसआइ अधीक्षक डीबी गड़नायक ने इस की दी जानकारी दी। श्रीमंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन कुमार दास ने कहा था।

उन्होंने बताया कि रत्नों भंडार के साथ मुख्य मंदिर और अन्य मंदिरों की भी स्कैनिंग की जायेगी। हालांकि, मुख्य प्रशासक ने कहा कि तकनीकी समिति लेजर स्कैनिंग रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद अगला निर्णय लिया जायेगा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति अनुगुल की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), अनुगुल की 44वीं बैठक मंगलवार को अमिय कुमार स्वाईं, कार्यपालक निदेशक, नालको की अध्यक्षता में संपन्न हुई। राजभाषा विभाग से पधारे निर्मल कुमार दुबे, उप निदेशक, पूर्वी क्षेत्र ने सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रस्तुत प्रगामी राजभाषा रिपोर्टों की विस्तृत समीक्षा की तथा उचित दिशा निर्देश दिये। बैठक का संचालन समिति के सदस्य सचिव पवन त्रिपाठी द्वारा किया गया। नालको, प्रद्रावक तथा विद्युत संकुल इस समिति की अध्यक्षता विगत 26 वर्षों से कर रहा है। ये समिति राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत है। बैठक के उपरांत सदस्य कार्यालयों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

पारादीप में बोइत बंदाण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हुई शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को ओड़िशा पारादीप में पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा आयोजित बोइत बंदाण समारोह में भाग लिया। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का उद्घाटन किया और साथ ही पोर्ट टाउनशिप के लिए नये जलाशय और जल उपचार संयंत्र और अगली पीढ़ी के जहाज यातायात प्रबंधन और सूचना प्रणाली की आधारशिला भी रखी। राष्ट्रपति ने कहा कि हर वर्ष जावा, सुमात्रा, बाली आदि द्वीपों के लिए व्यापारियों की प्रतीकात्मक नाव यात्रा - बालीयात्रा की ऐतिहासिक स्मृतियों का स्मरण करना सराहनीय है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि बालीयात्रा अपने गौरवशाली अतीत की स्मृति में मनाया जाने वाला एक अनोखा त्योहार है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से मनाया जाने वाला यह त्यौहार ओड़िशा के समुद्री व्यापार की समृद्धि का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह ओड़िशा के लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को भी उजागर करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्र भारत के व्यापार, वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने का एक प्रमुख साधन रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समुद्र पर आधारित साहित्य ने भी भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया है। उन्होंने

कहा कि ओड़िशा और अन्य तटीय राज्यों में नौसैनिक वाणिज्य की एक लंबी और समृद्ध परंपरा थी। राष्ट्रपति ने कहा कि व्यापार और वाणिज्य के अलावा उन व्यापारियों ने भारतीय कला और संस्कृति को विदेशों में फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री व्यापार हमारे देश के व्यापार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के कुल व्यापार का मात्रा की दृष्टि से 95 प्रतिशत और मूल्य की दृष्टि से 65 प्रतिशत व्यापार समुद्री परिवहन के माध्यम से होता है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि भारत के बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप अधिक दक्षता के साथ काम करने की आवश्यकता है। इसीलिए भारतीय बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने और उनकी दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सागरमाला कार्यक्रम इस दिशा में एक प्रशंसनीय कदम है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार 'समृद्धि के लिए बंदरगाह' और 'प्रगति के लिए बंदरगाह' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए काम कर रही है। राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि पारादीप बंदरगाह की कार्गो प्रबंधन क्षमता पिछले दशक में दोगुनी हो गयी है। यह पूर्वी तट पर सबसे बड़ा बंदरगाह बनने की ओर अग्रसर है। ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट-2023 में इसे 'पोर्ट ऑफ ऑपरेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड' भी प्राप्त हुआ था।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज उद्घाटन किया गया मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क व्यापार के पारदर्शी विकास को एक नयी दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि पोत यातायात प्रबंधन और सूचना प्रणाली से सुसज्जित नए आधुनिक सिग्नल स्टेशन इस बंदरगाह के माध्यम से समुद्री यातायात को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बना देंगे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**